

विश्व पर्यावरण दिवस

गेवड़े के पेड़ों पर कुल्हाड़ी चली तो आ जाएगी विपदा, बुंदेलखंड में बचा रहे पेड़

अनुरोध पटेरिया ►► जबलपुर

जबलपुर। पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के संवर्धन की आधुनिक अवधारणाओं से बहुत पहले बुंदेलखंड के ग्रामीण समाज ने अपनी लोक परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं के माध्यम से वृक्षों एवं प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा का प्रभावी तंत्र विकसित कर लिया था। आज भी क्षेत्र के अनेक गांवों में गेवड़े की खेरमाई और चरनोई भूमि प्रकृति संरक्षण के जीवंत उदाहरण हैं। बुंदेलखंड के अधिकांश गांवों के बाहरी हिस्से को स्थानीय भाषा में गेवड़ा कहा जाता है। यहां ग्राम देवी अथवा खेरमाई माता के मंदिर स्थापित किए जाते हैं। इन स्थलों के आसपास सघन वृक्ष समूह विकसित हो जाते हैं। देवी पूजन में प्रयुक्त होने वाले लोहे के भाले, सांग और अन्य धार्मिक प्रतीक इन्हीं वृक्षों के बीच रखे जाते हैं। ग्रामीण मान्यता है कि इन वृक्षों की कटाई या अनावश्यक छंटाई करने पर देवी अप्रसन्न हो सकती हैं, जिससे गांव में सूखा, बीमारी या अन्य प्राकृतिक विपत्तियां आ सकती हैं। यही कारण है कि इन क्षेत्रों के वृक्ष वर्षों तक सुरक्षित बने रहते हैं। इसी प्रकार प्रत्येक गांव में चरनोई भूमि



पूजन में आम, पान, केला तथा अन्य पौधों के पत्तों का उपयोग

बुंदेली संस्कृति में धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से भी वृक्षों के प्रति सम्मान की भावना विकसित की गई है। पूजन में आम, पान, केला तथा अन्य पौधों के पत्तों का उपयोग किया जाता है। हवन और धार्मिक अनुष्ठानों में आम की लकड़ी सहित विभिन्न पवित्र वृक्षों की सामग्री प्रयुक्त होती है। इससे लोगों में वृक्षों के संरक्षण और संवर्धन की भावना मजबूत होती है। सनातन परंपरा में अनेक वृक्षों को देवस्वरूप माना गया है। पीपल और बरगद को विशेष रूप से पूजनीय माना जाता है। तुलसी, बेल, शमी, आवला, नीम, केला और कदंब जैसे पौधों का धार्मिक महत्व होने के कारण इन्हें रोपा और संरक्षित किया जाता है। भारतीय पौराणिक साहित्य में भी वृक्षों में देवी-देवताओं के वास का उल्लेख मिलता है।

आरक्षित रखी जाती है। यह भूमि केवल पशुओं के चरने के लिए निर्धारित होती है। यहां कृषि, निर्माण अथवा किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि सामाजिक रूप से प्रतिबंधित मानी जाती है। भूमि स्वामी भी इस पर अपना व्यक्तिगत अधिकार नहीं

जताते और इसे सामुदायिक उपयोग के लिए सुरक्षित रखते हैं। परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में प्राकृतिक वनस्पतियां और वृक्ष संरक्षित रहते हैं तथा पशुधन के लिए चारे की उपलब्धता बनी रहती है।

धर्मग्रंथों में वर्णित श्लोक

मूलतो ब्रह्मरूपाय मध्यतो विष्णुरूपिणे।
अगतः शिवरूपाय वृक्षराजाय ते नमः॥

वृक्षों के आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करता है। इसके अनुसार वृक्ष की जड़ में ब्रह्मा, मध्य भाग में विष्णु और शीर्ष पर भगवान शिव का निवास माना गया है। लोकमान्यताओं के अनुसार पीपल में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास, बरगद में त्रिदेव का निवास, तुलसी में माता लक्ष्मी का स्वरूप, बेल में भगवान शिव की उपस्थिति तथा कदंब को भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय वृक्ष माना गया है। इसी प्रकार नीम को शीतला माता और दुर्गा से तथा आवले को भगवान विष्णु से जोड़ा गया है। वृक्षारोपण के महत्व को बताते हुए एक अन्य प्राचीन श्लोक में पीपल, नीम, बरगद, अमार, नींबू और आम जैसे वृक्ष लगाने को पुण्यकारी बताया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि धार्मिक आस्था और सामाजिक अनुशासन पर आधारित ये परंपराएं आज भी पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी माध्यम हैं। बुंदेलखंड की खेरमाई, गेवड़ा और चरनोई जैसी व्यवस्थाएं इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय लोकजीवन में प्रकृति संरक्षण केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि संस्कृति और आस्था का अभिन्न हिस्सा रहा है।



यह सीख सकते हैं

बैगा समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएं भी पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देती हैं। अनेक वृक्ष, पहाड़, नदी-नाले और वन क्षेत्र उनके लिए पूजनीय हैं। इन प्राकृतिक स्थलों के प्रति श्रद्धा भाव के कारण वे उनका संरक्षण करते हैं। यह परंपरा हमें सिखाती है कि पर्यावरण संरक्षण केवल कानूनों से नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों से भी संभव है।

बैगा जनजाति : प्रकृति के साथ सामंजस्य का अद्भुत मॉडल

अंकित चौरसिया ►► डिंडौरी

विश्व पर्यावरण दिवस पर जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन पर चिंता व्यक्त कर रही है, तब मध्य भारत के वनांचलों में निवास करने वाली बैगा जनजाति हमें प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने का वास्तविक मार्ग दिखाती है। सदियों से जंगलों के बीच जीवनयापन करने वाली यह आदिम जनजाति पर्यावरण संरक्षण की ऐसी परंपराओं को जीवित रखे हुए है, जिन्हें आज का आधुनिक समाज और वैज्ञानिक समुदाय भी टिकाऊ विकास का आधार मान रहा है।

बैगा जनजाति मुख्य रूप से प्रदेश के डिंडौरी और मंडला जिलों के वन क्षेत्रों में निवास करती है। इन क्षेत्रों में स्थित बैगा चक विशेष रूप से बैगा समुदाय की सांस्कृतिक, सामाजिक और पारंपरिक पहचान का केंद्र माना जाता है। डिंडौरी

जंगल, जमीन और जीवन का संतुलित दर्शन

जिले के समनापुर, बजाग और करंजिया विकासखंडों के अनेक गांव बैगा चक क्षेत्र में शामिल हैं। यह क्षेत्र न केवल बैगा संस्कृति का संरक्षण करता है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन और जैव विविधता संरक्षण का भी महत्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है।

बैगा समाज का जीवन जंगलों से गहराई से जुड़ा हुआ है। उनके लिए वन केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि जीवन का अभिन्न अंग हैं। जल, जंगल और जमीन के प्रति उनका दृष्टिकोण स्वामित्व का नहीं बल्कि संरक्षण और सह-अस्तित्व का है। यही कारण है कि बैगा समुदाय के पारंपरिक निवास क्षेत्रों में आज भी प्राकृतिक संसाधनों का अपेक्षाकृत बेहतर संरक्षण देखने को मिलता है। बैगा जनजाति की पारंपरिक कृषि प्रणाली विशेष रूप

से उल्लेखनीय है। वे लंबे समय तक 'बेवर खेती' या स्थानांतरित कृषि पद्धति अपनाते रहे हैं। इस पद्धति में सीमित क्षेत्र में खेती कर भूमि को कुछ वर्षों के लिए विश्राम दिया जाता है, जिससे उसकी प्राकृतिक उर्वरता बनी रहती है। आधुनिक कृषि विज्ञान आज जिस मृदा संरक्षण और टिकाऊ खेती की बात करता है, उसकी झलक बैगाओं की परंपरागत कृषि प्रणाली में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। बैगा किसान मिश्रित खेती को महत्व देते हैं। वे कोदो, कुटकी, सांवा, मक्का, ज्वार, तिल और विभिन्न दलहनी फसलों का उत्पादन करते हैं। मोटे अनाजों पर आधारित यह कृषि पद्धति कम पानी में भी सफल होती है तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है।



प्रकृति संरक्षण की जीवंत मिसाल है बैगा जनजाति

आनंद सोनी, मंडला

आधुनिकता और भौतिक सुख-सुविधाओं की दौड़ में जहां मानव लगातार प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन कर रहा है, वहीं मध्यप्रदेश के मंडला, डिंडौरी और आसपास के वन क्षेत्रों में निवास करने वाली बैगा जनजाति आज भी प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की अपनी परंपरा को बनाए हुए है। बैगा समुदाय का जीवन जंगल, जल, जमीन और जैव विविधता से गहराई से जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उन्हें प्रकृति का सच्चा संरक्षक भी कहा जाता है। बैगा जनजाति की मान्यता है कि प्रकृति ही जीवन का मूल आधार है और इसमें ईश्वर का वास होता है। उनके धार्मिक विश्वास, सामाजिक परंपराएं और दैनिक जीवन प्रकृति के इर्द-गिर्द ही केंद्रित रहते हैं। बैगा समाज में पेड़-पौधों, नदियों, पहाड़ों और वन्य जीवों को विशेष सम्मान दिया जाता है। वे प्रकृति को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता मानते हैं। यही सोच उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्वाभाविक रूप से संवेदनशील बनाती है। पुराने समय में बैगा समाज का जीवन अत्यंत सादगीपूर्ण था। पुरुष सामान्यतः लंगोटी धारण करते थे और उनकी जीवनशैली में अपव्यय के लिए कोई स्थान नहीं था। जल संरक्षण के प्रति उनकी जागरूकता का उदाहरण अक्सर दिया जाता है कि वे स्नान के दौरान भी पानी का अत्यंत सीमित उपयोग करते थे। उनके लिए पानी केवल उपयोग की वस्तु नहीं बल्कि प्रकृति का अनमोल उपहार था, जिसकी रक्षा करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य माना जाता था। बैगा समुदाय की पारंपरिक कृषि पद्धति भी प्रकृति के अनुकूल रही है। पहले खेती कुदाल और अन्य पारंपरिक उपकरणों से की जाती थी, जिससे भूमि की उर्वरता और प्राकृतिक संतुलन बना रहता था। हालांकि समय के साथ नई पीढ़ी आधुनिक कृषि यंत्रों और ट्रैक्टरों का उपयोग करने लगी है, लेकिन खेती और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए



रखने की सोच अभी भी उनके जीवन का हिस्सा है। आधुनिक साधनों को अपनाने के बावजूद वे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व को नहीं भूले हैं। वृक्षों के प्रति बैगा समाज का विशेष लगाव देखने को मिलता है। समुदाय में बिना आवश्यकता किसी पेड़ की शाखा काटना या हरे-भरे वृक्ष को नुकसान पहुंचाना अनुचित माना जाता है। जंगल से केवल उतनी ही वन उपज ली जाती है, जितनी जीवन-यापन के लिए आवश्यक हो। यही कारण है कि बैगा बहुल क्षेत्रों में आज भी अनेक दुर्लभ वनस्पतियां और प्राकृतिक संपदाएं सुरक्षित दिखाई देती हैं। उनका मानना है कि यदि जंगल सुरक्षित रहेंगे तो मानव जीवन भी सुरक्षित रहेगा। बैगा जनजाति की पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली भी प्रकृति आधारित है। विभिन्न बीमारियों के उपचार के लिए वे जड़ी-बूटियों और औषधीय पौधों का उपयोग करते हैं। समुदाय के अनुभवों और बुजुर्ग वनस्पतियों के गुणों की गहरी जानकारी रखते हैं। यह ज्ञान पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक रूप से हस्तांतरित होता रहा है। औषधीय पौधों के संरक्षण के प्रति उनकी जागरूकता इस बात का प्रमाण है कि वे केवल वर्तमान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की भी चिंता करते हैं।

बैगा समाज के त्योहार, रीति-रिवाज और धार्मिक अनुष्ठान भी प्रकृति से जुड़े हुए हैं। वर्षा, फसल, वन और जल स्रोतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की परंपरा आज भी उनके सांस्कृतिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनकी जीवनशैली यह संदेश देती है कि विकास और प्रकृति संरक्षण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हो सकते हैं।

वर्तमान समय में जब जलवायु परिवर्तन, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी चुनौतियां पूरी दुनिया के सामने खड़ी हैं, तब बैगा जनजाति की पारंपरिक जीवनशैली और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना समाज के लिए प्रेरणास्रोत बन सकती है। प्रकृति के साथ संतुलित संबंध स्थापित करने की उनकी सोच हमें यह सीख देती है कि पृथ्वी के संसाधनों का उपयोग आवश्यकता के अनुसार किया जाए, न कि अंधाधुंध दोहन के लिए।

बैगा जनजाति केवल एक आदिवासी समुदाय नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण की उस जीवंत संस्कृति की प्रतिनिधि है, जो सदियों से पर्यावरण और मानव जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने का संदेश देती आ रही है। आज आवश्यकता है कि उनके पारंपरिक ज्ञान, पर्यावरणीय समझ और संरक्षण की भावना को व्यापक स्तर पर पहचान और सम्मान मिले, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी प्रकृति के साथ सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा प्राप्त कर सकें।

विज्ञान...जहां पुरखों की आत्माएं करती हैं जंगलों की पहरेदारी

पातालकोट का देववन

हरिभूमि न्यूज - मनीष गड़करी

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के पातालकोट क्षेत्र में निवासरत भारिया जनजाति सदियों से प्रकृति संरक्षण की ऐसी परंपरा का पालन कर रही है, जो आधुनिक पर्यावरण प्रबंधन के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण मानी जा सकती है। घने जंगलों, दुर्लभ औषधीय वनस्पतियों और समृद्ध जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध पातालकोट में आज भी अनेक वन क्षेत्र स्थानीय समुदाय द्वारा देववन अथवा देवस्थान के रूप में संरक्षित किए जाते हैं।

भारिया जनजाति की मान्यता है कि गाँव की सीमा पर स्थित कुछ प्राचीन वृक्ष और वनररीक उनके पूर्वजों तथा ग्राम देवताओं का निवास स्थल हैं। इन स्थानों पर प्रायः साज, महूआ, बरगद, पीपल और अन्य विशालकाय वृक्ष पाए जाते हैं, जिन्हें विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व प्राप्त है। समुदाय के लोग इन वृक्षों को अपने पुरखों का प्रतीक मानते हैं तथा इनके

आदिवासी परंपरा से संरक्षित हैं जंगल और जड़ी-बूटियों का खजाना



संरक्षण को सामाजिक और धार्मिक दायित्व समझते हैं। यही कारण है कि इन क्षेत्रों में वृक्षों की कटाई, भूमि को खुदाई अथवा किसी प्रकार का हस्तक्षेप निषिद्ध माना जाता है।

देवनों की छांव में सुरक्षित है जैव विविधता का खजाना साल का हर दिन पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस और आदिवासी जीवन दृष्टि जहाँ आधुनिक समाज को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए वर्ष में एक दिन विश्व पर्यावरण दिवस मनाना पड़ता है, वहीं पातालकोट की भारिया जनजाति के लिए प्रकृति संरक्षण जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। उनकी संस्कृति, परंपराएं और सामाजिक मान्यताएं उन्हें पूरे वर्ष जंगलों, पेड़ों और जैव विविधता की रक्षा की प्रेरणा देती हैं। वे वृक्षों को केवल वन संपदा नहीं, बल्कि देवतुल्य मानते हैं और अपना जीवन उनसे जुड़ा हुआ देखते हैं। यही कारण है कि उनके लिए किसी एक दिन का पर्यावरण दिवस नहीं, बल्कि वर्ष का प्रत्येक दिन प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण को समर्पित होता है।

देववन की परम्परा ने संरक्षित रखा है जंगल

देववन की परंपरा ने पातालकोट के जंगलों को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिन क्षेत्रों को धार्मिक आस्था से जोड़ा गया है, वहाँ जैव विविधता अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित बनी हुई है। इन संरक्षित वनखंडों में दुर्लभ वनस्पतियाँ, पक्षी और वन्यजीव आज भी पाए जाते हैं, अन्य क्षेत्रों में मानव हस्तक्षेप का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। भारिया जनजाति

का यह पारंपरिक ज्ञान केवल धार्मिक विश्वास तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव के सह-अस्तित्व की एक सशक्त अवधारणा को भी दर्शाता है। आधुनिक पर्यावरणीय चुनौतियों, जलवायु परिवर्तन और वन क्षरण के दौर में यह परंपरा बताती है कि स्थानीय समुदायों की भागीदारी और सांस्कृतिक मान्यताएँ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण कितनी प्रभावी हो सकती हैं। पातालकोट के देववन आज भी इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि जब जंगलों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि संस्कृति, आस्था और पूर्वजों की धरोहर के रूप में देखा जाता है, तब उनका संरक्षण स्वतः सुनिश्चित हो जाता है। यही कारण है कि भारिया जनजाति की यह अनूठी परंपरा न केवल पातालकोट की पहचान है, बल्कि प्रकृति संरक्षण का एक प्रेरणादायी मॉडल भी है।

औषधि संपदा के लिए विश्व प्रसिद्ध है पातालकोट

जबकि प्रकृति और पातालकोट का क्षेत्र अपनी औषधीय संपदा के लिए देशभर में जाना जाता है। यहाँ की पहाड़ियों और जंगलों में गिलोय, अश्वगंधा, कालमेघ, सफेद मुसली, शतावरी, वच तथा अनेक दुर्लभ जड़ी-बूटियाँ प्राकृतिक रूप से पाई जाती हैं। भारिया समुदाय पारंपरिक वनोपधीय ज्ञान का संरक्षक माना जाता है और पीढ़ी-दर-पीढ़ी यह ज्ञान मौखिक रूप से हस्तांतरित होता आया है। स्थानीय वैद्य इन जड़ी-बूटियों का उपयोग विभिन्न रोगों के उपचार में करते रहे हैं।

सीजेआई सूर्यकांत ने कानून की जिम्मेदारी बताई

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने एआई को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि एआई अब केवल एक कल्पनात्मक तकनीक नहीं, बल्कि एक वास्तविकता बन चुकी है और यह अंतरराष्ट्रीय कानून के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस दशक में लिए जाने वाले निर्णय तकनीक, शक्ति, स्वतंत्रता और न्याय के बीच भविष्य के संबंधों को निर्धारित करेंगे। ब्रिटेन के बर्कबेक, लंदन विश्वविद्यालय में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड इंटरनेशनल लॉ' विषय पर आयोजित सार्वजनिक व्याख्यान में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि तकनीक न तो स्वभाव से अच्छी होती है और न ही बुरी।

खबर संक्षेप

‘सुरहा ताल’ बना देश का 100वां रामसर स्थल

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जमें स्थित जय प्रकाश नारायण पक्षी अभयारण्य (जिसे सुरहा ताल के नाम से भी जाना जाता है) को देश का 100वां रामसर स्थल (आद्रभूमि) घोषित किया गया है। यह ऐतिहासिक घोषणा विश्व पर्यावरण दिवस पर की गई थी। भारत दुनिया में अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

हिमंत कैबिनेट विस्तार 12 नए मंत्री शामिल

गुवाहाटी। असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा शुक्रवार को कैबिनेट विस्तार किया। इस बार कैबिनेट में 12 और नाम जुड़े। जो नए मंत्री शामिल किए गए हैं, उनमें पीयूष हजारीका से लेकर सुशांत बोरगोहेन जैसे अनुभवी नेताओं के नाम शामिल हैं। इसके अलावा एक महिला नेता- नीलिमा देवी को भी कैबिनेट का हिस्सा बनाया है।

मणिपुर में फिर हिंसा 3 लोगों की मौत

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के कुकी-जो समुदाय के गांव पर शुक्रवार सुबह हमला। इस हमले में दंपती सहित उलोग मारे गए हैं। हिंसा की इस ताजा घटना के बाद राज्य के पहाड़ी इलाकों में तनाव बढ़ गया है। कांगपोकपी के लोइबोल खुल्लेन गांव पर अज्ञात बंदूकधारियों ने हमला कर दिया। 7 घरों में आग लगा दी।

जीजा की नियुक्ति, केरल के मंत्री ने दी सफाई

तिरुवनंतपुरम। केरल के बिजली मंत्री सनी जोसेफ ने शुक्रवार को जीजा को निजी स्टाफ में नियुक्त करने के फैसले का बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय उनके लोक सेवा के रिकॉर्ड के आधार पर लिया गया था, न कि पारिवारिक संबंधों के आधार पर। मंत्री ने कहा कि वे एक अच्छे लोक सेवक हैं।

केंद्रीय मंत्री पुरी ने ऑयल इंडिया को बधाई दी देश को अब नई दिशा मिलेगी

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत की ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू उत्पादन बढ़ाने के मोर्चे पर एक बेहद सकारात्मक और बड़ी खबर है। देश की प्रमुख सरकारी अन्वेषण कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड ने अंडमान सागर में गहरे पानी के भीतर प्राकृतिक गैस का खोज में एक बड़ी सफलता हासिल की है। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने ऑयल इंडिया को बधाई देते हुए एक्स पर यह जानकारी दी। यह खोज भारत के महत्वाकांक्षी डीप-वाटर एक्सप्लोरेशन अभियान को एक नई दिशा देने वाली साबित होगी।

मानवता और न्याय के सामने एआई बड़ी कानूनी चुनौती’, इस दशक के फैसले तय करेंगे तकनीक, शक्ति और न्याय के भविष्य के संबंध

ब्रिटेन के बर्कबेक, लंदन विश्वविद्यालय में ‘आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड इंटरनेशनल ला’ विषय पर बोले

तकनीक न तो स्वभाव से अच्छी होती है और न ही बुरी

इसका प्रभाव हमारी निर्भरता पर तय होगा



सीजेआई ने कहा कि इसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि समाज उसे किस कानूनी, राजनीतिक और नैतिक ढांचे के भीतर उपयोग करता है। कानून की जिम्मेदारी तकनीकी प्रगति का विरोध करना या उसके सामने बिना सवाल झुक जाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि तकनीकी शक्ति संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक वैधता और मानवीय गरिमा के प्रति जवाबदेह बनी रहे।

एआई सभी क्षेत्रों को कर रहा प्रभावित

एआई शासन, व्यापार, युद्ध, संचार, प्रशासन और न्यायिक एवं संप्रभु शक्तियों के इस्तेमाल को प्रभावित कर रहा है। सरकारें अब योजनाओं के आवंटन, आव्रजन आवेदनों के मूल्यांकन, सीमा निगरानी, और पुलिसिंग में इसका उपयोग कर रही हैं।

एआई न्यायिक व्यवस्था के लिए वड़ा अवसर

सीजेआई ने कहा कि एआई न्यायिक व्यवस्था के लिए एक अवसर भी है। यदि इसका जिम्मेदारीपूर्वक और मानवीय निगरानी में उपयोग किया जाए तो यह कानूनी शोध, केस प्रबंधन, अनुवाद, ट्रान्सक्रिप्शन, दस्तावेजों के वर्गीकरण और न्यायिक मिसालों का पहचान में मदद कर सकता है।

एआई कई अवधारणाओं को चुनौती दे रहा

उन्होंने यह भी कहा कि पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय कानून क्षेत्रीय सीमाओं पर आधारित रहा है, लेकिन एआई इन अवधारणाओं को चुनौती देता है। एआई मॉडल कई देशों के डेटा पर प्रशिक्षित होते हैं, अलग-अलग देशों में स्थित कंप्यूटिंग संसाधनों का उपयोग करते हैं।

एआई का भविष्य कैसे तय होगा?

अपने संबोधन के अंत में सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि एआई का भविष्य केवल तकनीकी नवाचार से नहीं, बल्कि मानवता द्वारा किए जाने वाले कानूनी और नैतिक विकल्पों से तय होगा। उन्होंने कहा कि चुनौती तकनीकी क्षमता को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि ऐसे माहौल में कानूनी जवाबदेही को बनाए रखना है जहां निर्णय लेने की प्रक्रिया एल्गोरिदम के माध्यम से संचालित हो रही है।

एआई कई अवधारणाओं को चुनौती दे रहा

उन्होंने यह भी कहा कि पारंपरिक अंतरराष्ट्रीय कानून क्षेत्रीय सीमाओं पर आधारित रहा है, लेकिन एआई इन अवधारणाओं को चुनौती देता है। एआई मॉडल कई देशों के डेटा पर प्रशिक्षित होते हैं, अलग-अलग देशों में स्थित कंप्यूटिंग संसाधनों का उपयोग करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात को दी 18,800 करोड़ की सौगात सूरत की बदलेगी सूरत और दमन और तेजी के साथ दमकेगा व ‘स्वास्थ्य’ की उड़ान भरेगा

गुजरात दौरे पर ‘आत्मनिर्भर भारत’ के तहत चल रही विकास परियोजनाओं का जिक्र किया। उन्होंने हजीरा के अलावा अंतरराज्यीय रोड नेटवर्क पर कहा कि कुछ लोग देश में निराशा का माहौल बनाने में लगे हैं।

देश की जनता का भरोसा हमारी सबसे बड़ी ताकत



संबोधन में विपक्ष को लिया आइ हाथ सूरत को बताया जीवंत गावना और ऊर्जा का प्रतीक

विकसित गुजरात, विकसित भारत का संकल्प

यहां की जनता लंबे समय से भाजपा को आशीर्वाद दे रही

स्थानीय निकाय चुनावों का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात की जनता पिछले ढाई दशक से लगातार भाजपा को आशीर्वाद दे रही है और हालिया चुनावों में पार्टी ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। सूरत-अहमदाबाद निगम चुनाव उनकी राजनीतिक यात्रा की पहली बड़ी जीत थी और जनता का यह विश्वास सेवा भाव था।

दमन को 2,970 करोड़ रु. से अधिक के प्रोजेक्ट दिए

स्वास्थ्य, नागरिक उड्डयन, पर्यटन और कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा

प्रधानमंत्री ने गुजरात और दमन के दौरे के दौरान दमन को कुल 2,970 करोड़ से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगातें दी हैं। इन योजनाओं में स्वास्थ्य, नागरिक उड्डयन, पर्यटन और कनेक्टिविटी जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

दमन में दी ये प्रमुख सौगातें

- **नमो हवाई अड्डा** : क्षेत्र में हवाई संपर्क को बढ़ाने और आर्थिक विकास को गति देने के लिए हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया गया।
- **नमो अस्पताल** : 270 करोड़ की लागत से निर्मित, यह आधुनिक अस्पताल क्षेत्र के लोगों को उत्कृष्ट और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा।
- **आइकोनिक ब्रिज** : 359 करोड़ की लागत वाले इस पुल की आधारशिला रखी गई, जो आवागमन को सुगम बनाएगा।
- **दमन कन्वेंशन सेंटर**: 231 करोड़ की लागत से बना यह कन्वेंशन सेंटर पर्यटन और व्यापारिक आयोजनों को बढ़ावा देगा।
- **एनआईएफटी कैंपस**: 225 करोड़ के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी परिसर का शिलान्यास।

जेईई एडवांस्ड का डेटा लीक मामले आईआईटी रुड़की और शिक्षा मंत्रालय ने दावे को भ्रामक कहा

एजेसी ►► नई दिल्ली

जेईई (एडवांस्ड) परीक्षा में शामिल लाखों अभ्यर्थियों के डेटा लीक और निजता के उल्लंघन के दावों को लेकर चल रहे विवाद के बीच आईआईटी रुड़की के बाद और शिक्षा मंत्रालय ने इन दावों को भ्रामक और तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है। हाल ही में पंथिकल हैकर ने एक्स पर जानकारी दी थी कि परीक्षा से संबंधित डेटा तक एक्सेस हो पा रही है। आईआईटी ने बताया था कि गलती को सुधार लिया गया है और संबंधित डाटा रीड



ओनली मोड में था, इसलिए गलत इस्तेमाल की आशंका नहीं है। इस पर सवाल उठाए जा रहे हैं। शुक्रवार को फिर आईआईटी रुड़की ने स्पष्टीकरण दिया। बताया गया कि जेईई (एडवांस्ड) के लाखों अभ्यर्थियों को प्रभावित करने वाले डेटा उल्लंघन और निजता के हनन के दावे भ्रामक और गलत हैं।

रामलला के दरबार में पहुंचे यल सेना प्रमुख उपेंद्र



अयोध्या। भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को निजी दौरे पर अयोध्या पहुंचे, जहां उन्होंने हनुमानगढ़ी और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन-पूजन कर देश की सुरक्षा, समृद्धि और कल्याण की कामना की। सेना प्रमुख बनने के बाद यह उनका पहला अयोध्या दौरा रहा। वे सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे, जहां उन्होंने संकटमोचन हनुमान जी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद रामलला के दिव्य दरबार में माथा टेका।

एजेसी ►► कोलकाता

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस की सख्त कार्रवाई को लेकर पूरे राज्य में चर्चा रही है। पुलिस की इस कथित 'अतिसक्रियता' या 'सड़क पर न्याय' की प्रवृत्ति अब एक बड़े कानूनी और संवैधानिक सवाल के घेरे में आ गई है। अदालत ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित पुलिस अधिकारी और सुवेंदु सरकार को फटकार लगाई। हाई कोर्ट ने गिरफ्तार आरोपियों की कमर में

कोलकाता हाईकोर्ट ने बंगाल सरकार को लगाई फटकार कमर में रस्सी बांधकर घुमाने पर उठे सवाल दोषी है तो फांसी दे दो, सड़क पर तमाशा न बनाएं, लिखित रिपोर्ट दें

एजेसी ►► कोलकाता

पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद अपराध पर लगाम लगाने के लिए पुलिस की सख्त कार्रवाई को लेकर पूरे राज्य में चर्चा रही है। पुलिस की इस कथित 'अतिसक्रियता' या 'सड़क पर न्याय' की प्रवृत्ति अब एक बड़े कानूनी और संवैधानिक सवाल के घेरे में आ गई है। अदालत ने इसे गंभीरता से लेते हुए संबंधित पुलिस अधिकारी और सुवेंदु सरकार को फटकार लगाई। हाई कोर्ट ने गिरफ्तार आरोपियों की कमर में



रस्सी बांधकर उन्हें इलाके में घुमाने की पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर नाराजगी जताई है। जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस जॉयसेन गुप्ता और जस्टिस मीता दास की बेंच ने राज्य सरकार से 3 सप्ताह के अंदर विस्तृत और लिखित रिपोर्ट मांगी है।

पुलिस किसी का सम्मान नहीं छीन सकती

हाईकोर्ट ने कानूनी कार्रवाई और सार्वजनिक अपमान के बीच स्पष्ट अंतर रेखांकित किया। अदालत ने माना कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना प्रशासन का अधिकार है, लेकिन इसके नाम पर किसी व्यक्ति की गरिमा और मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। किसी व्यक्ति के खिलाफ गंभीर आरोप हो सकते हैं। लेकिन उसके साथ गरिमा और सम्मान का व्यवहार करें।



रस्सी बांधकर उन्हें इलाके में घुमाने की पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर नाराजगी जताई है। जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस जॉयसेन गुप्ता और जस्टिस मीता दास की बेंच ने राज्य सरकार से 3 सप्ताह के अंदर विस्तृत और लिखित रिपोर्ट मांगी है।

बारिश का इंतजार कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर मानसून ने पकड़ी रफ्तार, 5 राज्यों में झमाझम बारिश शुरू

मौसम विभाग ने चेतावनी भी जारी की

एजेसी ►► नई दिल्ली

भीषण गर्मी के बीच मानसून का इंतजार कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। मानसून ने आखिरकार भारत में दस्तक दे दी है, लेकिन इस साल मानसून तीन दिन की देरी से भारत पहुंचा है। गुरुवार को मानसून केरल में दाखिल हुआ। फिलहाल मानसून केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों तक पहुंच चुका है। आने वाले दिनों में यह देश के अन्य राज्यों तक पहुंचेगा। इधर दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में भी आंधी-बारिश का दौर जारी है। बस लोगों को इंतजार है कि हमारे राज्य में य कब दस्तक देगा।?

केरल कर्नाटक में भारी बारिश

मौसम विभाग के अनुसार केरल और कर्नाटक में अगले 7 दिनों के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का अलर्ट रहेगा। तमिलनाडु में भी अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। उत्तर-पूर्वी भारत में अगले 5-6 दिनों तक भारी से बहुत भारी बारिश जारी रहने की संभावना है।

मानसून की संभावित तिथियां

- गोवा और तेलंगाना: 7-8 जून तक
- महाराष्ट्र: 5 से 10 जून तक
- गुजरात: 20 जून तक
- मध्यप्रदेश: 15 से 20 जून तक
- पूर्वी यूपी और बिहार: 15 से 20 जून तक
- मध्य यूपी: 20 से 25 जून तक
- राजस्थान: 25 से 30 जून तक
- दिल्ली-एनसीआर: 30 जून के आसपास

केरल, तमिलनाडु और बंगाल से आगे पहुंचा

मौसम विभाग के अनुसार मानसून ने 4 जून को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के शेष हिस्सों, पश्चिम-मध्य और पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ भागों, पूरे लक्षद्वीप द्वीपसमूह, केरल और माहे, कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र के शेष भागों, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी तथा दक्षिण-पश्चिम में पहुंचा है।

रूस तकनीकी हस्तांतरण को भी तैयार

राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि एसयू-57 दुनिया का सबसे बेहतरीन लड़ाकू विमान है। रूस को भारत के साथ तकनीक साझा करने में कोई दिक्कत या सीमा नहीं है

राष्ट्रपति पुतिन ने दिया भारत को बड़ा ऑफर

सुखोई एसयू-57 लड़ाकू विमान

एसयू-57 लड़ाकू विमान प्रोजेक्ट पर संयुक्त रूप से काम करने को तैयार

एसयू-57 का सोर्स कोड साझा करेगा

बेहतरीन विमान

उन्होंने एसयू-57 को दुनिया का सबसे बेहतरीन लड़ाकू विमान बताया और कहा कि रूस को भारत के साथ तकनीक साझा करने में कोई दिक्कत या सीमा नहीं है। उनके बयान से स्पष्ट है कि मॉस्को भारत को रक्षा क्षेत्र में बड़ा साझेदार मानता है। पुतिन ने कहा कि रूस ने अभी तक युद्ध के मैदान में ऑरेशनिक मिसाइल का इस्तेमाल नहीं किया है।

एयर डिफेंस सिस्टम पर भी काम कर सकते

पुतिन ने कहा कि रूस ने भारत को पांचवीं पीढ़ी की तकनीक पर साथ काम करने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि एसयू-57 विमान संयुक्त परियोजना भी बन सकता था। हालांकि रूस ने इसे खुद विकसित किया, लेकिन अब भी भारत के साथ इस कार्यक्रम में सहयोग करने के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि रूस भारत के साथ एयर डिफेंस सिस्टम पर भी काम करना चाहता है।

भारत वर्षों से रणनीतिक साझेदार

रूस की सरकारी रक्षा कंपनी रोस्टेक के सीईओ सर्गेई चेमेजोव ने कहा कि भारत और रूस कई वर्षों से रणनीतिक साझेदार रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भारत पर प्रतिबंध लगे थे तब भी रूस ने उसकी सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए हथियारों की आपूर्ति जारी रखी थी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रूस आगे भी भारत को उसकी जरूरत के अनुसार रक्षा उपकरण उपलब्ध कराता रहेगा।

भारत की सभी मांगें स्वीकार्य

वहीं रूसी सैन्य अधिकारियों ने कहा कि भारत की सभी मांगें स्वीकार्य करने योग्य हैं। रूस एसयू-57 का सोर्स कोड साझा करने और भारत में इसके निर्माण के लिए तकनीक हस्तांतरण को भी तैयार बताया जा रहा है।

सुखोई एसयू-57: पांचवीं पीढ़ी का मल्टीरोल स्टीथ

- **अधिकतम गति:** करीब 2,500 किमी/घंटा
- **स्टीथ तकनीक:** दुश्मन के राडार की पकड़ से दूर
- **मार्क क्षमता:** 400 किलोमीटर
- **हथियार:** कई तरह की मिसाइलें ले जाने में सक्षम
- **इंजन:** अत्याधुनिक इंजेलिए 177 इंजन

खबर संक्षेप

नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर भारत पहुंचे

नई दिल्ली। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल शुक्रवार को तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर नई दिल्ली पहुंचे। इस वर्ष पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि खनाल की यह यात्रा दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह यात्रा भारत-नेपाल की विशेष साझेदारी को और सशक्त करेगी।

लंकापुरा बॉर्डर पोस्ट पर बोले शाह हम जनसांख्यिकीय बदलाव नहीं होने देंगे, यह संकल्प

एजेसी ►► अगरतला

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा पर लंकापुरा बॉर्डर आउटपोस्ट पर बीएसएफ जवानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा फ्रंटियर हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे त्रिपुरा हो या बांग्लादेश या फिर बिहार, हम ज न सांख्यिकीय बदलाव नहीं होने देंगे। यह हमारा अटूट संकल्प है। अमित शाह ने कहा कि बीएसएफ के पास पाकिस्तान बॉर्डर और बांग्लादेश बॉर्डर सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा है। इतने विस्तृत बॉर्डर पर हर सीमा की एक अलग प्रकार की चुनौती है। कहीं नशे का व्यापार है, कहीं हथियारों की स्मगलिंग, कहीं ड्रग्स की तस्करी और नकली करेंसी की तस्करी होती है। हर सीमा के अपने अलग-अलग प्रश्न हैं। हमने तय किया है कि बीएसएफ जहां-जहां पर है, वहां स्मार्ट बॉर्डर का निर्माण करना है और एक चुत्कोणीय सुरक्षा रणनीति के तहत स्थानीय प्रशासन को साथ में रखते हुए तथा टेक्नोलॉजी और जवानों का सहयोग लेते हुए सीमाओं को अभेद्य बनाना है।

व्हाइट हाउस में कोयला और ऊर्जा नीति पर आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रंप बोले

अमेरिका अब भारत के साथ व्यापार से अच्छी कमाई कर रहा

पीएम मोदी मेरे ‘अच्छे दोस्त’, हमारे बीच अच्छे संबंध, जल्द होगी ट्रेड डील

ट्रंप ने कहा कि भारत की शुल्क (टैरिफ) व्यवस्था की लंबे समय से आलोचना करने के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता आगे बढ़ रही है। हमारी आपस में बहुत अच्छी बनती है और हम एक समझौता करेंगे

इजराइल का लेबनान पर हमला, 6 की मौत

दिब्बिन। इजराइल की वायु सेना ने शुक्रवार को दक्षिणी लेबनान के कई इलाकों पर हमले किए। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई है। ये हमले चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला द्वारा इजराइल और लेबनानी सरकार के बीच हुए नवीनतम युद्धविरोध समझौते को खारिज करने और लेबनान से इजराइल के पूरी तरह हटने की मांग करने के कुछ दिन बाद हुए हैं। इससे पहले सेना ने नौ गांवों के लोगों के लिए निकासी की चेतावनी जारी की।

जवानों की सुविधाओं की चिंता

अमित शाह ने कहा कि मैं हमेशा कहता हूं कि यदि किसी आवास में लगी एक टयूबलाइट भी मेरे सीमा प्रहरियों की सुविधा बढ़ाती है तो उसके लिए भी मैं समय देने को तैयार हूं। इसी भावना के साथ हमने सीमाओं की रक्षा करने वाले जवानों की सुविधाओं और सुरक्षा की चिंता की है। मैं हर बार जब बीएसएफ के कैंप में जाता हूं, तब कहता हूं कि देश की जनता और विशेषकर भारत का गृह मंत्री रात में सो पाता है, क्योंकि सीमा प्रहरी बॉर्डर पर रात को जगकर हमारे देश की सुरक्षा कर रहे हैं। यह बहुत बड़ा काम है। देश की जनता इसे बहुत सम्मान के साथ देखती है।

भारत ने ज्यादा टैरिफ वसूला

हालांकि, इस दौरान ट्रंप ने अपनी पुरानी शिकायत भी दोहराई कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर काफी अधिक टैरिफ लगाता रहा है। उन्होंने कहा कि भारत ने कई वर्षों तक अमेरिका का फायदा उठाया। वे हमारे उत्पादों पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाते थे और हम उनसे कुछ नहीं लेते थे। लेकिन अब स्थिति बिल्कुल उलट है और हम भारत के साथ व्यापार से अच्छी कमाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले भारत हालें-डेविडसन की मोटर्ससाइकिलों पर 200 प्रतिशत तक टैरिफ लगा देता था। इसलिए कंपनी के लिए वहां कारोबार करना मुश्किल हो गया। आखिरकार हालें-डेविडसन को भारत में अपने ही प्लांट लगाने पड़े।

बातचीत सकारात्मक रही

वहीं, भारत के वाणिज्य मंत्रालय का कहना है कि बातचीत सकारात्मक रही है और दोनों देश ऐसा समझौता करना चाहते हैं जिससे भारत और अमेरिका, दोनों को फायदा हो। यानी दोनों पक्ष अभी भी व्यापार समझौते को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी के 12 साल: रक्षा मंत्री बोले

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का कद बढ़ा, देश बना ताकतवर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीएम मोदी के 12 साल के कार्यकाल की तारीफ करते हुए कहा कि दुनिया भी इस चीज को मानती है कि पीएम मोदी के कार्यकाल में भारत अब पहले वाला भारत नहीं रहा। वह कमजोर नहीं बल्कि ताकतवर भारत बन गया है। लखनऊ में राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर निश्चित रूप से एक रिकॉर्ड बनाया है।

भारत संग व्यापार वार्ता से उम्मीदें: पिगोट

भारत के साथ व्यापार वार्ता की प्रगति को लेकर अमेरिका काफ़ी आशान्वित है और दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकता बना हुआ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टोमी पिगोट ने यह जानकारी दी। पिगोट ने कहा कि व्यापार के मुद्दे पर हम व्यापार वार्ताओं में हो रही प्रगति को लेकर बहुत उम्मीदें रखते हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के रिश्तों को आगे बढ़ाने में भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर की भूमिका बेहद अहम रही है।

मविष्ठा में कई और रिकॉर्ड बनेंगे

10 जून को पीएम मोदी के भारत के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनने पर पश्चिम बंगाल मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि दुनिया में पीएम नरेंद्र मोदी जैसा कोई नहीं है। यह रिकॉर्ड अपने आप बन जाएगा। जनता को उनका आशीर्वाद मिला है और जिस तरह से वह काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी के लिए देश ही सबकुछ

भाजपा नेता पीएम मोदी 10 जून को जवाहरलाल नेहरू के सबसे लंबे समय तक चुने हुए प्रधानमंत्री का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। वे लंबे समय तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे और उम्मीद है कि वे सभी रिकॉर्ड तोड़ देंगे। पीएम नरेंद्र मोदी 2029 और 2034 में भी जीतेंगे और लंबे समय तक देश की सेवा करते रहेंगे।

एकता नगर बना ग्रीन टूरिज्म का वैश्विक मॉडल

5 साल में 60 लाख पेड़ लगाए गए

अहमदाबाद। गुजरात के नर्मदा जिले में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एकता नगर ने अपने वर्ल्ड-क्लास टूरिज्म डेस्टिनेशन, पर्यावरण सुरक्षा, क्लीन एनर्जी, प्रदूषण-मुक्त ट्रांसपोर्टेशन और सस्टेनेबल डेवलपमेंट के साथ दुनिया में सबसे आगे जगह बनाई है। पिछले पांच वर्षों में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी अशॉर्टेटी द्वारा लगभग 459 इलेक्ट्रिक वाहन संचालित किए जा रहे हैं। क्लीन एकता नगर परियोजना के तहत यहां 5 वर्षों में लगभग 60 लाख पेड़ पेड़ लगाए गए हैं।

हिंद महासागर में भारत रचेगा चक्रव्यूह

9 पनडुब्बियां खरीदेगा देश स्वदेशी तकनीक पर भी जोर

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत अगले दो दशकों में अपनी पानी के अंदर युद्ध लड़ने की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 6 के बजाए नौ नई पारंपरिक डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां खरीदने की योजना बना रहा है। रक्षा सूत्रों के अनुसार सरकार ने तय किया है कि प्रोजेक्ट 75(1) के तहत खरीदी जा रही छह पनडुब्बियों के बाद तीन और पनडुब्बियों का ऑर्डर दिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के पहले चरण में कुल नौ पनडुब्बियां खरीदने की योजना बन जाएगी। इसके बाद दूसरा चरण प्रोजेक्ट 76 शुरू होगा जिसके तहत भारतीय डिजाइन और ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल करके कम से कम छह और पारंपरिक पनडुब्बियां बनाई जाएंगी।

वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब की ताजा रिपोर्ट में बड़ा दावा

महाशक्ति बनने की ओर भारत, 2060 तक ग्लोबल जीडीपी में चीन को पीछे छोड़ देगा

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत अपनी तेज आर्थिक और जनसांख्यिकीय रफ्तार के दम पर साल 2060 तक क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के आधार पर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हिस्सेदारी के मामले में चीन को पीछे छोड़ने के लिए तैयार है। पेरिस स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स (पीएसई) से जुड़ी शोध संस्था 'वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब' (डब्ल्यूआईलैब) की एक ताजा रिपोर्ट में यह अहम अनुमान लगाया गया है। यह रिपोर्ट बताती है कि

घटती जनसंख्या से चीन को चुनौती

चीन की सबसे बड़ी और दीर्घकालिक चुनौती उसकी तेजी से घटती आबादी है। दुनिया की कुल आबादी में चीन की हिस्सेदारी 2100 तक 8 प्रतिशत से भी कम होने की आशंका है। इसके चलते वैश्विक जीडीपी में चीन की हिस्सेदारी पहले स्थिर होगी और फिर उसमें गिरावट आएगी। 2060 के आसपास, भारत अपनी जनसांख्यिकीय मजबूती के साथ वैश्विक जीडीपी हिस्सेदारी में चीन से आगे निकल जाएगा।

मालवीय नगर अग्निकांड पर विदेश मंत्रालय ने दी जानकारी

विदेशी नागरिकों की मौत को लेकर दूतावासों के संपर्क में भारत सरकार

एजेसी ►► नई दिल्ली

हादसे में 13 विदेशी नागरिकों की मौत, 22 से अधिक विदेशी घायल

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट में हुई भीषण आग की घटना में 13 विदेशी नागरिकों की मौत हो गई, जबकि 22 से अधिक विदेशी नागरिक घायल हुए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने दी। नई दिल्ली में साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि मृतकों में 4 नागरिक नाइजीरिया, 3 किर्गिस्तान तथा एक-एक नागरिक मोजाम्बिक, लाइबेरिया, उज्बेकिस्तान, बांग्लादेश, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और इराक के हैं।

नागरिकता की पुष्टि के बाद ही घुसपैठिए वापस भेजेंगे

विदेश मंत्रालय ने बताया कि किसी भी विदेशी नागरिक को निर्वासित करने के लिए एक तय कानूनी और द्विपक्षीय प्रक्रिया होती है, उसका पालन किया जाता है। संबंधित देश की तरफ से नागरिकता की पुष्टि किए जाने के बाद ही निर्वासन की कार्रवाई बढ़ाई जाती है। भारत में अवैध तरीके से रह रहे विदेशी नागरिकों, जिनमें बांग्लादेश के नागरिक भी शामिल हैं, के खिलाफ हमारे पास कानून है और उनके जरिए उचित कार्रवाई होगी।

नेपाल से संबंध मजबूत करने पर होगी चर्चा

रणधीर जायसवाल ने आगे कहा कि नेपाल के साथ हमारा विकास-सहयोग से लेकर व्यापार, निवेश और पीपल-टू-पीपल का व्यापक एजेंडा है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच मुलाकात में इसकी चर्चा होगी। लेकिन हमारी तरफ से, हम नेपाल के साथ अपनी पार्टनरशिप को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हैं। नेपाल के विदेश मंत्री कुछ वक्त पहले ही भारत पहुंचे हैं।

रक्षा क्षमता को मिलेगा नया आयाम

भारत खरीदेगा 20 हजार करोड़ के ड्रोन, 2 साल में होगी आपूर्ति

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत सरकार 20 हजार करोड़ रुपए के स्वदेशी ड्रोन खरीदने की तैयारी में है। ये आधुनिक सैन्य ड्रोन 18 से 24 महीनों में सेना को मिलेंगे, जिससे देश की रक्षा क्षमता और मजबूत होगी। सरकार के साथ मिलकर काम करने वाले उद्योग निकाय ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीएफआई) ने इस बात की पुष्टि की है। डीएफआई के अध्यक्ष सिमत शाह ने बताया कि यह योजना अपने अग्रिम चरण में है। हाल ही में सरकार ने सामरिक श्रेणी

हस संभव सहायता प्रदान कर रहे

जायसवाल ने कहा कि दिल्ली अग्निकांड में मरने वालों में 13 विदेशी नागरिक शामिल हैं। हम सभी संबंधित देशों के दूतावासों के संपर्क में हैं और उनकी जरूरतों के अनुसार हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्रालय स्थानीय प्रशासन और अस्पतालों के साथ समन्वय कर आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रियाओं, चिकित्सा सहायता और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं में सहयोग कर रहा है। इस घटना में लगभग 22 विदेशी नागरिक घायल भी हुए हैं।

एआई-ग्रोक के खिलाफ ब्रिटिश सांसद की शिकायत

लंदन। ब्रिटेन की एक सांसद ने एलन मस्क की कंपनी एक्सएआई-ग्रोक के खिलाफ निजता के उल्लंघन के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि ग्रोक चैटबॉट का इस्तेमाल करके उनकी नकली तस्वीरें बनाई गई थीं। सत्तारूढ़ लेबर पार्टी की सांसद जेस असाटो ने बताया कि जनवरी में जब उन्होंने ऑनलाइन डीपफेक फैलने की आलोचना की थी तो किसी ने उनकी सहमति के बिना ग्रोक का इस्तेमाल करके बिकिनी में उनकी नकली तस्वीरें बना दीं।



जबलपुर का कद घटेगा, बगैर स्टॉफ के कैसे चलेंगे तीन यूनिट

एमपीएसयू यूनिवर्सिटी विभाजन पर उठे सवाल

जबलपुर। मध्य प्रदेश की एकमात्र मेडिकल यूनिवर्सिटी को तीन भागों में बांटने का खाका तैयार कर लिया गया है इसके साथ ही इसके संचालक को लेकर भी नई बहस छिड़ गई है। एमपीएसयू के विखंडन से जबलपुर का कद घटेगा, उज्जैन और भोपाल को महत्व मिलेगा। शिक्षा जगत से जुड़े विशेषज्ञों और कर्मचारियों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब वर्तमान विश्वविद्यालय में ही पर्याप्त अधिकारी और कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं, तब तीन संस्थानों का संचालन किस तरह किया जाएगा। मानव संसाधनों की कमी को इस पूरी योजना की सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है।

जानकारों का कहना है कि

मेडिकल यूनिवर्सिटी की मौजूदा व्यवस्था में कई महत्वपूर्ण पद लंबे समय से नियमित नियुक्तियों के बजाय प्रतिनियुक्ति के माध्यम से संचालित हो रहे हैं। प्रशासनिक, तकनीकी और परीक्षा संबंधी कार्यों के लिए भी पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध नहीं है। ऐसे में विश्वविद्यालय के विखंडन की संख्या बढ़ने के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों की मांग भी कई गुना बढ़ जाएगी। इसके बाद जबलपुर, भोपाल, उज्जैन में एमपीएमएसयू मेडिकल आर्युविज्ञान विश्वविद्यालय तीन स्तरों पर काम करेगी, हालांकि अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ। सुत्रों के मुताबिक यदि ऐसा हुआ तो 150 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार सरकार पर आएगा।

30 जून तक बनेंगी विद्यार्थियों की डिजिटल आईडी

हर शनिवार मनाया जाएगा मेगा अपार दिवस

जबलपुर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत विद्यार्थियों के शैक्षणिक अभिलेखों के डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में 30 जून तक प्रत्येक शनिवार “मेगा अपार दिवस” मनाया जाएगा। अभियान के दौरान उन विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाई और सत्यापित की जाएगी, जिनकी आईडी अभी तक नहीं बनी है या तकनीकी कारणों से लंबित है। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने बताया कि अपार आईडी विद्यार्थियों की एक विशिष्ट डिजिटल शैक्षणिक पहचान है, जिससे उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड, अंकसूचियां, प्रमाण-पत्र और उपलब्धियां सुरक्षित रूप से डिजिटल स्वरूप में संरक्षित रह सकेंगी। इसके लिए विद्यालयों में

विशेष शिविर लगाए जाएंगे, जहां आधार सत्यापन और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी। अभिभावकों से निर्धारित तिथियों पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ विद्यालय पहुंचकर प्रक्रिया पूर्ण कराने की अपील की गई है। शत-प्रतिशत लक्ष्य पर रहेगा फोकस- जिला शिक्षा विभाग ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, संकुल प्राचार्यों और विद्यालय प्रमुखों को अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने तथा प्रत्येक पात्र विद्यार्थी की अपार आईडी बनवाने के निर्देश दिए हैं। विभाग का लक्ष्य जिले में शत-प्रतिशत विद्यार्थियों को डिजिटल शैक्षणिक पहचान से जोड़ना है, जिससे भविष्य में प्रवेश, छात्रवृत्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार संबंधी प्रक्रियाओं में उन्हें सुविधा मिल सके।

कुएं में मिली वृद्ध महिला की लाश का राजफाश

जबलपुर। रांझी थाना क्षेत्र के हनुमान नगर में गत 27 मई को एक वृद्धा की हत्या कर लाश घर के आंगन में बने कुएं फेंकने के अंधे कल का पुलिस ने खुलासा करते हुये एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राइम जितेन्द्र सिंह ने पुलिस कंट्रोल रूम में पत्रकारों से चर्चा करते हुये बताया कि हनुमान नगर निवासी 45 वर्षीय रामगोपाल मिश्रा उर्फ गोपाल को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की इस पर आरोपी ने वारदात करना कबूल किया. पुलिस को दिये बयान में आरोपी ने स्वीकार किया है कि वह चोरी के



इराद से घर म घुसकर वृद्धा को पहचान लंन पर मारपीट की, जेवर लूटे और साक्ष्य मिटाने के लिए उसे कुएं में फेंक दिया।

पुलिस के अनुसार 27 मई को हनुमान नगर स्थित एक मकान के आंगन में बने कुएं

से पुष्पा शर्मा (75) का शव बरामद हुआ था। मृतका के भाई की शिकायत पर हत्या, लूट एवं अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी के नेतृत्व में गठित टीम ने जांच दौरान संदेही रामगोपाल मिश्रा उर्फ गोपाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह चोरी करने के उद्देश्य से रात में वृद्धा के घर में घुसा था। अलमारी खंगालते समय वृद्धा ने उसे पहचान लिया और शोर मचाने लगी। पकड़े जाने के डर से आरोपी ने पानी की घड़िया से उसके सिर और चेहरे पर कई वार

किए, फिर मंगलसूत्र और पायल लूटकर घायल वृद्धा को घसीटते हुए कुएं में फेंक दिया। आरोपी ने लूटे गए जेवरों को छिपा दिया था तथा पहचान छिपाने के लिए नकली मंगलसूत्र और पायल खरीदकर घर में रखने की योजना भी बनाई थी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर नई का पेडल, चांदी की पायल, नकली जेवर तथा घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद कर लिए हैं। रांझी पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई में आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। मामले की आगे की जांच जारी है।

जलप्लावन, सड़क सुधार और सौंदर्यीकरण को लेकर महापौर ने की मैराथन बैठक

जबलपुर। जलप्लावन की रोकथाम, गड्ढा मुक्त सड़कों के निर्माण तथा शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नु ने नगर निगम अधिकारियों एवं यंत्रियों के साथ मैराथन बैठक की। बैठक में बुनियादी ढांचे के विकास एवं विभिन्न निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

महापौर ने निर्देश दिए कि सड़कों के पैचवर्क एवं डामलीकरण का कार्य आगामी 3 दिनों के भीतर प्रारंभ किया जाए। उन्होंने 5 करोड़ रुपये के नए डामलीकरण कार्यों को स्वीकृति प्रदान करते हुए पेवर ब्लॉक संबंधी 5 करोड़ रुपये के कार्यों को 7 दिवस के भीतर शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जलप्लावन की समस्या के स्थायी



समाधान के लिए एलएंडटी द्वारा निर्मित बड़े नालों के समानांतर पाइप लाइन डालने का कार्य तेज गति से जारी है, जिससे वर्षा ऋतु में जल निकासी बेहतर होगी और नागरिकों को राहत मिलेगी।

बैठक में गोहलपुर पुलिसा चौड़ीकरण कार्य को सितंबर तक पूर्ण करने तथा 25 लाख रुपये की लागत से ब्यूटिफिकेशन कार्य कराए जाने के निर्देश भी दिए गए। इसके

अतिरिक्त 15 जून से पार्श्व अनुशंसा के अंतर्गत 30-30 लाख रुपये तक के विकास कार्य प्रारंभ करने की स्वीकृति दी गई। बैठक में एमआईसी सदस्य एवं विभाग प्रभारी विवेक राम सोनकर, अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री शैलेन्द्र मिश्रा, शैलेन्द्र कोरव सहित सभी संभागीय एवं सहायक यंत्री उपस्थित रहे।

व्यापार के नाम पर 23 लाख की टगी, पीड़िता ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

जबलपुर। बड़ी ओमती क्षेत्र में व्यापार के नाम पर 23 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। छोटी खेरमाई मंदिर के पास रहने वाली शिवानी सोनकर (उर्फ बिट्टी) ने विनीता खटीक (जांगड़) एवं उसके मुंहबोले भाई रोहित गुप्ता के खिलाफ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार, आरोपियों ने एक सामाजिक कार्यक्रम के दौरान पीड़िता से नजदीकियां बढ़ाकर ड्राई फ्रूट, सुपारी एवं तेल के व्यवसाय में भारी मुनाफे का लालच दिया। शुरुआत में विश्वास जीतने के लिए कुछ रकम मुनाफे सहित लौटाई गई, जिसके बाद पीड़िता ने अपने एवं अपनी बहन के सोने के जेवर तक गिरवी रखकर निवेश किया। पीड़िता ने बताया कि उसने CAPRI गोल्ड लोन बैंक में जेवर गिरवी रखकर 15 लाख 80 हजार रुपये आरोपियों को दिए। इसके बाद रिश्तेदारों से उधार दिलाकर तथा नारायणदास ज्वेलर्स के पास अन्य जेवर गिरवी रखवाकर कुल 23 लाख रुपये की राशि आरोपियों को दी गई। आरोप है कि इस राशि से आरोपियों ने मकान, ऑटो एवं मोटरसाइकिल खरीदी, जबकि पैसे लौटाने की मांग करने पर पीड़िता को गाली-गलौज एवं जान से मारने की धमकी दी जाती है। पीड़िता का यह भी आरोप है कि आरोपी महिला अपनी पहुंच का हवाला देकर झूठे केस में फंसाने की धमकी देती है। आर्थिक संकट से जूझ रहे परिवार की स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि बच्चों की स्कूल फीस न भर पाने के कारण उन्हें स्कूल में बैठने की अनुमति नहीं मिल रही है। पीड़िता ने व्हाट्सएप चैट एवं लॉन दस्तावेजों सहित साक्ष्य सौंपते हुए पुलिस अधीक्षक से आरोपियों को गिरफ्तारी एवं राशि की वापसी की मांग की है।

पुराने रंजिश पर महिला के घर के बाहर बम पटकें

जबलपुर। हनुमानताल थाना अंतर्गत बड़ी खेरमाई दुर्गा चौक में पुरानी रंजिश के चलते दहशत फैलाने के उद्देश्य से बदमाशों ने एक महिला के घर के सामने सुअरमार बम पटककर भाग निकले। बताया गया है कि आरोपी सम्राट सोनकर महिला के बेटे यश से रंजिश रखता है इसी कारण उसने वारदात को अंजाम दिया। हनुमानताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार बड़ी खेरमाई दुर्गा चौक निवासी 39 वर्षीय श्रीमति पिकी गुप्ता का बेटा यश तीन माह से इंडौर में रहता है। गत शाम लगभग 6 बजे जब वह घर के अंदर थी तभी दरवाजे के पास बम फटने की आवाज आने पर बाहर निकल कर देखा तो बम के अवशेष दरवाजे में फैले हुये थे। सिंधी कैम्प मानलतेया निवासी सम्राट सोनकर अपने अन्य साथी के साथ उसके घर के दरवाजे पर बम पटककर रकूटी से भाग रहा था, उसने सीसीटीव्ही कैमरे के फुटेज चैक किये जिसमें सम्राट सोनकर रकूटी से आया और उसके घर में पहले एक बम मारा जो नहीं फटा फिर दूसरा बम उसके घर के दरवाजे पर मारा जो फट गया है, अवशेष मकान के सामने फैले है। इस कारण दहशत फैलाने के लिये उसने मकान पर सुअरमार बम फेंककर विस्फोट किया है।

दौरान सहभागी संस्थाओं के अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और बढ़ते प्रदूषण की चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास और जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। एफपीएआई जबलपुर शाखा की ओर से उपाध्यक्ष डॉ. श्रीमती मुक्ता भतेले, बीएससी सदस्य डॉ. कुसुम जैन, डॉ. चित्रा जैन तथा शाखा प्रबंधक रवि शरण गौतम ने सक्रिय सहभागिता निभाई। संस्था में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने प्रकृति, पर्यावरण और सतत विकास के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी संस्थाओं ने भविष्य में भी ऐसे हरित अभियानों को निरंतर जारी रखने तथा समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

एफपीए इंडिया के नेतृत्व में साईं कृषि फार्म में हुआ आयोजन

जबलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफपीए इंडिया) जबलपुर शाखा के नेतृत्व में साईं कृषि फार्म, खमरिया पिपरिया (रांझी) में वृहद वृक्षारोपण अभियान एवं सांस्कृतिक संस्था का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक एवं चिकित्सा संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस संयुक्त अभियान में JOGS, FOGSI, IMA MP, MPNHA, IMA JBP, WDW, JMS तथा कदम्ब संस्था सहित कुल नौ संगठनों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की मेजबानी एफपीएआई जबलपुर शाखा की सदस्य एवं FOGSI की EHC सदस्य डॉ. श्रीमती राखी बाजपेयी ने अपने फार्म हाउस पर की। वृक्षारोपण अभियान के

विश्व पर्यावरण दिवस पर 9 संस्थाओं ने मिलकर किया वृहद वृक्षारोपण, हरित भविष्य का लिया संकल्प



विश्व पर्यावरण दिवस पर चिकित्सा प्रकोष्ठ ने लगाए 21 वृक्ष

जबलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल सिंह बघेल के आह्वान पर प्रदेश कार्यालय जबलपुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान 21 वृक्षों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में

उपस्थित चिकित्सकों एवं कार्यकर्ताओं ने वृक्षों को जीवन का आधार बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनके संरक्षण का संकल्प लिया। सभी ने “एक वृक्ष – एक संकल्प” के माध्यम से स्वच्छ एवं हरित भविष्य की दिशा में योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश सह-संयोजक डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी, महानगर संयोजक डॉ. विवेक जैन, कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शुभम अवस्थी, डॉ. शिल्पी अग्रवाल, डॉ. सचिन बशुनिया, राकेश गुप्ता, डॉ. वीरेंद्र साहू, डॉ. अमरीश पाण्डेय, डॉ. श्रीकांत साहू, डॉ. ऋषि उपाध्याय एवं शशांक शर्मा सहित अनेक चिकित्सक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



शारदा मंदिर परिसर बरेला में किया वृक्षारोपण

बरेला। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत शारदा नगर रिछाई स्थित मां शारदा देवी मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार शशांक दुबे, सरपंच आशीष शुक्ला एवं शारदा मंदिर व्यवस्थापक पंडित अभय शुक्ला ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं पौधों की देखभाल की शपथ ली। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उन्हें संरक्षित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर अभय शुक्ला, दालचंद विश्वकर्मा, बनी गोपाल पांडे, सुश्री साक्षी पटेल, सुश्री आकांशा लोधी, सुश्री पलक उपाध्याय, सुश्री अनुष्का शुक्ला एवं आरव उपाध्याय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।



मोबाइल हैक कर खाते से 1 लाख 94 हजार उड़ाए

जबलपुर। कैंट थाना अतंर्गत राजीवगांधी नगर कटंगा में अज्ञात जालसाज ने एक युवक का मोबाइल हैक कर ऑनलाइन धोखाधड़ी कर एकाउंट से 1 लाख 94 हजार 500 रुपये निकाल लिए। कैंट पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजीव गांधी नगर कटंगा निवासी 43 वर्षीय मोहम्मद खान ने लिखित शिकायत की, कि उसके पंजाब नेशनल बैंक के बचत खाता से यूपीआई द्वारा 1 लाख 94 हजार 500 रुपये अज्ञात आरोपी द्वारा गलत तरीके से रूपये निकाले गये, गत 16 मार्च 2026 को लगभग 1 बजे यूपीआई से फर्जी तरीके से 2 बार में रूपये निकाले गये। कैंट पुलिस से शिकायत की जांच के दौरान मोहम्मद खान के बयान लिए जिसमें उन्होंने कहा कि 16 मार्च 2026 को दोपहर लगभग 1 बजे वह अपना मोबाइल देख रहा था, तभी उसके पंजाब नेशनल बैंक खाते से 95 हजार रूपये कटने का मैसेज आया तो वह पंजाब नेशनल बैंक सदर जाकर पता किया जानकारी मिली कि दिनांक 15 मार्च 26 को दोपहर 12 बजे उसके खाते से 95 हजार 500 रूपये कट चुके थे और दिनांक 16 मार्च 2026 को शाम लगभग 5 बजे 99 हजार रूपये कट चुके थे। अज्ञात व्यक्ति के विरूद्ध धारा 318(4) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अनियमितताओं पर मंजूषा नर्सिंग होम की सेवाएं 15 दिन के लिए निलंबित

जबलपुर। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्राप्त शिकायत के बाद गठित जांच दल ने सदर रोड स्थित मंजूषा नर्सिंग होम का निरीक्षण किया, जिसमें रिकॉर्ड संधारण,



दस्तावेजीकरण और मरीजों से संबंधित अभिलेखों के रखरखाव में कई खामियां सामने आईं। जांच के दौरान उपचार संबंधी रिकॉर्ड और केस फाइलों का समुचित संधारण नहीं पाया गया। इसके अलावा आवश्यक सहमति पत्रों की अनुपलब्धता, प्रशिक्षित स्टाफ नर्स की गैरमौजूदगी तथा मरीजों की जानकारी अनमोल

पोर्टल पर दर्ज नहीं किए जाने जैसी अनियमितताएं भी उजागर हुईं। जांच प्रतिवेदन के आधार पर संस्थान को मध्यप्रदेश उपचर्यागृह तथा रूग्णोपचार संबंधी स्थापनाएं अधिनियम, 1973 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं मरीजों की सुरक्षा और जनहित को देखते हुए नर्सिंग होम का संचालन तत्काल प्रभाव से 15 दिनों के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। इस अवधि में नए मरीजों को भर्ती पर रोक रहेगी। उल्लेखनीय है कि शिकायत से जुड़ी महिला मरीज की मृत्यु मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुई थी, जिसकी परिस्थितियों और उपचार संबंधी पहलुओं की अलग गयी। इसके अलावा आवश्यक कॉलेज की रिपोर्ट और संस्थान के जवाब के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर निगम की सख्त मुहिम, 72 घंटे में फायर ऑडिट अनिवार्य

जबलपुर। शहर में संभावित अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं जनसुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए नगर निगम ने विशेष मुहिम शुरू की है। इस संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने होटल, अस्पताल, नर्सिंग होम, मॉल, गोदाम, मैरिज गार्डन एवं औद्योगिक इकाइयों सहित सभी वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को 72 घंटे के भीतर फायर ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए हैं। अंतिम तिथि 08 जून 2026 की शाम 6 बजे निर्धारित की गई है। निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि केवल अग्निशामक यंत्र लगाना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि स्मॉकलर सिस्टम, फायर पंप, इमरजेंसी एग्जिट और अलार्म सिस्टम जैसी सभी व्यवस्थाओं का कार्यक्षम होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि समय पर फायर ऑडिट से संभावित हादसों को रोका जा सकता है तथा अस्पतालों और होटलों में आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। नए निर्देशों के तहत संस्थानों के कर्मचारियों को फायर ड्रिल एवं आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। निगम ने फायर ऑडिट रिपोर्ट जमा करने के लिए हार्ड कॉपी के साथ-साथ ईमेल के माध्यम से भी सुविधा प्रदान की है, जिसमें fireninja-balpur<(\>@>gmail.com तथा feuerwehrjmc<(\>@>gmail.com पर पीडीएफ भेजी जा सकती है। नगर निगम ने सभी संस्थाएं संचालकों से अपील की है कि वे जनसुरक्षा को अपनी नैतिक जिम्मेदारी मानते हुए निर्धारित समय सीमा में सहयोग करें, जिससे शहर को सुरक्षित बनाया जा सके।



खबर संक्षेप



देश का विदेशी मुद्रा भंडार 93.8 करोड़ डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 मई को समाप्त सप्ताह में 93.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 682.32 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले यह भंडार 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रह गया था। इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और डॉलर के मुकाबले रुपये के दबाव में आने से इस भंडार में कई सप्ताह तक गिरावट दर्ज की गई।

रुपया 81 पैसे के उछाल से 94.93 प्रति डॉलर पर



मुंबई। रुपया शुक्रवार को 81 पैसे के उछाल के साथ 94.93 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के विदेशी पूंजी प्रवाह को समर्थन देने और विदेशी मुद्रा प्रवाह मजबूत करने के लिए कदम उठाने के बाद घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 94.89 के उच्च स्तर तक पहुंचा और अंततः 94.93 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद स्तर से 81 पैसे की मजबूती है।

इवोनिय स्टील ने इंद्रजीत पावर का किया अधिग्रहण



नई दिल्ली। इस्पात विनिर्माता कंपनी इवोनिय स्टील ने दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत इंद्रजीत पावर प्राइवेट लिमिटेड (आईपीपीएल) का 232 करोड़ में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इवोनिय स्टील ने शुक्रवार को बयान में बताया कि 85 मेगावाट की ताप विद्युत संपत्ति का यह अधिग्रहण उसकी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा। कंपनी ने कहा कि उसे 20 अप्रैल को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा सफल समाधान आवेदक के रूप में मंजूरी दी गई थी।

एमजी मोटर इंडिया ने 1,000 ईवी चार्जर लगाए



मुंबई। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने ‘एमजी चार्ज’ पहल के तहत देशभर में 470 से अधिक स्थानों पर 1,000 सामुदायिक चार्जर स्थापित किए हैं। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी का दावा है कि इसके साथ ही वह इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सामुदायिक चार्जिंग अवसररचना विकसित करने वाली देश की पहली मूल उपकरण विनिर्माता बन गई है।

कोल इंडिया ने आपूर्ति बढ़ाने के लिए कदम उठाए



नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएफ) के उपभोक्ताओं के लिए कोयले की उपलब्धता बढ़ाने और कार्य संचालन में लचीलापन लाने के लिए कई कदमों की घोषणा की है। कंपनी का उद्देश्य आयात पर निर्भरता कम करना और बढ़ती औद्योगिक मांग को पूरा करना है। सार्वजनिक क्षेत्र की इस कंपनी ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि वह 12 जून को होने वाली अपनी आपूर्ति से संबंधित नीलामी में रिकॉर्ड 3.5 करोड़ टन कोयला उपलब्ध करायगी। यह कोयला निर्यात रूप से स्पॉन्ज आयरन जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उपभोक्ताओं के लिए होगा।

पॉलिमर नोटों पर प्रस्ताव शुरुआती चरण में, अभी कोई फैसला नहीं

एजेंसी ►► मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि पॉलिमर से बने नोट लाने का प्रस्ताव केंद्रीय बैंक के समक्ष विचाराधीन है और फिलहाल यह विचार अभी प्रारंभिक चरण में है। मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पॉलिमर नोट लाने के संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है और आरबीआई इसकी व्यवहार्यता का आकलन कर रहा है। उन्होंने कहा, पॉलिमर नोटों को लेकर प्रस्ताव विचाराधीन है। इस पर जैसे ही कोई निर्णय होता है, उसकी जानकारी दी जाएगी।

आरबीआई गवर्नर ने कहा, अभी इसके व्यवहार्यता का आकलन जारी है

फायदे और नुकसान का अध्ययन किया जा रहा

गवर्नर ने कहा कि इस संबंध में प्रकाशित खबरों में कुछ हद तक सच्चाई है, लेकिन अभी इस बारे में कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, /‘केंद्रीय बैंक इसके फायदे और नुकसान का अध्ययन कर रहा है और यह देख रहा है कि इसे लागू करना कितना व्यावहारिक होगा।

नोट खास प्लास्टिक पॉलिमर से बनाए जाते हैं

गवर्नर ने बताया कि पॉलिमर नोटों के लाभ एवं चुनौतियों का मूल्यांकन किया जा रहा है और यह प्रक्रिया अभी शुरुआती स्तर पर है। पॉलिमर नोट ऐसे मुद्रा नोट होते हैं जो कागज की जगह खास प्लास्टिक ‘पॉलिमर’ से बनाए जाते हैं। ये सामान्य नोटों से ज्यादा मजबूत एवं टिकाऊ होते हैं, पानी से खराब नहीं होते और इनमें बेहतर सुरक्षा फीचर होने से नकली नोट बना पाना मुश्किल होता है।

10 रुपए के पॉलिमर नोट पहले जारी होने वाले थे

इससे पहले फरवरी 2014 में सरकार ने संसद को बताया था कि 10 रुपये मूल्यवर्ग के एक अरब पॉलिमर नोटों को देश के पांच शहरों में परीक्षण के तौर पर जारी किया जाएगा। इस परीक्षण के लिए कोच्चि, मैसूर, जयपुर, शिमला और मुम्वेश्वर का चयन किया गया था। हालांकि तकनीकी एवं परिचालन संबंधी समस्याओं के कारण इस पहल को बाद में रोक दिया गया था।

आयकर अधिनियम में संशोधन करने के लिए अध्यादेश किया जारी

विदेशी निवेशकों के लिए सरकारी बांड से होने वाली कमाई होगी टैक्स – फ्री

एजेंसी ►► नई दिल्ली

सरकार ने रुपये पर दबाव को कम करने और विदेशी पूंजी आकर्षित करने के उद्देश्य से सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में विदेशी निवेशकों को ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट दे दी है। सरकार की पांच जून की राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, आयकर अधिनियम में संशोधन करने के लिए अध्यादेश जारी किया है। इसके तहत एक अप्रैल से सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री, विनिमय या हस्तांतरण से होने वाली ब्याज आय एवं पूंजीगत लाभ पर कर छूट प्रदान की गई है। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह छूट एक अप्रैल से प्रभावी होगी। इसका मतलब है कि यह छूट सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के संबंध में एक अप्रैल को या उसके बाद एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों) को प्राप्त होने वाले किसी भी ब्याज या पूंजीगत लाभ पर लागू होगी।

विदेशी निवेशकों को ब्याज आय व पूंजीगत लाभ पर आयकर छूट दी

सूट विदेशी संस्थागत निवेशक व बीआईएस पर लागू होगी

यह छूट विदेशी संस्थागत निवेशकों और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) पर लागू होगी। बशर्ते वे निर्धारित सूचना-खुलासा आवश्यकताओं का पालन करें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हस्ताक्षरित इस अध्यादेश ने बीआईएस को 1930 में स्थापित एवं स्विट्जरलैंड के बासेल स्थित एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था के रूप में परिभाषित किया गया है।

12 माह से अधिक रखे गए बांड पर 12.5 प्रतिशत एलटीसीजी देना होगा

विदेशी निवेशकों को वर्तमान में 12 महीने से अधिक समय तक रखे गए सूचीबद्ध शेयर और बांड पर 12.5 प्रतिशत दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) देना होता है। इसके अलावा, सरकारी बांड्स से अर्जित ब्याज पर 20 प्रतिशत का ‘विदहोलिडिंग टैक्स’ (स्रोत पर कर कटौती) भी देना पड़ता है।

विदेशी पूंजी प्रवाह को आकर्षित करने कई उपाय

भारत को एक प्रमुख वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में मजबूत करने और पूंजी बाजार को गहरा करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, वित्त मंत्रालय ने भारत के बाहर रहने वाले लोगों और एफपीआई के लिए निवेश में आसानी बढ़ाने एवं स्थिर दीर्घकालिक विदेशी पूंजी प्रवाह को आकर्षित करने के उद्देश्य से कई उपायों को पेश किया है।

सॉवरेन ग्रीन बांड शामिल किया गया

इसमें कहा गया कि सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के तहत निर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूची का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इसमें 15 वर्ष, 30 वर्ष और 40 वर्ष की अवधि वाली नई सरकारी प्रतिभूतियों के साथ-साथ सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड को भी शामिल किया जाएगा।

बांड होंगे अधिक आकर्षक: विशेषज्ञ

सरकार के विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के लिए सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर में छूट देने के कदम से भारत सरकार के बांड अधिक आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बनेंगे।

भारत आ रहा ‘क्लाउड मिथोस’

चुने संगठनों को ही मिलेगा एक्सेस

एजेंसी ►► नई दिल्ली

साइबर सिक्योरिटी की दुनिया में तहलका मचा देने वाला एंशोपिक का क्लाउड मिथोस मॉडल अब भारत में प्रवेश करने के लिए तैयार है। भारत के कुछ संगठन को इसकी एक्सेस मिलने जा रही है। दरअसल, अमेरिकी कंपनी एंशोपिक ने हाल ही में यह जानकारी दी। बताया गया कि वह ज्यादा संगठनों, सरकारों, साइबर सिक्योरिटी एजेंसियों को इस मॉडल की एक्सेस देगी। यह मॉडल बहुत पावरफुल माना जा रहा है और यह किसी भी ऑपरेटिंग सिस्टम और सॉफ्टवेयर को चुटकियों में हैक कर सकता है। इसलिए इसे अभी तक पब्लिक के लिए लांच नहीं किया गया है।

अमेरिकी एआई कंपनी एंशोपिक ने हाल में दी जानकारी

पब्लिक के लिए आने वाला है मिथोस जैसा मॉडल

क्लाउड मिथोस को अभी तक पब्लिक के लिए लांच नहीं किया है। एंशोपिक ने बताया कि उसके समेत अभी तक किसी भी कंपनी के पास इस तरह के मॉडल के मिस्यूज को रोकने का कोई तरीका नहीं है। इसी बीच कंपनी इस मॉडल जैसे एक दूररे मॉडल को पब्लिक के लिए रोल आउट करेगी। ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं कि अगले कुछ हफ्तों में इसे लांच किया जा सकता है।

अब इन देशों को मिली एक्सेस

एंशोपिक ने हाल ही में बताया था कि एक महीने में दुनिया के सबसे जरूरी सॉफ्टवेयरर्स में साइबर सिक्योरिटी से जुड़ी 10,000 से ज्यादा कर्मियों का पता लगा लिया है। इस मॉडल की एक्सेस वाली कई कंपनियों ने कहा है कि मिथोस से कर्मियों का पता लगाने की रफ्तार 10 गुना बढ़ गई है। अब गुगल और ओपनएआई जैसी कंपनियां भी इस तरह के साइबर सिक्योरिटी मॉडल ले आई हैं।

150 नए संगठनों को मिलेगी एक्सेस

एंशोपिक ने कहा कि वह लगभग 150 नए संगठनों को इस मॉडल की एक्सेस देने जा रही है। इसके साथ ही इन संगठनों की कुल संख्या 200 पहुंच जाएगी। इससे पहले कंपनी केवल अमेरिका और यूके की कुछ कंपनियों के साथ इस मॉडल की टेस्ट कर रही थी। इसे फाइनशियल सर्विसेस, साइबर सिक्योरिटी, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, कम्युनिकेशन, पावर, वाटर और हाइड्रोएर सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के साथ टेस्ट किया जा रहा है।

सॉफ्टवेयर में हजारों कनियां निकाल चुका है मिथोस

एंशोपिक ने हाल ही में बताया था कि एक महीने में दुनिया के सबसे जरूरी सॉफ्टवेयरर्स में साइबर सिक्योरिटी से जुड़ी 10,000 से ज्यादा कर्मियों का पता लगा लिया है। इस मॉडल की एक्सेस वाली कई कंपनियों ने कहा है कि मिथोस से कर्मियों का पता लगाने की रफ्तार 10 गुना बढ़ गई है। अब गुगल और ओपनएआई जैसी कंपनियां भी इस तरह के साइबर सिक्योरिटी मॉडल ले आई हैं।

नियामकीय उल्लंघन पर केनरा बैंक पर लगा जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने केनरा बैंक पर ‘अपने ग्राहक को जानें’ (केवाईसी) समेत कुछ नियमों का पालन नहीं करने पर 41.8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने 31 मार्च, 2025 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर किए गए निगरानी मूल्यांकन (आईएसई 2025) में यह पाया कि केनरा बैंक ने तय समय-सीमा के भीतर कुछ ग्राहकों के केवाईसी रिकॉर्ड केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री (सीकेवाईसीआर) पर अपलोड नहीं किए थे। बैंक ने कुछ खातों को ‘निष्क्रिय’ के तौर पर भी वर्गीकृत किया, जबकि उन खातों में ग्राहक द्वारा किया गया आखिरी लेनदेन एक साल से भी कम समय पहले हुआ था।

अमेरिका में मई में 1.72 लाख नौकरियां जुड़ीं

एप्रैल में भी बेरोजगारी दर 4.3 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार, रोजगार वृद्धि व्यापक रही। स्थानीय सरकारों में 55,000, रेलों और बार क्षेत्र में 48,000 तथा स्वास्थ्य सेवाओं में 35,000 नई नौकरियां जुड़ीं।श्रम विभाग के संशोधनों के अनुसार, मार्च और अप्रैल में कुल 93,000 अतिरिक्त नौकरियां जोड़ी गईं।

मासिक रोजगार एक लाख से अधिक-

इसके साथ ही लगातार तीन महीनों से मासिक रोजगार वृद्धि एक लाख से अधिक बनी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, रोजगार में वृद्धि हुई है, लेकिन वेतन वृद्धि सीमित रही है। औसत प्रति घंटा मजदूरी अप्रैल की तुलना में 0.3 प्रतिशत और पिछले वर्ष की तुलना में 3.4 प्रतिशत बढ़ी, जो अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मुद्रास्फीति लक्ष्य के अनुरूप मानी जा रही है।

मारुति हरित ऊर्जा पर 925 करोड़ करेगी निवेश

नई दिल्ली। कार बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआई) वित्त वर्ष 2030-31 तक हरित ऊर्जा से जुड़ी पहल में 925 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है, जिसमें दो बायोगैस परियोजनाएं भी शामिल हैं। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मारुति सुजुकी इंडिया ने बयान में कहा कि कंपनी अपनी खरखोदा इकाई में 10 टन प्रति दिन (टीपीडी) क्षमता वाला बायोगैस संयंत्र लगाएगी, जिसे वित्त वर्ष 2026-27 में चालू किया जाएगा। बयान के अनुसार, दूसरी पहल के तौर पर कंपनी ने मानसरो स्थित अपनी इकाई में बायोगैस संयंत्र की क्षमता को 0.2 टीपीडी से बढ़ाकर 0.7 टीपीडी कर दिया है।

कार्यालय कलेक्टर जिला सिवनी एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व विभाग													
क्रमांक / 2191 / भू-अर्जन / 2026					सिवनी दिनांक 22/05/2026								
भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 15 (1) के अंतर्गत प्रारंभिक अधिसूचना के प्रकाशन तारीख से प्रावधानित समय सीमा 60 दिवस की अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने के कारण अधिनियम की धारा 15 (2) के अंतर्गत कोई रिपोर्ट की आवश्यकता नहीं है। इस आधार पर समुचित सरकार का यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पर (1) में वर्णित परियोजना हेतु अनुसूची के पर (2) में उल्लेखित निजी भूमि एवं उस पर स्थित स्थावर परिसरों की सार्वजनिक लोक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 19 के अंतर्गत यह घोषित किया जाता है कि निम्न अनुसूची के पर (2) में वर्णित निजी भूमि एवं उस पर स्थित स्थावर परिसरितिया लोक प्रयोजन हेतु अधोक्षित है :-													
अनुसूची 1- परियोजना का नाम - गुनगुध जलाशय परियोजना 2- भूमि का विवरण - (क) जिला - सिवनी (ख) तहसील - धनौरा (ग) नगर / ग्राम - बेगरबानी (घ) लगभग क्षेत्रफल- 4.63 हेक्टेयर													
स. क.	संकेत	रकबा का स्थिति का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अनिवार्य क्षेत्रफल (हे.मी.)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम और पता	सीमाएँ				वृक्ष		संरचना	
						उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	प्रकार	संख्या	प्रकार	संख्या
1	28	भूमिस्वामी	क्षु.	0.06	सोनाबाई बेवा सीताराम कुम्हार सिंह मुनीबाई अजीनबाई प्रेमवती संगीता पि. सीताराम गंगोत्री बेवा टीकाराम भानसिंह भानवती पि. टीकाराम भितियाबाई भितरबाई पि. धनराज जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 28 की भूमि	ख.नं. 28 की भूमि	ख.नं. 35 की भूमि	ख.नं. 33 की भूमि	-	-	-	-
2	33/1	भूमिस्वामी	क्षु.	0.12	प्रेमाबाई बेवा झामा रायसिंह हरिचंद पि. झामा जाति परधान नि. ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.33/1 की भूमि	ख.नं.33/1 की भूमि	ख.नं. 35 की भूमि	ख.नं.33/3 की भूमि	-	-	-	-
3	33/2	भूमिस्वामी	क्षु.	0.10	टेकचंद पि. निजाम जाति परधान निया भूमिस्वामी	ख.नं.33/2 की भूमि	ख.नं. 33/2 की भूमि	ख.नं.33/3 की भूमि	ख.नं. 32/3 की भूमि	महुआ	-	-	-
4	170/2	भूमिस्वामी	क्षु.	0.10		ख.नं.149/2 की भूमि	ख.नं. 189 की भूमि	ख.नं.170 /2 की भूमि	ख.नं.170 /2 की भूमि	महुआ सामान	-	-	-
5	33/3	भूमिस्वामी	क्षु.	0.10	जीरालाल पि निजाम जाति परधान नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 33/3 की भूमि	ख.नं. 33/3 की भूमि	ख.नं.33/1 की भूमि	ख.नं.33/2 की भूमि	-	-	-	-
6	37/1	भूमिस्वामी	क्षु.	0.10	धानवती बेवा छतर राघु छेदामा राजेश सुरेश सुदामा पि. छतर जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं.37/1 की भूमि	ख.नं. 37/2 की भूमि	ख.नं.27 की भूमि	ख.नं.35 की भूमि	-	-	-	-
7	37/2	भूमिस्वामी	क्षु.	0.02	इमरत पि. मारी जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 37/1 की भूमि	ख.नं.37/2 की भूमि	ख.नं.27 की भूमि	ख.नं.35 की भूमि	-	-	-	-
8	39	भूमिस्वामी	क्षु.	0.18	सेवतीबाई बेवा गोपाल सिंगराम संतोष बसंत रामप्रसाद पि. गोपाल जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 39 की भूमि	ख.नं. 39 की भूमि	ख.नं.53 की भूमि	ख.नं.57 की भूमि	-	-	-	-
9	42	भूमिस्वामी	क्षु.	0.60	हरिसिंह पिन्नु देडा रेगटा पि. पताराम जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 32/6 की भूमि	ख.नं.42 की भूमि	ख.नं.42 की भूमि	ख.नं.42 की भूमि	-	-	-	-
10	46	भूमिस्वामी	क्षु.	0.15	मंगलो कंचन भोजे पूरन पुन्नी देवाबाई पि. दुलर नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 46 की भूमि	ख.नं.46 की भूमि	ख.नं.45 की भूमि	ख.नं.47 की भूमि	-	-	-	-
11	48	भूमिस्वामी	क्षु.	0.09	दबू पि. सम्म शिवलाल सिरपतिया निरपतिया विसरिया संवबाई चित्रकली पि. गिरानी जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 48 की भूमि	ख.नं.48 की भूमि	ख.नं.47 की भूमि	ख.नं.51 की भूमि	-	-	-	-
12	52/1	भूमिस्वामी	क्षु.	0.12	फागुलाल पुत्र रामसिंह गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 52/1 की भूमि	ख.नं. 52/1 की भूमि	ख.नं.42 की भूमि	ख.नं.52/2 की भूमि	-	-	-	-
13	170/2	भूमिस्वामी	क्षु.	0.11		ख.नं. 52/1 की भूमि	ख.नं. 52/2 की भूमि	ख.नं.52/1 की भूमि	ख.नं.53 की भूमि	-	-	-	-
14	57/1	भूमिस्वामी	क्षु.	0.31	ओमकारप्रसाद कामतप्रसाद पि. जाति कलार नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 57/1 की भूमि	ख.नं.57/2 की भूमि	ख.नं.39 की भूमि	ख.नं.58 की भूमि	-	-	-	-
15	58	भूमिस्वामी	क्षु.	0.15	धनराज पि. गिरानी जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 58 की भूमि	ख.नं. 58 की भूमि	ख.नं.57/1 की भूमि	ख.नं.61/1 की भूमि	-	-	-	-
16	169/1	भूमिस्वामी	क्षु.	0.27	नीलमसिंह पुत्र गुलाब जाति परधान नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 166 की भूमि	ख.नं.189 की भूमि	ख.नं.169/1 की भूमि	ख.नं.169/1 की भूमि	-	-	-	-
17	169/2	भूमिस्वामी	क्षु.	0.17	रामलाल पुत्र राजाराम जाति मेहरा नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 160 की भूमि	ख.नं. 189 की भूमि	ख.नं.169/2 की भूमि	ख.नं.169/2 की भूमि	-	-	-	-
18	224	भूमिस्वामी	क्षु.	0.29	सतियाबाई बेवा संडवा शैलवती चैनवती कोदुलाल लोणसिंह गीताबाई लोणवती दसोदाबाई पि. संडवा पुर्निया बेवा संडवा टाटोबाई बेवा मनसिंह दिनेश भगत भारत सत्येन्द्र कोशला रोहणी भारती रवी पि. मदनसिंहाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 225 की भूमि	ख.नं.240 की भूमि	ख.नं.224 की भूमि	ख.नं.224 की भूमि	-	-	-	-
19	242	भूमिस्वामी	क्षु.	0.12		ख.नं. 242 की भूमि	ख.नं.242 की भूमि	ख.नं.241 की भूमि	ख.नं.240 की भूमि	-	-	-	-
20	247	भूमिस्वामी	क्षु.	0.34		ख.नं. 241 की भूमि	सरहद	ख.नं.247 की भूमि	ख.नं.247 की भूमि	-	-	-	-
21	225/1	भूमिस्वामी	क्षु.	0.10	कमलसिंह पि. रतिराम जाति कतिया नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 225/2 की भूमि	ख.नं.224 की भूमि	ख.नं.225/1 की भूमि	ख.नं.225/1 की भूमि	-	-	-	-
22	225/2	भूमिस्वामी	क्षु.	0.12	चित्रोबाई पत्नी मंथनसिंह जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 236 की भूमि	ख.नं.225/1 की भूमि	ख.नं.225/2 की भूमि	ख.नं.225/2 की भूमि	-	-	-	-
23	232/1	भूमिस्वामी	क्षु.	0.44	राजीवसिंह संजुसिंह पि. भगवानसिंह जाति रामपुत नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 235 की भूमि	ख.नं. 226 की भूमि	ख.नं.232/1 की भूमि	ख.नं.232/1 की भूमि	-	-	-	-
24	234/1	भूमिस्वामी	क्षु.	0.03	श्यामाबाई पत्नी मेहतर जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 235 की भूमि	ख.नं. 232 की भूमि	ख.नं.234/1 की भूमि	ख.नं.232 की भूमि	-	-	-	-
25	235/1	भूमिस्वामी	क्षु.	0.15	धनराजसिंह घोरसिंह शिवकुमार छोटीबाई तुलसाबाई कमलीबाई रमलीबाई सेवतीबाई इतियाबाई समलोबाई पि. गिरानी जाति गोंड नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 189 की भूमि	ख.नं.234 की भूमि	ख.नं.235/1 की भूमि	ख.नं.235/1 की भूमि	-	-	-	-
26	241/3	भूमिस्वामी	क्षु.	0.16	कीर्तिबाई पति नीलमसिंह जाति गोंड भूमिस्वामी	ख.नं.241/3 की भूमि	ख.नं.241/3 की भूमि	ख.नं.247 की भूमि	ख.नं.242 की भूमि	-	-	-	-
27	61/1	भूमिस्वामी	क्षु.	0.13	दीपककुमार नि.ग्रा. नौबदराय जाति मेहरा नि.ग्रा. भूमिस्वामी	ख.नं. 58 की भूमि	ख.नं.59/5 की भूमि	ख.नं.61/1 की भूमि	ख.नं.61/1 की भूमि	-	-	-	-
योग	27			4.63						वृक्ष 4	-	-	-
1. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्सा। (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू- अर्जन अधिकारी घनौर जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है।													
2. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित प्रस्तावित भूमि का नक्सा। (प्लान) का निरीक्षण कार्यालय यंत्री तिलवारा बायीं तट नहर समूह के तहसील जिला सिवनी के कार्यालय में किया जा सकता है।													
3. अर्जित की जाने वाली उल्लेखित भूमि के सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण जिसके तहत भूमि की आवश्यकता है :- गुनगुध जलाशय परियोजना के बाघ एवं नहर निर्माण कार्य हेतु निजी भूमि के अर्जन के संबंध में।													
मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार													
(बिसन सिंह गौड)													
अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं भू-अर्जन अधिकारी घनौर, जिला सिवनी (म.प्र.)													
G-13938/26										कलेक्टर सिवनी एवं पदेन उपसचिव मध्यप्रदेश शासन राजस्व, जिला सिवनी (म. प्र.)			

चिंतन

अर्थव्यवस्था पर संकट नहीं, चुनौतियां बरकरार

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर अपनी मजबूती और लचीलापन साबित किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जनवरी-मार्च तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही, जिसके परिणामस्वरूप पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में आर्थिक विकास दर 7.7 प्रतिशत तक पहुंच गई। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, खाड़ी संकट और व्यापारिक चुनौतियों के बीच यह प्रदर्शन न केवल उत्साहवर्धक है, बल्कि भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भी बनाए रखता है। भारत का घरेलू उपभोग मजबूत हुआ है। बता दें कि 2025-26 वह साल रहा है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। 50 फीसदी टैरिफ तक ट्रंप ने भारत पर लगाया, लेकिन तमाम बाधाओं को पार करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इन आंकड़ों से संतोष का भाव अवश्य पैदा होता है, लेकिन इसके साथ कुछ महत्वपूर्ण संकेतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चौथी तिमाही में मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र की वृद्धि दर का 12.8 प्रतिशत से घटकर 7.3 प्रतिशत पर आना बताता है कि उत्पादन गतिविधियों में अपेक्षित गति नहीं बनी हुई है। यह स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि रोजगार सृजन, निर्यात वृद्धि और औद्योगिक विस्तार का आधार यही क्षेत्र माना जाता है। यदि विनिर्माण क्षेत्र की रफ्तार कमजोर पड़ती है तो दीर्घकाल में इसका असर रोजगार और आय वृद्धि पर भी दिखाई दे सकता है। वर्ष 2026 की चुनौतियां और बड़ी हैं। तेल की बढ़ती कीमतें और इस बार कमजोर मानसून किसानों और लोगों की जेब पर असर डाल रहा है। इससे जहां उत्पादन प्रभावित हो सकता है, वहीं सरकारी खजाने पर भी दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में सरकार के लिए कई गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस वित्त वर्ष में जीडीपी पूर्वानुमान में 30 बीपीएस की कटौती कर 6.9% से घटाकर 6.6% तक कर दिया है। यदि खाड़ी संकट जल्द हल नहीं हुआ तो आने वाले समय में यह अनुमान और भी कम हो सकता है। इससे सरकार के सामने रोजगार सृजन, निवेश और विनिर्माण क्षेत्र में संकट पैदा हो सकता है। हालांकि आरबीआई ने अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर ५.५ से 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखकर संकेत दिया है कि सरकार पैनिक नहीं है और अर्थव्यवस्था दबाव में नहीं है, लेकिन कमजोर मानसून और अर्थव्यवस्था के लिए कई चुनौतियां बरकरार हैं। दूसरी ओर, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अगले वित्त वर्ष में विकास दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान यह संकेत देता है कि आगे का रास्ता पूरी तरह आसान नहीं है। वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता, मांग में उतार-चढ़ाव और निवेश संबंधी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। ऐसे में सरकार और उद्योग जगत दोनों को विकास की गति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। कुल मिलाकर मौजूदा आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था किसी संकट में नहीं है और उसकी बुनियाद मजबूत बनी हुई है, लेकिन केवल ऊंची विकास दर ही पर्याप्त नहीं है। वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी, जब आर्थिक वृद्धि के साथ रोजगार, आय, निवेश और जीवन स्तर में भी व्यापक सुधार दिखाई दे। इसलिए उपलब्धियों का स्वागत करते हुए चुनौतियों के प्रति सजग रहना ही समय की मांग है।



पेट्रोल और डीजल जीएसटी से बाहर क्यों

देश में पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर मध्यम वर्ग और रोज कमाने-खाने वाले लोगों में इसे लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। बताया जा रहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध जैसे हालात के कारण कच्चे तेल के आयात पर असर पड़ा है। इसी वजह से तेल कंपनियां बढ़ी हुई लागत का बोझ धीरे-धीरे उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं। बता दें कि पिछले 15 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई। कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों, यात्रियों और परिवहन क्षेत्र पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने से सिर्फ वाहन चालकों की ही नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की कीमतों पर भी असर पड़ रहा है। वही देश के कई हिस्सों में इस समय कृषि कार्य, फसल परिवहन और आगामी बुवाई की तैयारियां चल रही हैं, जहां डीजल का व्यापक उपयोग होता है। ऐसे समय में डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि किसानों के लिए गंभीर संकट पैदा कर रही है। खेती की लागत बढ़ने से पहले से आर्थिक दबाव झेल रहा किसान और अधिक कर्ज के बोझ तले दबेगा। वर्तमान में देश के कई राज्यों और शहरों में पेट्रोल का दाम 100 रुपये प्रति लीटर के आंकड़े को पार कर चुका है। ऐसे में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की मांग तेज हो गई है। माना जा रहा है कि अगर ऐसा होता है तो ईंधन की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है और लोगों को सीधी राहत मिलेगी। दरअसल, पेट्रोल की असल कीमत और उपभोक्ता द्वारा चुकाई जाने वाली कीमत में बड़ा अंतर टैक्स की वजह से है। मौजूदा समय में दिल्ली में बिकने वाले पेट्रोल की असली (बेस) कीमत सिर्फ 66.29 रुपये प्रति लीटर है। लेकिन इस पर केंद्र सरकार 11.90 रुपये प्रति लीटर का भारी-भरकम उत्पाद शुल्क वसूलती है। इसके बाद राज्य सरकार (दिल्ली सरकार) इस पर 16.03 रुपये का वेट लगा देती है। इसके अलावा, पेट्रोल पंप डीलर को प्रति लीटर 4.42 रुपये का कमीशन मिलता है। इन सभी शुल्कों को मिलाकर एक लीटर पेट्रोल के लिए उपभोक्ता को 100 रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ते हैं। यानी, लगभग 28 से 30 रुपये सिर्फ टैक्स के रूप में जनता की जेब से जा रहे हैं। वर्तमान समय में पेट्रोल पर वास्तविक मूल्य के मुकाबले करीब 42 प्रतिशत और डीजल पर लगभग 32 प्रतिशत तक टैक्स लगाया जा रहा है। अलग-अलग राज्यों में वेट की दरें अलग होने के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बड़ा अंतर देखने को मिलता है। तेलंगाना में पेट्रोल सबसे महंगा है क्योंकि वहां पेट्रोल पर करीब 35.2 प्रतिशत वेट लगाया जाता है। वहीं अंडमान-निकोबार में पेट्रोल और डीजल पर केवल एक प्रतिशत वेट होने के कारण वहां ईंधन सबसे सस्ता बताया गया है। अगर केंद्र और राज्य सरकारें अपने मौजूदा टैक्स (एक्साइज और वेट) को हटाकर ईंधन को जीएसटी के तहत लाती हैं, तो कीमतों में ऐतिहासिक कटौती हो सकती है। मान लीजिए कि डीलर का कमीशन जस का तस रहता है और तेल पर वेट उनकी आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। जीएसटी में शामिल होने पर वे इस स्वायत्तता को खो सकते हैं। पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए राज्यों की सहमति और कर दर पर एकरूपता जरूरी है। हालांकि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाने का फैसला केंद्र और राज्य सरकारों की सहमति पर निर्भर करेगा, क्योंकि इससे राज्यों की टैक्स आय पर बड़ा असर पड़ सकता है, क्योंकि इससे टैक्स से होने वाली बड़ी कमाई प्रभावित होगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं)



आर्थिकी सीतीश सिंह

सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी, औद्योगिक उत्पादन में सुधार, पूंजीगत वस्तुओं की मांग में वृद्धि, जीएसटी संग्रह में स्थिरता और कंपनियों के बेहतर मुनाफे इस बात की ओर संकेत करते हैं कि अर्थव्यवस्था में मांग और उत्पादन दोनों स्तरों पर गति बनी हुई है। फिर भी यह सुधार पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं है। घरेलू और बाहरी दोनों मोर्चों पर मौजूद चुनौतियां ताकीद करती हैं कि विकास की मौजूदा रफ्तार को स्थायी बनाने के लिए सतर्क नीति, संतुलित खर्च और लागत नियंत्रण जरूरी है। मई में भारत के सेवा क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अप्रैल के 58.8 से बढ़कर मई में 59.8 पर पहुंच गया, जो पिछले 6 महीनों का उच्चतम स्तर है। पीएमआई में 50 से ऊपर का स्तर विस्तार का संकेत है। यह आंकड़ा बताता है कि सेवा क्षेत्र में कारोबार, मांग और उत्पादन की गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। यह वृद्धि केवल घरेलू मांग तक सीमित नहीं रही, बल्कि भारत से उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की विदेशी मांग में भी सुधार दिखा। अप्रैल में आई गिरावट के बाद अंतरराष्ट्रीय ऑर्डरों में फिर से बढ़ोतरी दर्ज होना सकारात्मक संकेत है। सेवा क्षेत्र की मजबूती कई कारणों से महत्वपूर्ण है। भारत की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का बड़ा योगदान है और रोजगार सृजन से लेकर निर्यात आय तक इसके असर व्यापक हैं। मई में माल दुलाई, डिजिटल समाधान, ई-कॉमर्स, मनोरंजन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसी सेवाओं की मांग बढ़ी। इसका सीधा असर कंपनियों की कारोबारी गतिविधियों पर पड़ा और कई कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि भी की। रोजगार के मोर्चे पर यह संकेत आश्चर्य करने वाला है, क्योंकि विकास तभी व्यापक माना जाता है जब उसका लाभ रोजगार और आय वृद्धि के रूप में आम लोगों तक पहुंचे। हालांकि, रोजगार वृद्धि में मामूली वृद्धि देखी गई है, क्योंकि 7 प्रतिशत से कम कंपनियों ने नई भर्ती की सूचना दी, जबकि अधिकांश कंपनियों ने अपने कर्मचारियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं किया। इसका अर्थ यह है कि रोजगार सृजन का रूझान सकारात्मक जरूर है, पर उसे संतोषजनक नहीं माना सकता। भारत जैसे बड़े श्रम-प्रधान देश में केवल सेवा क्षेत्र की चुनिंदा कंपनियों की भर्ती पर्याप्त नहीं है। रोजगार वृद्धि को टिकाऊ बनाने के लिए विनिर्माण, निर्माण, कृषि-आधारित उद्योगों और छोटे उद्यमों में भी

सत्य के प्रति जागने में ही ‘जीवन की महत्ता’



संकलित दर्शन

संकलित



करंट अफेयर

पूर्व प्रिंस एंड्रयू ने तीन कॉटेज किराए पर देकर पैसा कमाया

ब्रिटेन की सार्वजनिक व्यय पर निगरानी रखने वाली संस्था की शुक्रवार को जारी शाही परिवार की संपत्तियों की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व प्रिंस एंड्रयू ने शाही संपदा में तीन कॉटेज किराये पर देकर पैसा कमाया, जहां वह दो दशक तक बिना किराए के रहे थे। इसमें यह भी बताया गया है कि उनकी बेटीया, प्रिंसेस बेट्टांडिस और प्रिंसेस यूजनी, किराए वाली महल की संपत्ति में रहती हैं, जिसका भुगतान उनके पिता के बड़े भाई महाराजा चार्ल्स तृतीय करते हैं। ‘नेशनल ऑडिट ऑफिस’ की रिपोर्ट में कहा गया है कि एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को विंडसर कैसल के पास अपने घर, रॉयल लॉज एस्टेट में कॉटेज को 20 साल से अधिक समय तक किराए पर देने से आय प्राप्त हुई। साल 2003 में किए गए रॉयल लॉज के एक पृष्ठ से पता चलता है कि उन्होंने संपत्ति के लिए सिर्फ एक मामूली रकम अदा दी, जिसे /‘पेपरकॉर्न रेंट/’ के नाम से जाना जाता है। इस परिसर में 30 कमरे वाली एक हवेली और आठ कॉटेज शामिल हैं जिनमें से तीन को किसी और को किराये पर देने की अनुमति थी। रिपोर्ट में आय की रिपोर्ट शामिल नहीं की गई थी। संसद की लोक लेखा समिति की पूर्व प्रमुख और हाउस ऑफ लॉर्ड्स में लेबर पार्टी की सदस्य मारग्रेट होज ने इस चुक को चिंताजनक बताया।

मुश्किलों के बीच सुधार के भी संकेत हैं

वैश्विक अनिश्चितताओं, महंगाई के दबाव, आपूर्ति शृंखला की बाधाओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था से कुछ उत्साहजनक संकेत मिल रहे हैं। सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी, औद्योगिक उत्पादन में सुधार, पूंजीगत वस्तुओं की मांग में वृद्धि, जीएसटी संग्रह में स्थिरता और कंपनियों के बेहतर मुनाफे इस बात की ओर संकेत करते हैं कि अर्थव्यवस्था में मांग और उत्पादन दोनों स्तरों पर गति बनी हुई है। फिर भी यह सुधार पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं है। घरेलू और बाहरी दोनों मोर्चों पर मौजूद चुनौतियां ताकीद करती हैं कि विकास की मौजूदा रफ्तार को स्थायी बनाने के लिए सतर्क नीति, संतुलित खर्च और लागत नियंत्रण जरूरी है। मई में भारत के सेवा क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अप्रैल के 58.8 से बढ़कर मई में 59.8 पर पहुंच गया, जो पिछले 6 महीनों का उच्चतम स्तर है। पीएमआई में 50 से ऊपर का स्तर विस्तार का संकेत है। यह आंकड़ा बताता है कि सेवा क्षेत्र में कारोबार, मांग और उत्पादन की गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। यह वृद्धि केवल घरेलू मांग तक सीमित नहीं रही, बल्कि भारत से उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की विदेशी मांग में भी सुधार दिखा। अप्रैल में आई गिरावट के बाद अंतरराष्ट्रीय ऑर्डरों में फिर से बढ़ोतरी दर्ज होना सकारात्मक संकेत है। सेवा क्षेत्र की मजबूती कई कारणों से महत्वपूर्ण है। भारत की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का बड़ा योगदान है और रोजगार सृजन से लेकर निर्यात आय तक इसके असर व्यापक हैं। मई में माल दुलाई, डिजिटल समाधान, ई-कॉमर्स, मनोरंजन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसी सेवाओं की मांग बढ़ी। इसका सीधा असर कंपनियों की कारोबारी गतिविधियों पर पड़ा और कई कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि भी की। रोजगार के मोर्चे पर यह संकेत आश्चर्य करने वाला है, क्योंकि विकास तभी व्यापक माना जाता है जब उसका लाभ रोजगार और आय वृद्धि के रूप में आम लोगों तक पहुंचे। हालांकि, रोजगार वृद्धि में मामूली वृद्धि देखी गई है, क्योंकि 7 प्रतिशत से कम कंपनियों ने नई भर्ती की सूचना दी, जबकि अधिकांश कंपनियों ने अपने कर्मचारियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं किया। इसका अर्थ यह है कि रोजगार सृजन का रूझान सकारात्मक जरूर है, पर उसे संतोषजनक नहीं माना सकता। भारत जैसे बड़े श्रम-प्रधान देश में केवल सेवा क्षेत्र की चुनिंदा कंपनियों की भर्ती पर्याप्त नहीं है। रोजगार वृद्धि को टिकाऊ बनाने के लिए विनिर्माण, निर्माण, कृषि-आधारित उद्योगों और छोटे उद्यमों में भी

मांग और निवेश का विस्तार जरूरी है। औद्योगिक मोर्चे पर भी कुछ बेहतर संकेत दिखाई दे रहे हैं। अप्रैल में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक यानी आईआईपी की वृद्धि दर 4.9 प्रतिशत रही, जबकि मार्च में यह 3.2 प्रतिशत थी। इस सुधार में सबसे बड़ा योगदान विनिर्माण क्षेत्र का रहा, जिसकी वृद्धि दर अप्रैल में 6.2 प्रतिशत तक पहुंच गई। बिजली और गैस क्षेत्र में भी वृद्धि दर्ज की गई। यह संकेत देता है कि उत्पादन गतिविधियां धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही हैं। उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में सुधार और पूंजीगत वस्तुओं की वृद्धि दर का 16 प्रतिशत तक पहुंचना खास तौर पर महत्वपूर्ण है। पूंजीगत वस्तुओं की



मांग बढ़ना इस बात का संकेत है कि कंपनियां भविष्य की मांग को लेकर कुछ हद तक आश्वस्त हैं और वे विस्तार की तैयारी कर रही हैं। फिर भी, मौजूदा सकारात्मक संकेत को स्थायी नहीं माना जा सकता है। एक-दो महीनों के बेहतर आंकड़े से किसी बड़े निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता। राजकोषीय मोर्चे पर भी कुछ सकारात्मक संकेत हैं। वित्त वर्ष 2026 में कई मंजूरियों और विभागों का खर्च संशोधित अनुमान से कम रहा, जिससे कुल व्यय में कमी आई और राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमान से घट गया। वित्तीय अनुशासन की दृष्टि से यह अच्छा संकेत है, क्योंकि नियंत्रित घाटा सरकार को भविष्य में विकासोन्मुख खर्च के लिए अधिक गुंजाइश दे सकता है। जीएसटी संग्रह में वृद्धि भी मांग और आर्थिक गतिविधियों की स्थिरता का संकेत देती है। जीएसटी संग्रह का बढ़ना यह बताता है कि खपत और लेन-देन का दायरा बना हुआ है। लेकिन जीएसटी संग्रह की वृद्धि दर को भी महंगाई और अनुपालन सुधार के संदर्भ में देखना चाहिए। अगर संग्रह में वृद्धि वास्तविक खपत और उत्पादन वृद्धि से आ रही है, तो यह अर्थव्यवस्था के लिए स्वस्थ संकेत है, पर यदि इसका बड़ा हिस्सा कीमतों की वृद्धि से जुड़ा

इश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है



संकलित प्रेरणा

आज की पाती
पर्यावरण संरक्षण : आज का संकल्प, कल का भविष्य
धरती केवल मिट्टी, जल, वायु और पेड़ों का समूह नहीं है। यह मानव सभ्यता की जड़नी है, जीवन की धड़कन है और आने वाली पीढ़ियों को रखने बड़ी धरोहर है।जब भी सुबह का सूरज पर्वतों की चोटियों को सुकूनदा आग से भर देता है, जब नदियों का निर्मल जल कल-कल करता हुआ बहता है, जब खेतों में हरियाली लहरती है और पक्षियों का मधुर करलव वातावरण में संगीत घोल देता है, तब प्रकृति अपनी सुंदरता का परिचय देती है। किंतु आज यही प्रकृति मानव की अंधाधुंध महत्वाकांक्षाओं और स्वार्थपूर्ण गतिविधियों के कारण कराह रही है। बढ़ता प्रदूषण, कटते जंगल, सूखती नदियां, पिघलते हिमनद, बढ़ता तापमान और असंतुलित मौसम मानव को वेतावनी दे रहे हैं कि यदि अभी नहीं संभले, तो आने वाला भविष्य अत्यंत भयावह हो सकता है। - संजय खोखर, रोहतक

ऑफ बीट

एआई में अत्यधिक पानी का इस्तेमाल हो सकता है

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग से ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ने वाले दबाव को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक नई रिपोर्ट ने गंभीर चेतावनी जारी की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030 तक एआई से जुड़ी प्रणालियां दुनिया की कुल बिजली खपत का लगभग तीन प्रतिशत हिस्सा उपयोग कर सकती हैं, जबकि डेटा केंद्रों की शीतलन जरूरतों के लिए इस्तेमाल होने वाला पानी वैश्विक आबादी की वार्षिक पेयजल आवश्यकता से भी अधिक हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई की बढ़ती क्षमता और लोकप्रियता के साथ उसके पर्यावरणीय प्रभाव भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि एआई मॉडल समय के साथ अधिक दक्ष और कम ऊर्जा खपत वाले हो जाएंगे, जिससे उनकी पर्यावरणीय लागत घटेगी। हालांकि, रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यह धारणा भ्रमक हो सकती है। रिपोर्ट में ‘जेवॉन्स पैराडॉक्स’ का उल्लेख किया गया है, जिसके अनुसार किसी तकनीक की दक्षता बढ़ने पर संसाधनों की कुल खपत कम होने के बजाय बढ़ सकती है। यह सिद्धांत 19वीं सदी के अर्थशास्त्री विलियम स्टेनली जेवॉन्स के अवलोकन पर आधारित है, जिन्होंने पाया था कि कोयले के उपयोग की दक्षता बढ़ने के बावजूद उसकी कुल मांग और खपत में वृद्धि हुई थी।

है, तो आम उपभोक्ता पर दबाव भी बढ़ सकता है। कॉर्पोरेट जगत के नतीजे भी अर्थव्यवस्था की मिश्रित लेकिन आशावादी तस्वीर पेश करते हैं। बैंकों ने मजबूत ऋण वृद्धि और बेहतर मार्जिन के सहारे अच्छे परिणाम दिए। ऑटोमोबाइल कंपनियों की मांग और वॉल्यूम का लाभ मिला। वहीं तेल, धातु और कुछ सरकारी कंपनियों का प्रदर्शन मिश्रित रहा। इससे स्पष्ट है कि अर्थव्यवस्था में सुधार का स्वरूप समान नहीं है। कुछ क्षेत्र तेज बढ़ रहे हैं, जबकि कुछ क्षेत्र लागत, कीमत और वैश्विक परिस्थितियों से प्रभावित हैं। सबसे बड़ी चुनौती महंगाई और लागत दबाव की है। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने खाद्य पदार्थों, ईंधन, गैस, मजदूरी और कच्चे माल पर अधिक खर्च की बात कही है। पश्चिम एशिया में तनाव, कच्चे तेल की कीमतों की अनिश्चितता, वैश्विक व्यापार नीतियों में उतार-चढ़ाव और मौसम संबंधी जोखिम से महंगाई में और भी इजाजा हो सकता है। खाद्य महंगाई का सीधा असर आम परिवारों की रसोई और उपभोग क्षमता पर पड़ता है। यदि मानसून कमजोर रहता है या अल नीनो जैसी जलवायु परिस्थितियां कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं, तो खाद्य कीमतों पर दबाव माल पर आ सकता है। निर्यात क्षेत्र भी चिंता का विषय है। रुपये में कमजोरी के बावजूद भारत का माल निर्यात अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रहा। सामान्यतः कमजोर रुपया निर्यात को प्रतिस्पर्धी बनाता है, लेकिन जब वैश्विक मांग ही कमजोर हो तो इसका लाभ सीमित रह जाता है।

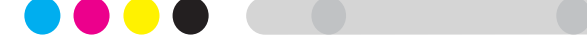
विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती, व्यापारिक संरक्षणवाद और भू-राजनीतिक तनाव भारतीय निर्यातकों के लिए बाधा बन सकते हैं। ऐसे में केवल मुद्रा विनिमय दर पर निर्भर रहने के बजाय उत्पादकता, गुणवत्ता, लॉजिस्टिक्स और बाजार विविधीकरण पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। निष्कर्षतः भारतीय अर्थव्यवस्था फिलहाल कठिनाइयों के बीच सुधार के संकेत दे रही है। सेवा क्षेत्र की प्रगति, औद्योगिक उत्पादन में सुधार, पूंजीगत वस्तुओं की मांग, बेहतर कॉर्पोरेट नतीजे और राजकोषीय घाटे में कमी सकारात्मक संकेत हैं, लेकिन इन संकेतों को आत्मसंतोष का आधार नहीं बनाया जा सकता। महंगाई, कमजोर वैश्विक मांग, निर्यात की सुस्ती, मौसम संबंधी जोखिम और लागत दबाव अभी भी गंभीर चुनौतियां हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह विकास की गति को बनाए रखते हुए महंगाई पर नियंत्रण रखे, निवेश को प्रोत्साहित करे, रोजगार को व्यापक बनाए और भारी झटकों से अर्थव्यवस्था को बचाने की क्षमता बढ़ाने पर जोर दे।

(लेखक वरिष्ठ आर्थिक रसमकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

इश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है

एक बार स्वामी विवेकानंद जी अपने आश्रम में एक छोटे पालतू कुत्ते के साथ टहल रहे थे। तभी अचानक एक युवक उनके आश्रम में आया और उनके पैरों में झुक गया और कहने लगा- स्वामीजी मैं अपनी जिंदगी से बड़ा पशेान हूँ मैं प्रतिदिन पुरुषार्थ करता हूँ लेकिन आज तक मैं सफलता प्राप्त नहीं कर पाया। पता नहीं ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है, जो इतना पढ़ा-लिखा होने के बावजूद भी मैं नाकामयाब हूँ। युवक की पेशानी को स्वामीजी ने तुरंत समझ लिया। उन्होंने युवक से कहा- भाई! थोड़ा मेरे इस कुत्ते को कहीं दूर तक सैर करा दो। उसके बाद मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दूंगा। उनकी इस बात पर युवक को थोड़ा अजीब लगा लेकिन दोबारा उसने कोई प्रश्न नहीं किया और कुत्ते को दौड़ाते हुए आगे निकल पड़ा। कुत्ते को सैर कराने के बाद, जब एक युवक आश्रम में पहुंचा तो वह देखा कि युवक का चेहरा तेज है लेकिन उसका छोटा कुत्ता थक के जोर-जोर से हाफ रहा था। स्वामीजी ने पूछा- भाई, मेरा कुत्ता इतना कैसे थक गया? तुम तो बड़े शांत दिख रहे हो। क्या तुम्हें थकावट नहीं हुई? युवक ने कहा- स्वामीजी, मैं धीरे-धीरे आराम से चल रहा था, लेकिन मेरा कुत्ता अशांत था। सभी जानवरों के पीछे दौड़ता था, इसलिए बहुत थक गया था। तब विवेकानंद ने कहा- भाई, तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर तो यही है! तुम्हारा लक्ष्य तुम्हारे आपसपास है, लेकिन तुम उससे दूर चलते हो। अन्य लोगों के पीछे दौड़ते रहते हो और तुम जो चाहते हो वह दूर हो जाता है। युवक ने विवेकानंद के उत्तर से संतुष्ट होकर अपनी गलती को सुधारने का निर्णय लिया। अतः अपने लक्ष्य पर ध्यान रखो और भटकाने वाली सोच से दूरी बनाओ।



खबर संक्षेप

शिक्षकों और कर्मियों के तबादला आवेदन 8 तक

भोपाल। स्थानांतरण नीति 2026-27 के तहत जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग ने स्थानांतरण आवेदनों के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। स्वेच्छिक स्थानांतरण के आवेदन 3 से 8 जून तक पोर्टल पर ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदक स्थानांतरण के लिए अधिकतम 15 कार्यालयों/संस्थाओं का चयन कर सकेंगे। आवेदन में दर्शाए गए कारणों के समर्थन में आवश्यक दस्तावेज पीडीएफ स्वरूप में अपलोड करना अनिवार्य होगा। एक बार आवेदन सबमिट होने के बाद उसमें संशोधन नहीं किया जा सकेगा। आवेदन में गलत जानकारी या सत्यापन में अनियमितता पर कर्मचारी, सत्यापन अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बांधवगढ़: नियम तोड़े तो 1 माह के लिए गाड़ी बैन

भोपाल। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में सफारी के दौरान नियमों की अनदेखी करने वाले पर्यटकों, गाइड और वाहन चालकों पर अब वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई होगी। फील्ड डायरेक्टर अनुपम सहान ने एक बैठक के बाद सफारी के दौरान नियम तोड़ने पर दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वन्यजीवों के अत्यधिक समीप जाने पर संबंधित वाहन को एक माह तक रिजर्व में प्रवेश से प्रतिबंधित किया जाएगा। साथ ही आर्थिक जुर्माना भी लगाया जाएगा।

भोपाल में फायर एनओसी पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

भोपाल। राजधानी भोपाल में होटल और रेस्टोरेंटों की फायर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस का कहना है कि शहर में संचालित हजारों होटल और रेस्टोरेंटों में से अधिकांश के पास फायर एनओसी (अनुमति प्रमाण पत्र) नहीं है, जिससे नागरिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कांग्रेस द्वारा जारी बयान में दावा किया गया है कि भोपाल में करीब 3200 होटल और रेस्टोरेंट संचालित हैं, लेकिन इनमें से केवल 38 के पास ही फायर एनओसी है।

बाथरूम से गिरा कैदी इलाज के दौरान मौत

जगदलपुर। केंद्रीय जेल जगदलपुर में नक्सल मामले में सजा काट रहा एक कैदी बीती रात बाथरूम में फिसलकर गिर गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसे बेहतर उपचार के लिए महाराजी अस्पताल ले जाया गया। जहां उपचार के दौरान कैदी ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिजनों को मामले की जानकारी दे दिया गया है। मामले के बारे में जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि बीजापुर जिले के उसुर थाना क्षेत्र के ग्राम लिंगापुर में रहने वाला रमेश कुंजाम 35 वर्ष को नक्सल मामले में जेल हो गई थी, जिसके ऊपर नक्सल मामले को लेकर 3 मामले चल रहे थे। नक्सल मामले होने के कारण रमेश को केंद्रीय जेल दौतावाड़ा में रखा गया था। लेकिन नवंबर 2025 में उसे जगदलपुर जेल में शिफ्ट कर दिया गया था। रमेश बाथरूम करने के लिए गया हुआ था। जहां बाथरूम में बिखरे पानी में उसका पैर फिसल गया और गिर पड़ा।

नुकीले औजार से किया था जानलेवा हमला

हत्या के मामले में फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज़ ►►सुकमा

जिले के गादीरास थाना क्षेत्र में पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक गंभीर मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान रंगा सोढ़ी (46) के रूप में हुई है। उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना ग्राम धुरवारस खासपारा में घरेलू विवाद के दौरान हुई। आरोपी रंगा सोढ़ी ने लोहे के नुकीले औजार से एक व्यक्ति पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में पीड़ित के सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही गादीरास

घर बैठे कार्यकर्ता के काम को नेतृत्व ने पहचाना, यही भाजपा की ताकत: रजनीश

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

भाजपा ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए रजनीश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाया है। रजनीज अग्रवाल ने उम्मीदवार घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष से मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात की। उनके साथ विधायक भगवान दास सबनानी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने से पहले हरिभूमि से रजनीश अग्रवाल ने बात की उन्होंने पार्टी के सभी नेताओं का धन्यवाद दिया। पेश है बातचीत के प्रमुख अंश...

भाजपा में चेहरा नहीं, काम बोलता है, यहां सिफारिश नहीं चलती, नेतृत्व अद्भुत है



रजनीश अग्रवाल

सवाल: आपने कहा कि नेतृत्व ने घर बैठे आपका काम पहचान लिया। कैसे?
जवाब: जी, मैं ईश्वर को साक्षी मानकर कह रहा हूँ कि मैं न कभी दिल्ली गया, न प्रदेश कार्यालय। किसी बड़े नेता से मिला भी नहीं। घर पर रहकर ही संगठन का काम करता रहा। फिर भी पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, सीएम डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व ने मेरे काम और प्रतिबद्धता का आकलन किया।
सवाल: आपने नेतृत्व को देवतुल्य क्यों कहा?
जवाब: क्योंकि देवताओं की तरह हमारा नेतृत्व कार्यकर्ता की निष्ठा को खुद परख लेता है।

उन्हें बताना नहीं पड़ता। भाजपा में चेहरा नहीं, काम बोलता है। यहां सिफारिश नहीं चलती, समर्पण देखा जाता है। नेतृत्व अद्भुत है।
सवाल: इस व्यवस्था से कार्यकर्ताओं को क्या संदेश मिलता है?
जवाब: यही कि ईमानदारी से काम करते रहिए। नेतृत्व सब देख रहा है। मुझे किसी के दरवाजे पर जाना नहीं पड़ा। यह संगठन की आंतरिक मजबूती है। पार्टी में कार्यकर्ता ही असली ताकत है।
सवाल: आखिर में कुछ कहना चाहेंगे?
जवाब: बस इतना ही कि इस व्यवस्था के बारे में मैं इसके अलावा कुछ कह नहीं सकता।

ऐसा रहा राज्यसभा उम्मीदवार रजनीश अग्रवाल का सफर

भाजपा संगठन को डिजिटल रूप देने में रजनीश अग्रवाल की अहम भूमिका रही है। इससे पहले दिनेश अग्रवाल ने तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ काम किया था। रजनीश अग्रवाल ने त्रिदेव मॉडल तैयार कर पार्टी के 64,000 से अधिक बूथों की मैपिंग की। इस डिजिटल मैपिंग से भाजपा को हर पन्ना प्रमुख और ब्लॉक प्रमुख की सटीक जानकारी मिलती है। साथ ही यह भी तय होता है कि हर बूथ पर कितने नेताओं की जिम्मेदारी है। इस पूरे डिजिटल सिस्टम की वजह से भाजपा को 2023 विधानसभा और

2024 लोकसभा चुनाव में काफी मदद मिली। डेटा आधारित रणनीति से संगठन ने जमीनी स्तर पर बेहतर प्रबंधन किया। इसी काम के बाद रजनीश अग्रवाल को प्रदेश मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। इसके साथ ही प्रदेश के कई महत्वपूर्ण मामलों की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी गई है। भाजपा का त्रिदेव मॉडल बूथ प्रबंधन का डिजिटल आधार बना। इससे पन्ना प्रमुख से लेकर प्रदेश नेतृत्व तक सीधी जानकारी पहुंचती है। संगठन का मानना है कि डिजिटल ताकत ने चुनावी जीत में निर्णायक भूमिका निभाई।

विधायक लोधी के बयान को लेकर अभा गुर्जर महासभा ने हेमंत से की कार्रवाई की मांग



हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

भाजपा सदैव गुर्जर समाज के सम्मान के साथ : खंडेलवाल
प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि पार्टी के विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा गत दिवस दिए गए बयान को संज्ञान में लिया है। पार्टी संगठन जल्दी ही इस संबंध में विधायक लोधी से चर्चा करेगा। गुर्जर समाज का देश की सुरक्षा व विकास में अहम योगदान है। भाजपा सदैव उनके हितों व सम्मान के साथ है। प्रतिनिधिमंडल ने विषय पर त्वरित संज्ञान लेने एवं समाज की भावनाओं को गंभीरता से सुनने के लिए खंडेलवाल का आभार व्यक्त किया।

यह रहे प्रतिनिधिमंडल में शामिल

खंडेलवाल से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह पटेल, अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक रामबखन सिंह गुर्जर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमराव सिंह गुर्जर, महासभा के युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष सैजू गुर्जर, रघुराज गुर्जर मिश्र आदि शामिल रहे।

युवा वर्ष के लिए उच्च शिक्षा सहित संबंधित विभाग करें आवश्यक तैयारी प्रदेश में नैक की तर्ज पर गठित करें सैक: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- शहरी क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की आवश्यकता के अनुसार नए महाविद्यालय शुरू किए जाएं



बैठक में अधिकारियों से चर्चा करते मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मंत्री परमार।

मेट्रो रेल यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग का लें सहयोग : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में भोपाल और इंदौर में मेट्रो रेल संचालन के प्रथम चरण के कार्य पूर्ण होने के बाद परियोजना के आगामी चरणों के कार्य समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं। सघन आबादी के क्षेत्रों और कामकाजी नागरिकों की सुगम आवाजाही के लिए मेट्रो रेल व्यवस्था एक वरदान है। प्रदेश की राजधानी भोपाल और प्रमुख व्यवसायिक केन्द्र इंदौर में मेट्रो रेल यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन विभाग का आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाए।



छात्रों पर ध्यान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थियों सहित अन्य नागरिकों के लिए प्रबंध होने से मेट्रो रेल का उपयोग बढ़ेगा। इन प्रयासों में पर्यटन विभाग सहित मेपकास्ट की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

भोपाल मेट्रो परियोजना

बैठक में बताया गया कि भोपाल मेट्रो रेल परियोजना में फेज-1 में सुभाष नगर से एक्स तक दिसम्बर 2025 से संचालन हो रहा है। इस ट्रेक पर 7.1 किलोमीटर क्षेत्र में 8 एलिवेटेड स्टेशन बनाए गए हैं। फेज-2 में सुभाष नगर से कोरोड चौराहा तक 9.64 से किलोमीटर सेक्शन में कार्य हो रहा है, जो जून 2028 तक पूर्ण होगा प्रस्तावित है। इस सेक्शन में 6 एलिवेटेड और दो भूमिगत स्टेशन होंगे।

जब्त माल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 56 लाख 50 हजार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चैकिंग के दौरान भारी मात्रा में अवैध गांजा किया जब्त

हरिभूमि न्यूज़ ►►मनदेवगढ़-घिरगिरी-भरतपुर

जिले में पुलिस ने नशे के सौदागरों पर एक बड़ी कार्रवाई की है। पोड़ी थाना अंतर्गत नागपुर चौकी पुलिस ने चैकिंग के दौरान भारी मात्रा में अवैध गांजा जब्त किया। इस गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार



में अनुमानित कीमत 56 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस को क्षेत्र में मादक पदार्थों की बड़ी खेप ले जाने की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने नागपुर चौकी क्षेत्र में नाकेबंदी की। वाहनों को कड़ाई से जांच शुरू कर दी गई। इसी दौरान दो संदिग्ध कारों आती हुई दिखाई दीं। पुलिस बल को सामने देखकर तस्करों में हड़कंप मच गया। पकड़े जाने के डर से तस्करों ने सड़क किनारे ही दोनों गाड़ियां खड़ी कर दीं। वे पुलिस की पहुंच से दूर भागने में सफल रहे। पुलिस ने तत्काल दोनों लावारिस कारों को अपने कब्जे में लिया। उनकी सघन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान गाड़ियों के भीतर गांजे के पैकेट दूस्-दूस् कर भरे मिले। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में जब्त किए गए मादक पदार्थ का वजन कराया गया।

एक कार से 300 और दूसरी से 265 किया गांजा जब्त

पहली कार से 300 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। दूसरी कार से 265 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इस प्रकार कुल 565 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया गया है। यह मात्रा 5 किंवटल 65 किलोग्राम के बराबर है। इसकी अनुमानित कीमत 56 लाख 50 हजार रुपये है। नागपुर चौकी क्षेत्र में हुई यह कार्रवाई जिले की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक है। पुलिस ने दोनों कारों और गांजे की खेप जब्त कर ली है। अज्ञात तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गाड़ियों के पंजीकरण संख्या और इंजन-चैसिस संख्या के आधार पर फरार आरोपियों की पहचान की जा रही है। इस पूरे तस्करी नेटवर्क का पता लगाने के लिए आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है।

करीब डेढ़ सौ करोड़ रुपये के विकास कार्यों का किया लोकार्पण बिलासपुर दौरे पर पहुंचे सीएम, सुशासन तिहार पर की लोगों से चर्चा

हरिभूमि न्यूज़ ►►बिलासपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बिलासपुर दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सुशासन तिहार, विकास कार्यों, नीट परीक्षा में गड़बड़ी, उपचुनाव परिणाम और मंत्रिमंडल में संभावित बदलाव सहित विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखी। सुशासन तिहार को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार यह जानने का प्रयास कर रही है कि लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से जनता से सीधे फीडबैक लिया जा रहा है। साथ ही



लोगों की कई समस्याओं का समाधान शिविरों के जरिए तत्काल किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि बिलासपुर में करीब डेढ़ सौ करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और

सरकार कर रही बेहतर काम, कांग्रेस के आरोप बेबुनियाद

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लगातार बेहतर काम कर रही है, इसलिए कांग्रेस बेवजह आरोप लगा रही है। नीट परीक्षा में कथित गड़बड़ी के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी समस्या या अपराध सामने आने पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार सख्ती से जांच कराती है। उन्होंने कहा कि अपराध सिद्ध होने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाता और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाती है। नगरीय निकाय उपचुनाव के परिणामों पर मुख्यमंत्री ने कहा

कि एक जून को हुए मतदान के नतीजे चार जून को घोषित हुए हैं। प्रदेश की पांच नगर पंचायतों में हुए चुनाव में तीन नगर पंचायतों में भाजपा समर्थित अध्यक्ष और पार्षदों की जीत हुई है। उन्होंने विजयी प्रत्याशियों, कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मंत्रिमंडल में बदलाव की संभावनाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर मुख्यमंत्री ने संक्षिप्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा, आप इंतजार करिए, आगे देखिए क्या-क्या होता है।

दिवंगत कर्मचारियों के परिवार को मिलेगा सहारा

14 साल के ऊपर के बच्चों की जेल विभाग में होगी बाल आरक्षक की नियुक्ति, इसका प्रस्ताव शासन को भेजा

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

जेल विभाग में अब सेवा के दौरान दिवंगत हुए कर्मचारियों के परिवार के 14 साल से ऊपर के बच्चों को अनुकंपा नियुक्ति दी जा सकेगी। इसको लेकर जेल मुख्यालय में शासन को एक प्रस्ताव भेजा है। प्रस्ताव के अनुसार अगर किसी जेल कर्मचारी या अधिकारी की सेवा काल में मृत्यु हो जाती है और उसकी पत्नी नौकरी नहीं करना चाहती, तो परिवार की सहमति से 14 साल से बड़े बच्चे को बाल आरक्षक के पद पर नियुक्त किया जाएगा।

दरअसल, पुलिस विभाग में यह व्यवस्था पहले से लागू है। पुलिस में सेवा के दौरान कर्मचारी की मृत्यु होने पर उसके परिवार के नाबालिग बच्चे को बाल आरक्षक के तौर पर अनुकंपा नियुक्ति दी जाती है। इसी तर्ज पर जेल विभाग ने भी यह कदम उठाया है। जेल डीआईजी एसके पांडे ने बताया कि



बाल आरक्षक की सेवा शर्तें

प्रस्ताव में बाल आरक्षक की सेवा शर्तों का भी साफ उल्लेख किया गया है। बाल आरक्षक से रोजाना सिर्फ 4 घंटे ही काम लिया जाएगा। उससे कोई भी भारी या जोखिम भरा काम नहीं कराया जाएगा। उसकी नियुक्ति परिवार के सभी सदस्यों की लिखित सहमति के बाद ही होगी। झूट्टी के लिए उसे मुख्यालय या जेल के कार्यालय में अटेंच किया जाएगा और आसान काम दिए जाएंगे।प्रस्ताव में यह भी प्रावधान है कि जब बाल आरक्षक 18 वर्ष की उम्र पूरी कर लेगा और प्रहरी पद की सभी अर्हताएं पूरी करता है, तो उसे नियमित नियुक्त कर दिया जाएगा।

कर्मचारियों के वेलफेयर को लेकर बड़ा कदम

जेल विभाग में कर्मचारियों के वेलफेयर की दिशा में इसे बड़ा कदम माना जा रहा है। विभाग में काफी समय से यह मांग उठ रही थी कि पुलिस की तरह जेल विभाग में भी परिवार के बच्चों को अनुकंपा नियुक्ति के नियम बनाए जाएं। कई बार कर्मचारी की असमय मृत्यु के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट आ जाता है। पत्नी की उम्र ज्यादा होने या अशिक्षित होने के कारण वह नौकरी

नहीं कर पाती। ऐसे में बच्चे को नियुक्ति मिलने से परिवार को तुरंत सहारा मिल जाएगा। केंद्रीय जेल भोपाल के कर्मचारियों ने भी इस प्रस्ताव का स्वागत किया है। उनका कहना है कि जेल और पुलिस दोनों ही अनुशासनात्मक बल हैं। दोनों का काम लगभग एक जैसा है। फिलहाल यह प्रस्ताव शासन स्तर पर विचाराधीन है।

छोटे शहरों के यंग इनोवेटर्स को मिलेगी 50 लाख तक फंडिंग

रायपुर। देश के युवा इनोवेटर्स और स्टार्टअप्स को मजबूत आर्थिक सहयोग देने महत्वाकांक्षी पहल 'प्रगति' रिसर्स एलोकेशन फॉर ग्रोथ, एडवांसमेंट, एंड ट्रांसफॉर्मिंग आइडियाज की शुरुआत की है। इस नई पहल के तहत संस्था ने शुरुआती दौर के 100 यूनिक स्टार्टअप आइडियाज में 50 हजार से लेकर 50 लाख रुपये तक का आर्थिक सहयोग देने का फैसला किया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश के ग्रामीण परिवेश और छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) से आने वाले बेहतरीन और अनोखे बिजनेस आइडियाज सिर्फ पैसों की तंगी की वजह से दम न तोड़ें। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में शुरू होने वाले लगभग 90 प्रतिशत स्टार्टअप्स शुरुआती 5 वर्षों के भीतर ही बंद हो जाते हैं। वहीं ग्रामीण अंचलों और छोटे शहरों के होनहार युवाओं के आइडियाज पैसों के अभाव में दम तोड़ देते हैं। इस पहल की घोषणा करते हुए फाउंडर, डॉ. अतुल मलिकराम ने कहा कि, असली सितारों और भविष्य के बड़े बिजनेस आइडियाज हमारे ग्रामीण अंचलों और छोटे शहरों में बसते हैं। हमारी इस पहल का मकसद गैप को भरना है। हम नहीं चाहते कि किसी युवा का यूनिक आइडिया सिर्फ इसलिये पिछड़ जाए क्योंकि उसके पास बैंक बैलेंस नहीं है। हम उन्हें न सिर्फ 50 हजार से 50 लाख तक का फंड देंगे, बल्कि उनके सपनों को एक नई पहचान दिलाने में भी मदद करेंगे।

डुमना नेचर पार्क में नगर निगम का वृक्षारोपण अभियान, 11 लाख पौधे लगाने का महाअभियान घोषित

विश्व पर्यावरण दिवस: 1100 पौधों के रोपण से शुरू हुआ ‘ग्रीन जबलपुर’ महाअभियान



विश्व पर्यावरण दिवस पर जैन महिला परिषद ने लगाए 150 पौधे

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद, लॉर्डगंज शाखा द्वारा चंदना संभाग अध्यक्ष संध्या जैन शांत के नेतृत्व में पिसनहारी मढ़िया जी एवं गुरुकुल परिसर में व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान लगभग 150 पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में अमरूद, जामुन, आम, अनार, तुलसी, गिलोय, एलोवेरा, नीम एवं बरगद सहित विभिन्न औषधीय एवं फलदार पौधे लगाए गए। परिषद पदाधिकारियों ने बताया कि लॉर्डगंज शाखा पिछले एक वर्ष में 500 से अधिक पौधों का रोपण कर चुकी है। इस अवसर पर लॉर्डगंज शाखा द्वारा पिसनहारी मढ़िया जी में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए वाटर कूलर का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में प्रांतीय सलाहकार रानी जैन, शाखा अध्यक्ष मीना बड़कुल, सचिव संजना, कोषाध्यक्ष भानुप्रिया, सुनीता मैक्स, ज्योति, अंजलि, अक्षरा, राशि, भावना, रचना, रंजना, कल्पना एवं शोभा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रही। कार्यक्रम में पिसनहारी मढ़िया जी के प्रधानमंत्री संजय अरिहंत, कोषाध्यक्ष सुबोध कामरेड एवं जतिन जी की विशेष उपस्थिति रही।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बड़ेरिया चैरिटेबल ट्रस्ट ने किया वृक्षारोपण



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बड़ेरिया चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल परिसर में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में हॉस्पिटल के डायरेक्टर राजीव बड़ेरिया ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर कदम संस्था के सदस्यों एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया। उपस्थित वक्ताओं ने पर्यावरण संतुलन बनाए



विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के “एक पेड़ मां के नाम” अभियान से प्रेरित होकर नगर निगम जबलपुर ने डुमना नेचर पार्क में व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर 1100 पौधों का रोपण कर शहर में 11 लाख पौधे लगाने के महाअभियान का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, कैंट विधायक अशोक ईश्वरदास रोहानी, निगमाध्यक्ष रिकू विज, एमआईसी सदस्य, पाषंदगण, अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर पौधारोपण किया। इस दौरान डॉ. सुभाष तिवारी, विवेक राम सोनकर, दामोदर सोनी, रजनी केलाश साहू, अंशुल राघवेंद्र यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि नगर निगम का लक्ष्य पूरे शहर में 11 लाख पौधे लगाकर जबलपुर को और अधिक हरा-भरा एवं प्रदूषण मुक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। विधायक अशोक रोहानी ने भी पर्यावरण संरक्षण को जनभागीदारी से जोड़ते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रभारी आयुक्त अरविंद शाह, अजाक्स अध्यक्ष अमित मेहरा सहित नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रखने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से योगेश गणोरे, राजीव चतुर्वेदी, पंकज गोस्वामी (मुख्य संरक्षक), सुनील श्रॉफ, संजय खटी, अरुण नीखरा, इंजीनियर कमलकांत बहरे, अनुभव मातेले, राजेश सरावगी एवं श्रीनिवास महाराणा उपस्थित रहे। वहीं बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल के चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।कार्यक्रम के माध्यम से समाज को स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया गया। अंत में सभी ने आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने किया पौधारोपण



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) द्वारा सिविक सेंटर स्थित प्राधिकरण कार्यालय के सामने गार्डन में विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी ने विभिन्न पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

पौधारोपण के उपरांत संदीप जैन ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के वर्तमान दौर में वृक्षारोपण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है। उन्होंने कहा कि इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के साथ-साथ ग्रीन कवर बढ़ाना जेडीए की प्राथमिकता है और आगामी सभी परियोजनाओं में ग्रीन बेल्ट को विशेष महत्व दिया



जाएगा। उन्होंने शहरवासियों से पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल करने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम में जेडीए के सीईओ दीपक वैद्य, कार्यपालन यंत्री संजय खरे, वित्त अधिकारी प्रशांत गोंटिया सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा ने सभी 18 मंडलों में किया पौधारोपण



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर “12 साल विकास के, विश्वास के एवं जनकल्याण के” कार्यक्रमों के अंतर्गत व्यापक पौधारोपण अभियान चलाया गया। अभियान के तहत महानगर के सभी 18 मंडलों में 50-50 पौधे रोपे गए।

अभियान का शुभारंभ शुक्रवार को भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में पौधारोपण कर किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने सहभागिता की। भाजपा जिला अध्यक्ष कर्तेश सोनकर ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। उन्होंने बताया कि लगाए गए सभी पौधों के लिए पालक भी नियुक्त किए गए हैं, जो उनकी निर्यात देखरेख करेंगे। कार्यक्रम में भाजपा के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

वृक्ष हमारे संरक्षक और पालक : विश्व पर्यावरण दिवस पर वृद्धाश्रम में हुआ वृक्षारोपण



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एवं बड़ेरिया चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वावधान में डैंडयन रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में वृक्षारोपण एवं पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं फैशन डिजाइनर सोनिया बड़ेरिया उपस्थित रही। इस अवसर पर सोनिया बड़ेरिया ने कहा कि पौधे केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम नहीं, बल्कि हमारे संरक्षक और पालक भी हैं। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से पौधों के संरक्षण एवं देखभाल की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ तथा मुख्य अतिथि का स्वागत प्राचार्य डॉ. गंगोत्री खेरवार ने किया।

कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग की छात्राओं महक एवं उनके समूह ने पर्यावरण संरक्षण और वृद्धजनों की देखभाल पर आधारित नाट्य प्रस्तुति दी, जबकि अनन्या एवं समूह ने गीत एवं कविता के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया। उपस्थित सभी लोगों ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली। अंत में मुख्य अतिथि, संस्थान के शिक्षकगण एवं वृद्धाश्रम के वरिष्ठ नागरिकों द्वारा संयुक्त रूप से पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का समापन अमीषा पटले के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर डॉ. गंगोत्री खेरवार, प्रो. डॉ. विनीता सुरेश, प्रो. पूजा नायर तथा वृद्धाश्रम की वार्डन श्रीमती रेवेंडु सहित संस्थान का स्टाफ एवं वृद्धाश्रम के सदस्य उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स में वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश



विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य के संकल्प के साथ विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान चेयरमैन डॉ. सौरभ बड़ेरिया, डायरेक्टर डॉ. शोभित बड़ेरिया, सीईओ डॉ. पुनीत मेहता एवं डायरेक्टर निलेश रावल सहित वरिष्ठ चिकित्सकों और अधिकारियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रत्येक चिकित्सक ने एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर डॉ. सौरभ बड़ेरिया ने कहा कि स्वस्थ पर्यावरण ही स्वस्थ जीवन की पहली शर्त है तथा स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल और हरित वातावरण बेहतर स्वास्थ्य की नींव हैं। डॉ. शोभित बड़ेरिया ने कहा कि स्वास्थ सेवाओं के साथ पर्यावरण संरक्षण भी हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। सीईओ डॉ. पुनीत मेहता एवं निलेश रावल ने नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित चिकित्सकों ने पर्यावरण संरक्षण को जनस्वास्थ्य से सीधे जुड़ा विषय बताते हुए वृक्षारोपण को स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।



पमरे में पौधारोपण एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा मुख्यालय सहित जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडलों में पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष की थीम “जलवायु परिवर्तन — धरती माँ की चुनौतियाँ” के अनुरूप 15 मई से 5 जून तक विशेष अभियान चलाकर स्वच्छ स्टेशन, प्लास्टिक प्रदूषण में कमी एवं सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में गतिविधियों की गई।समापन अवसर पर पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में शपथ समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। इस दौरान सभी ने दैनिक जीवन में पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने तथा समाज को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।इसके पश्चात रेल सौरभ कॉलोनी में बृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह, पश्चिम मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती ऋचा सिंह एवं अपर महाप्रबंधक श्री प्रमोद कुमार खत्री ने पौधे रोपकर हरित पर्यावरण का संदेश दिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी, मंडल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरजा, महिला कल्याण संगठन की सदस्याएं एवं बड़ी संख्या में रेल कर्मचारियों ने सहभागिता कर पौधारोपण किया। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, ऊर्जा संरक्षण एवं वृक्षारोपण जैसे प्रयासों के माध्यम से हरित एवं सतत विकास की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पर्यावरण संरक्षण केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के प्रति कर्तव्य भी है।

54वीं म.प्र. राज्य तैराकी चैम्पियनशिप में जबलपुर रनरअप, मानवी और रोहन बने स्टार परफॉर्मर

जबलपुर। रीवा के मिहिर सेन तरणताल में आयोजित 54वीं म.प्र. राज्य स्तरीय तैराकी (एक्वाटिक) चैम्पियनशिप-2026 में जबलपुर के तैराकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल रनरअप चैम्पियनशिप हासिल की। प्रतियोगिता में नगर के खिलाड़ियों ने गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज पदकों की झड़ी लगाकर तैराकी इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।नेशनल मेडलिस्ट मानवी श्रीवास्तव ने ग्रुप-ए एवं महिला वर्ग में 11 स्वर्ण

पदक जीतकर दोनों वर्गों की व्यक्तिगत चैम्पियनशिप अपने नाम की। वहीं रोहन अम्बरे ने बालक-ए एवं पुरुष वर्ग में 8 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। इसके अलावा अंश अरोरा (3 स्वर्ण), आदित्य मिश्रा (3 स्वर्ण, 3 रजत), रित्विक वासना (1 स्वर्ण, 3 रजत), समरथ खरे (1 स्वर्ण), वैभव उपाध्याय (2 स्वर्ण, 2 रजत), शरन्या सिंह, शिल्पी कोल, तनवी कुशवाहा, गौरिका जैन, नैन्सी गढ़वाल,

स्वर्ण सरल उड़के एवं नवधा चतुर्वेदी ने भी पदक जीतकर टीम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। टीम के कोच शिवम श्रीवास्तव, माही द्विवेदी तथा मैनेजर मनोज कुशवाहा के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि पर जिला तैराकी संघ के अध्यक्ष संजय पटेल सहित संघ के पदाधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। जानकारी संघ के सचिव सुनील कुमार ने दी।

सुदामा चरित्र के साथ श्रीमद्भागवत कथा का हुआ भावपूर्ण समापन

जबलपुर। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर गढ़ाफाटक स्थित जगदीश मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत समापन हुआ। कथा के अंतिम दिवस बाल व्यास सुश्री सुप्रिया जी ने सुदामा चरित्र एवं प्रह्लाद जन्म प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति और मित्रता का संदेश दिया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की आदर्श मित्रता का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि सच्ची मित्रता निस्वार्थ प्रेम और समर्पण का प्रतीक होती है। कथा प्रारंभ से पूर्व मुख्य यजमान उमाशंकर साहू, यशोदा साहू, सावित्री रेक्वार, अभिषेक सोनी एवं सुनील साहू ने व्यास पीठ का पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक लखन घनगोरिया ने कथा स्थल पहुंचकर व्यास पीठ का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा मार्गदर्शक डॉ. अरुण मिश्रा ने लखन घनगोरिया, पुजारी देवेन्द्र त्रिपाठी, भागवत भूषण रामखि महाराज एवं धार्मिक विकास समिति के अध्यक्ष के.के. शुकला का शाल, श्रीफल एवं माला से सम्मान किया। कार्यक्रम में पंडित राम दुबे, कपिल दुबे, यदुवंश मिश्रा, एडवोकेट अनिल दुबे, शिवगणेश गौतम, अमल दुबे, देवसिंह उडके, सरोज विश्वकर्मा, सरिता विश्वकर्मा, संध्या मिश्रा, मिथिलेश तिवारी एवं रजनी ठाकुर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं मातृशक्ति उपस्थित रही।



समाजरत्न अलंकरण से सम्मानित हुए केशलाल भगत

जबलपुर। घंटाघर स्थित कॉफी हाउस में रजक समाज, प्रजापति समाज एवं माझी समाज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भव्य समारोह में वरिष्ठ समाजसेवी केशलाल भगत को समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए समाजरत्न अलंकरण से सम्मानित किया गया। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर ब्रॉन्ज मेडल विजेता विकास कनौजिया का पगड़ी पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में तीनों समारोहों ने केंद्र सरकार एवं राष्ट्रीय राजनैतिक दलों से शोषित, वंचित एवं पिछड़े वर्गों को राज्यसभा में प्रतिनिधित्व देने की मांग उठाई। साथ ही प्रदेशभर

नाम परिवर्तन सूचना
मैं लाईवी देवी (LAICHEE DEVI) सर्व साधारण को सूचित करती हूँ कि मेरे सभी शासकीय/अर्द्धशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम लाईवी देवी (LAICHEE DEVI) है जो कि सही है। परन्तु मेरे आधार कार्ड में लिपिक त्रुटिवा शक्ति (Savitra) दर्ज हो गया है, जो कि गलत है, यह त्रुटि के बाद मुझे लाईवी देवी (LAICHEE DEVI) के नाम से जाना पहचाना जावे।
पुराना नाम-सावित्रा (Savitra)
नया नाम-लाईवी देवी (LAICHEE DEVI)
निवासी- 3033/1, चंदन कॉलोनी, खमरिया जबलपुर म.प्र.

नाम सुधार सूचना
मैं SANJAY VISHNOI उम्र 62 वर्ष S/O RAJARAM VISHNOI मेरे passport no. N0083842 में मेरा नाम (SANJAY KUMAR VISHNOI) लिखा हुआ है जो की बलबल कर (SANJAY VISHNOI) कर लिया है जो कि मेरे आधार, पेन और अन्य सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है अतः मुझे मेरे सही नाम (SANJAY VISHNOI) से जाना पहचाना जाए।
नया नाम :- SANJAY VISHNOI
पुराना नाम :- SANJAY KUMAR VISHNOI
पता :- 1618 नैपियर टाउन नियर आदित्य हॉस्पिटल जबलपुर

आम सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि मेरे पक्षकार राजेश कुमार पहारिया पिता स्व. रामसेवक पहारिया, उम्र 65 वर्ष एवं श्रीमति लक्ष्मी पहारिया पति राजेश कुमार पहारिया निवासी वार्ड नं. 12, यशराज होटल के बाजू से, खितीला बाजार, सिहोरा, जिला- जबलपुर एतद्वारा आम सूचना जारी कर रहे हैं, कि हम अपने पुत्र पवन कुमार पहारिया को अपने व्यवसायिक एवं परिवारिक संबंधों से पृथक् कर रहे हैं, पुत्र पवन कुमार के द्वारा लगातार परिवार को आर्थिक क्षति पहुंचाकर आर्थिक संकट में डाल दिया है, अतएव कोई भी व्यक्ति, बैंक, वित्तीय संस्था शासकीय / अर्ध शासकीय, वित्तीय सहायता न करें, तथा हमारी मेसर्स हरिओम एजेंसी (बिलिंग मेरेटियल), प्रो. श्रीमति लक्ष्मी पहारिया के नाम से खितीला में रियल है, उसके नाम से पवन कुमार पहारिया के द्वारा व्यक्तिगत अथवा मोबाईल के माध्यम से कोई भी व्यवसायी लोहा, सीमेंट इत्यादि का आर्डर स्वीकार न करें, न ही किसी भी प्रकार का कोई भी शासक भुगतान करें, इस हिदायत के साथ आम सूचना जारी की जा रही है, जो भी व्यक्ति पवन कुमार पहारिया से व्यक्तिगत रूप से व्यवसायिक संबंधवार/लेन-देन करेगा उसका उत्तरदायित्व मेरे पक्षकारगण पर नहीं होगा।
सिहोरा, जिला- जबलपुर
दिनांक- 05/06/2026

महदीय रमेश पटेल (अधिकवार)
वार्ड नं. 8, महादीह चौक के पास,
सिहोरा जिला जबलपुर (म.प्र.)
मो. नं. 9425465658

बाली में सनातन संस्कृति और योग का विस्तार

पतंजलि और इंडोनेशिया के हिंदू विवि के बीच ऐतिहासिक समझौता, जुड़ा स्वर्णिम अध्याय

हरिभूमि न्यूज हरिद्वार

सनातन संस्कृति, योग और आधुनिक शिक्षा के वैश्विक विस्तार में एक नया स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। पतंजलि योगपीठ और इंडोनेशिया के एकमात्र हिंदू विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी हिंदू नेगरी के बीच इंडोनेशिया में एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह साझेदारी न केवल दोनों देशों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान के सेतु का निर्माण करेगी, बल्कि बाली की धरती पर सनातन और योग के वैभव को पुनर्जीवित करने में मील का पत्थर साबित होगी। पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण की अगुवाई में हुआ यह समझौता वैश्विक स्तर पर संस्कृति आधारित विकास का एक अनूठा मॉडल पेश करता है।शैक्षणिक और योग अनुसंधान पर सहमति- इस समझौते के तहत दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए 'स्ट्रेट सेशन' (सीधे सत्र) के साथ-साथ अनुसंधान और योग प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन पर सहमति बनी है। बता दें कि इंडोनेशिया का यह विशिष्ट विश्वविद्यालय 35 अलग-अलग संकायों का संचालन करता है।प्रोफेसर डॉ. गुस्ती नुग्राह सुदियाना और प्रोफेसर मादे पूर्नामा की अगुवाई में प्रबंध समिति ने श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि की टीम का भावपूर्ण स्वागत किया।

पतंजलि योगपीठ का विकास मॉडल पूरे विश्व के लिए उदाहरण

इंडोनेशिया के युवाओं को रोजगार भी सुलभ होगा

पतंजलि जल्द इंडोनेशिया में शिक्षा, योग और सनातन संस्कृति शुरू करेगा



इंडोनेशिया में राजकीय अतिथि बने आचार्य

इंडोनेशिया/ बाली में पतंजलि योगपीठ के महामंत्री श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण इण्डोनेशिया प्रवास पर हैं। अपने प्रवास के दौरान आचार्य श्री बाली प्रांत पहुंचे और बाली प्रांत के विधानसभा अध्यक्ष देवा मदे महाध्याना तथा बाली के एम एल ए. डॉ. सोमवीर से मेंटवार्ता की। इससे पूर्व बाली प्रांत के चेयरमैन ने आचार्य का शौहादपूर्ण, प्रेमपूर्ण स्वागत किया। आचार्य जी की बतौर राजकीय अतिथि के रूप में आतिथ्य प्रदान करते हुए हर्बल उद्यान भ्रमण की सारी व्यवस्था

की थी। मेंटवार्ता के दौरान देवा मदे महायज्ञ ने कहा कि पतंजलि योगपीठ का विकास मॉडल आज पूरे विश्व के लिए उदाहरण है। पतंजलि शिक्षा, कृषि, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, अनुसंधान आदि विविध क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। आचार्य से बाली में शिक्षा, स्वास्थ्य तथा कृषि के क्षेत्र में पतंजलि के साथ मिलकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की, जिस पर आचार्य जी ने सहर्ष सहमति व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द साझा प्रयासों से हम बड़ा कार्य करेंगे।

सीएमपीडीआई में पर्यावरण दिवस पर हरियाली बढ़ाने लगाएं पौधे

रांची। सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक चौधरी शिवराज सिंह ने अपने मुख्यालय प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर कोल इंडिया पर्यावरण ध्वज फहराया और कर्मियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शपथ दिलाई। मौके पर संस्थान के निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री राजीव कुमार सिन्हा ने कोल इंडिया के चेयरमैन का संदेश पढ़ा जिसमें पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक (तकनीकी/ पीएंडडी) अजीय कुमार, निदेशक (तकनीकी/ सीआरडी) कुण्ड लाल, कोल इंडिया के कार्यपालक निदेशक (गवर्णर) आरके सिंह सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। श्री सिंह ने अपने संबोधन में जोर दिया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सोच में मूलभूत परिवर्तन की आवश्यकता है और उन्होंने प्रकृति के साथ सामंजस्य पूर्ण सह-अस्तित्व और दैनिक जीवन में सतत प्रथाओं को अपनाने की वकालत की। उन्होंने अपने कर्मियों से प्रदूषण कम करने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा



देने में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया। इस अवसर पर उन्होंने फस्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) जैसी पहलों और पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने के माध्यम से सतत खनन और पर्यावरण प्रबंधन के प्रति सीएमपीडीआई की प्रतिबद्धता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि सीएमपीडीआई का उद्देश्य राफ्ट के ऊर्जा और विकास लक्ष्यों का समर्थन करते हुए जलवायु परिवर्तन को कम करने में सार्थक योगदान देना है। श्री सिंह ने कार्यकारिणी निदेशकों (एफडी) के साथ मिलकर "प्रकृति संकल्प" के पहले अंक का अनावरण किया जो

कि अर्धवार्षिक ई-पत्रिका है और पर्यावरण संबंधी पहलों को बढ़ावा देने और सतत विकास के प्रति जागरूकता पैदा करने पर केंद्रित है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित विजय, ड्राइंग, पेंटिंग और रौलस जैसी विभिन्न प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन "एक पेड़ मां के नाम" पहल के तहत पौधारोपण अभियान के साथ हुआ, जिसमें संस्थान के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक चौधरी शिवराज सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मिलकर परिसर में हरियाली और पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए पौधे लगाए।

टाटा मोटर्स का वैश्विक विस्तार पर अधिक जोर: चंद्रशेखरन

नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा है कि कंपनी अगले पांच वर्षों में वैश्विक विस्तार पर ध्यान देगी और उभरते क्षेत्रों में नेतृत्व हासिल करने के साथ अपने मजबूत खंड में शीर्ष स्थान बनाए रखेगी।

आवश्यकता

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़े। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रु 500-रु 1000 तक की गारंटीड कमाई कर बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955 (रायपुर /07/जून 26)

छोटा बिज़ापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने शिरोक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों?

जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंग को 8-9 इंच लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सेक्स डाइम 30 से 45 मिन्ट बढ़ाएं। बरों की कमजोरी बाग़्ददी, धातु का घतलापन, शुनर, वी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।

घर बैठे मंगवाये!

लाभ नही तो पैसे वापिस!

8515825081

9083218330

कार्यालय नगर पालिका निगम, जबलपुर

// द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदार से ऑनलाइन निवेदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की विस्तृत विवरण वेबसाइट <https://mptenders.gov.in> पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समायाधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	PRO- 269 2026 UAD 512829-1 Date- 05/06/2026	(पार्षद अनुमोदित) रायमी दयानंद सरस्वती वाई स्थित मशीन वाले बाबा के सामने नाला निर्माण कार्य।	03 माह रु 3.37 लाख	2000/- 3370/-	12/06/2026

नोट :- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन की वेबसाइट <https://mptenders.gov.in> पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन ग्रंथी नगर पालिका निगम जबलपुर

शब्द पहेली - 6248

1	2	3	4	5	6	7
			8			9
10		11				
12		13		14		15
					16	
			17		18	
19	20	21	22	23		24
				25		
			27		28	
26						
			29		30	
31	32		33			34
35					36	

बाएँ से दाएँ

1. चिकित्सा, इलाज -4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिस्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्षक-3
24. विदिर्ण-2.2

25. पानी का बहना-5

26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 6247 का हल

बि	ज	ली	घ	र	मा	न	शि	क	
दि	ल	ड	ख	न	न	ना	रा	र	
ल	बा	र	वा	र	क	ली	मा	मा	
डु	ला	रा	खा	स	ख	प	त	त	
ख	बा	ना	व	ग	म	क	रा	र	
ना	म	र	ख	ना	ख	म	क	रा	र
यू	त	स	र	ट	वा				
ह	म	शा	म	वी	स	ना			
ड	य	श	का	रा	या	स	हो		
ता	न	य	ग	ली	न	म	ना		
ल	ब	प	थ	न	ग	र	ब	धु	

कार्यालय नगर पालिका परिषद

गाडरवारा, जिला नरसिंहपुर, म.प्र.

Tel.No.-07791-254777 E-mail- cmogadarwada@mpurban.gov.in

क./419/राजस्व.शा./न.पा.प./2026-27

गाडरवारा, दिनांक 05.06.2026

निलामी की सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद गाडरवारा के स्वाभित्त के अधीन विभिन्न काम्पलेक्स की दुकानों को मध्य प्रदेश नगर पालिका (अवल संपत्ति का अंतरण) नियम 2016 (निविदा दिनांक तक हुये समस्त संशोधनों सहित) में उल्लेखित एवं विरचित प्रावधानों के अधीन आवंटन हेतु लमसम दर पर बंद लिफाफा में निविदा आमंत्रित किया जाता है। दुकानों से संबंधित विवरण निम्नानुसार है :-

क्र	शापिंग काम्पलेक्स का नाम	शेष दुकानों की संख्या	निविदा प्रपत्र का मूल्य प्रतिदुकान
1	अटल शापिंग काम्पलेक्स कामथ वाई गाडरवारा	12	3000
2	सब्जी मण्डी शापिंग काम्पलेक्स गाडरवारा	07	3000
3	बस स्टैंड काम्पलेक्स का ब्लाक., ए.,	05	3000
4	बस स्टैंड काम्पलेक्स का ब्लाक., बी.,	14	3000
5	बस स्टैंड काम्पलेक्स का ब्लाक., सी.,	15	3000

नोट:-

1. निविदा की तिथी 06/06/2026 से 22/06/2026 तक है दिनांक 22/06/2026 को दोपहर 3 बजे तक क्रय निविदा पेटी में डाले जा सकते है। निलामी के टेंडर दिनांक 22/06/2026 को शाम 5 बजे खोले जावेंगे।

2. निलामी की विस्तृत जानकारी निकाय की राजस्व शाखा से प्राप्त की जा सकती है।

वैभव देशमुख

मुख्य नगर पालिका अधिकारी

नगर पालिका परिषद गाडरवारा

कार्यालय अध्यक्ष, काउंसिलिंग समिति

संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

संशोधित समय सारणी

ऑनलाइन काउंसिलिंग समय सारणी, सत्र 2026-27 (C-18)

बी.फार्मेसी/डी. फार्मेसी एवं फार्म-डी

पाठ्यक्रमों के प्रथम वर्ष में अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रवेश

(शासकीय, मध्यप्रदेश राज्य शासन द्वारा घोषित स्वशासी, अनुदान प्राप्त अशासकीय, स्वशासी एवं स्ववित्तीय (विश्वविद्यालयीन) एवं निजी संस्थान)

प्रथम चरण	
गतिविधियां	दिनांक/समय
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	29.05.2026 से 16.07.2026 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration)	17.07.2026 से 18.07.2026 सायं 5:30 बजे तक
(सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	
संस्थाओं के प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना	01.07.2026 से 20.07.2026 रात्रि 11:45 बजे तक
(प्राथमिकता क्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	21.07.2026
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति	24.07.2026 से 30.07.2026 सायं 6:30 बजे तक
(आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	
द्वितीय चरण	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	26.07.2026 से 02.08.2026 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration)	03.08.2026 से 04.08.2026 सायं 5:30 बजे तक
(सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	
संस्थाओं के प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना	27.07.2026 से 06.08.2026 रात्रि 11:45 बजे तक
(प्राथमिकता क्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	07.08.2026
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति	10.08.2026 से 17.08.2026 सायं 6:30 बजे तक
(आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	
संस्था स्तर की काउंसिलिंग (CLC)	
उपरोक्त काउंसिलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	प्रवेश के अवसर का दिनांक/समय
19.08.2026 से 23.08.2026	24.08.2026 प्रातः 10:30 बजे से सायं 6:30 बजे तक
उपरोक्त काउंसिलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
25.08.2026 से 29.08.2026	30.08.2026 प्रातः 10:30 बजे से सायं 6:30 बजे तक
उपरोक्त काउंसिलिंग उपरान्त रिक्त रह गई सीटों के लिये	
10.09.2026 से 15.09.2026 अंतिम तिथि को रजिस्ट्रेशन	15.09.2026 प्रातः 10:30 बजे से सायं 06:30 बजे तक
दोपहर 12:30 बजे तक रहेगा	
● प्रवेश नियम, विस्तृत समय-सारणी, अभ्यर्थी के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची आदि वेबसाइट dte.mponline.gov.in पर उपलब्ध है। काउंसिलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।	
● संस्था स्तर की काउंसिलिंग में इच्छुक संस्था में प्रवेश का अवसर प्राप्त करने के लिये निर्धारित तिथि पर संस्था में प्रातः 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक उपस्थित हुए अभ्यर्थियों की मेरिट तैयार कर, तदुपरान्त मेरिट के अनुसार प्रवेश किन्हे जायेंगे।	
प्रवेश निरस्त	
● काउंसिलिंग के किसी भी चरण में प्राथमिकता क्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करने की अंतिम दिनांक/समय से आवंटन जारी होने तक तथा संस्था स्तर की काउंसिलिंग (CLC) में, प्रवेश का अवसर प्राप्त करने की दिनांक को, प्रवेश निरस्तीकरण की सुविधा उपलब्ध नहीं रहेगी।	
● संपर्क:- 0755-6720205, 2660441 ईमेल:- dte.helpcenter@mp.gov.in	
म.प्र. माध्यम/126233/2026	अतिरिक्त संचालक, तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

राशिफल

किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेगी।

मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुखादुःखानुपान में रुचि रहेगी।

पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचे। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। संतान को कष्ट

व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

पटन-पाटन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेगी।

क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

पटन-पाटन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

सूडोकु नवताल - 6258

			6	8	5			
1						2		8
	2							
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
8							6	
	4	9	1					

सूडोकु नवताल - 6257 का हल

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहेली का केवल एक ही हल है।

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7



सीखने के लिए समस्या का होना जरूरी नहीं : बिग बी

मुंबई। मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने ज़िंदगी में आने वाली समस्याओं और उनसे डील करने को लेकर एक पोस्ट लिखा है, जो चर्चा में है। उनका कहना है कि समस्याओं को तुरंत ही सुलझाने की जरूरत नहीं, क्योंकि वो हमें परिस्थितियों की गहरी समझ, उनसे जुड़े ज्ञान और अनुभव को हासिल करने का अवसर लेकर आती हैं। वो हमें और भी समझदार और परिपक्व बना देती हैं। सीखने के लिए समस्या का होना जरूरी नहीं है, लेकिन अगर अगली बार ऐसी कोई समस्या आती है, तो न केवल उसके समाधान के लिए, बल्कि उससे जुड़ी हर समस्या को समझने के लिए तैयार

रहना चाहिए। इससे पहले एक अन्य पोस्ट में उन्होंने बदलाव की अहमियत और उसे स्वीकारने के बारे में लिखा। साथ ही कहा कि आखिर में सबकुछ खत्म हो जाएगा, लेकिन हर चीज का अंत बदलाव का सामना किए बिना नहीं होगा। अमिताभ बच्चन ने लिखा, 'समस्याओं की एक अच्छी बात यह है कि वो बाद में भी समस्याएं ही रहेंगी।' उनसे तुरंत निपटना जरूरी नहीं है। हर दिन कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। और किसी व किसी समस्या के सामने आने से मन में एक तरह की बेचैनी पैदा होती है, जिससे उस समस्या का पूरा ज्ञान और समझ मिलती है।



लाइफ Style

तमन्ना

आध्यात्मिक जर्नी की दिखाई झलकियां

एजेंसी ►► मुंबई

तमन्ना भाटिया ने स्पिरिचुअल जर्नी की जो कहानी सुनाई है, वो काफी लोगों को हैरान कर सकती है। तमन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर लिंग भैरवी देवी पुण्य पूजा की 9 झलकियां दिखाई हैं और इस पोस्ट के कैप्शन में इस डिवाइन फीलिंग को बर्ना किया है। उन्होंने अपने कैप्शन में बताया कि घर में दिनभर चली प्रार्थना, पूजा और पॉजिटिव एनर्जी का असर ऐसा था कि उन्हें लग रहा था जैसे वहां हर तरफ सब चीज बेहद खूबसूरत है। उन्होंने लिखा, 'सभी लोग जा चुके थे। मंत्रों का जाप शांत हो चुका था। पूजा पूरी हो चुकी थी। फिर भी मैं देवी के पास बैठी थी और चाहती थी कि बस ये दिन खत्म ही नहीं हो। उस जगह में अभी भी बहुत जीवंतता थी। एक ऐसे घर की एनर्जी, जहां दिन भर प्रार्थना, सेलब्रेशन, हंसी, भक्ति और सबका साथ रहा। ऐसा लग रहा था मानो हवा में कोई खूबसूरत चीज अभी भी बसी हुई है, जो यहां से जाने से इनकार कर रही है।' कैप्शन में आगे कहा है, 'इस दिन को और भी खास बना दिया फैमिली, अपने और वे सभी लोग जो इस एक छत के नीचे इकट्ठा हुए थे। मैंने हमेशा महसूस किया है कि जब कोई इस तरह का आध्यात्मिक कार्य घर में होता है तो यह न केवल इसे आयोजित करने वालों को, बल्कि दरवाजे से अंदर आने वाले हर व्यक्ति को प्रभावित करती है।

तमन्ना भाटिया ने अपने आध्यात्मिक जर्नी की झलकियां दिखाई हैं। पूजा-पाठ, मंत्रों की गूंज, श्रद्धा भाव और गुलाबी बनावटी साड़ी में लिंग भैरवी देवी पुण्य पूजा का आयोजन। इस दौरान तमन्ना ने जो महसूस किया, उसे शब्दों में बताने की भी कोशिश की है।

पेड़ी का 135 करोड़ का धमाका सारी फिल्में हो गईं चित

नई दिल्ली। 'पेड्डी' इस साल मच-अवेंटेड फिल्म में से एक है। फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है, जिसमें राम चरण, जाहनवी कपूर, शिवा राजकुमार, जगपति बाबु, दिव्येंद्र, बोमन ईरानी और रवि किशन जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। अब रिलीज होने के साथ ही राम चरण की फिल्म 'पेड्डी' ने थिएटर्स में तूफान ला दिया है। हिम्मत, जज्बे और दिल छू लेने वाली कहानी को देखने के लिए थिएटर्स में भारी भीड़ उमड़ रही है। अब 'पेड्डी' के पहले दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन सामने आ गया है। मेकर्स की ओर से मिली जानकारी के अनुसार 'पेड्डी' ने अपने पहले दिन दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 135.36 करोड़ रुपए से ज्यादा का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। जिससे यह इस साल की सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्मों में से एक बन गई है।



फहलाज मेरी नींव के पत्थर थे : गोविंदा

मुंबई। गोविंदा ने पहलाज निहलानी को अंतिम विदाई देने के बाद मीडिया से बात की और बताया कि प्रोड्यूसर ने ही उन्हें गरीबी से बाहर निकाला था। गोविंदा को पहलाज निहलानी ने साल 1986 में आई फिल्म इल्जाम से बॉलीवुड में लॉन्च किया था। इसके बाद उन्होंने एक्टर संग शोला और शबनम और आंखें के अलावा कई और फिल्में बनाईं। जब गोविंदा की पहली फिल्म हिट हुई थी, तो उन्होंने एक साथ 49 फिल्में साइन कर ली थीं। एक मैगजिन ने तो तब गोविंदा को 'सोने के अंडे देने वाली मुर्गी' बता दिया था। गोविंदा ने पहलाज निहलानी को याद करते हुए कहा, पहलाज निहलानी, हमारी नींव के पत्थर थे। माई और मुझ जैसे कलाकार जो गरीबी के दौर से ऊपर आए, उसमें हमें आपका सहयोग रहा। गोविंदा ने फिर आगे कहा, 'मैं पूरे सिंधी समाज को और पहलाज जी को प्रणाम करता हूं।

हॉलीवुड मसाला

आइस एज बॉइलिंग पॉइंट का ट्रेलर रिलीज

नई दिल्ली। आइकॉनिक झुंड के रोमांच के मचअवेंटेड अगले अध्याय आइस एज: बॉइलिंग पॉइंट का बिल्कुल नया टीजर ट्रेलर और पोस्टर अब रिलीज हो चुका है। यह फिल्म 5 फरवरी 2027 को अंग्रेजी और हिंदी में केवल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मैथ, सेबर-दूध टाइनर, स्लॉथ और टेर सारी प्रागैतिहासिक अफ़रा-तफ़री से भरी दुनिया में लौटने के लिए तैयार हो जाइए! अब तक की सबसे लोकप्रिय एनिमेटेड फ्रैंचाइजी में से एक आइस एज आधिकारिक तौर पर आइस एज: बॉइलिंग पॉइंट के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है, और इसका उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। टीजर में मैनी (आवाज: रे रोमानी), डिएगो (आवाज: डेनिस लेरी), सिड (आवाज: जॉन लेथुइज़ाओ), बक (आवाज: साइमन पेग) और एली (आवाज: व्हीन लतीफा) एक बार फिर साथ नजर आते हैं।



एवशन और विजुअल्स बने 'ही मैन' की सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली। फेटेसी और एडवेंचर फिल्मों के शौकीनों के लिए 'ही मैन एंड द मास्टर्स ऑफ़ द यूनिवर्स' एक शानदार सिनेमैटिक एक्सपेरियंस लेकर आई है। जिसमें शानदार एवशन तो है ही। साथ में इमोशन से भरपूर लम्हे, हाई लेवल के वाफिक्स और ऐसी दुनिया जो एक अलग ही लेवल की लाइफ को बर्ना करती है। फैंस काफी समय से इस फिल्म फिल्म का इंतज़ार कर रहे थे। और, ये कहना गलत नहीं होगा कि फिल्म ने आते ही उन्हें नॉस्टैल्जिक कर दिया है। फिल्म से जुड़े शुरुआती रिसर्चिंग के मुताबिक फिल्म दर्शकों को थिएटर में बांधे रखने में कामयाब हो रही है। खास तौर पर इसकी विजुअल क्वालिटी और क्लाइमैक्स सीक्वेंस बड़े पर्दे के लिए तैयार किए गए हैं। जो दर्शकों को रोमांचित करते हैं। फिल्म समीक्षक रमेश बाला ने इस फिल्म को पांच में से 3.5 स्टार दिए हैं। उन्होंने टीवीट में लिखा कि ये एक साइलेंट एवशन पैकड एंटरटेनर है। जो नॉस्टैल्जिया से भरपूर है। जिसकी वर्ल्ड बिल्डिंग भी खासी इंप्रेसिव है। उनके मुताबिक फिल्म के एवशन सीक्वेंस ही इसकी जान है। जिनके जरिए ही मैन की दुनिया को बड़े पर्दे पर काफी लाज्ज तरीके से और खूबसूरती के साथ पेश किया गया है।

टीवी मसाला



'भाबीजी घर पर हैं 2.0' हुआ पलॉप, विभूति ने जताई थी आपत्ति

नई दिल्ली। आसिफ शेख टेलीविजन के साथ फिल्मों में भी काम करने को लेकर जाने जाते हैं। उनको असली पहचान शो भाबीजी घर पर हैं से मिली थी। इस शो में उन्होंने विभूति नारायण मिश्रा का किरदार निभाया था। अगर उनके कैरियर की बात करें तो उन्होंने साल 1984 में टीवी शो हम लोग से शुरुआत की थी। इसके अलावा एक्टर काफी बड़ी फिल्मों में नजर आए, जिसमें करण अर्जुन, भारत जैसी तमाम फिल्मों के नाम शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार उनका नाम शो में 300 से अधिक किरदार निभाने के लिए वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स-लंदन में भी दर्ज किया गया है। बीते दिनों जो भाभी जी घर पर हैं 2.0 दर्शकों के बीच में आया। इस प्रोजेक्ट से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं। लेकिन, शो दर्शकों के बीच कोई खास जगह नहीं बना पाया। हाल ही में एक्टर ने इस शो से जुड़ी शेरार की और अपना दुख जाहिर किया। उन्होंने कहा कि इस शो में जो फैबिक था, वो पूरा बदल गया था। मैं भी इसके पक्ष में नहीं था। शो का क्या मतलब रहा? मैं ऐसा पहला इंसान हूँ, जिसने इस शो में यह फैबिक बदलने का विरोध किया। लेकिन ये ऊपर से आईर्स आए थे, इसलिए मैं भी कुछ नहीं कर पाया। पुराने शो में आपने देखा कि कैसे विभूति दूसरे घर में जाकर भाभी जी से मजाक करता है। आपने यह पूरा फैबिक ही चेंज कर दिया। एक्टर ने आगे कहा कि शो में मेरा लौड किरदार था।

41 साल पुराने सीरियल रजनी की वापसी

नई दिल्ली। बात 1985 की है। इस साल दूरदर्शन पर एक शो आया था जिसका नाम था 'रजनी'। इस शो में एक हाउसवाइफ होती है जिसका ऊसूल होता है कि कोई भी चीज वो हर कसौटी पर कसकर खरीदती है। फिर वो तब घर का सामान हो या फिर गैस का सिलेंडर। रजनी का ये किरदार प्रिया तैलुकर ने निभाया था, जबकि इसके डायरेक्टर करण राजनद्वारा थे। अब 'रजनी 2.0' की दूरदर्शन पर वापसी हो रही है। डायरेक्टर करण राजनद्वारा ने शो के बारे में कहा कि 'रजनी' पहले भी दूरदर्शन पर आता था। दूरदर्शन ने मुझे इसके अलावा पार्ट बनाने के लिए ऑफर दिया। हालांकि, एक बड़े चैनल को भी मेने यह आइडिया सुनाया था। उनको भी काफी पसंद आया। सबसे बड़ी बात यह है कि उनका कहना था कि 'रजनी 2.0' में 2 एपिसोड्स में पूरा कैस सॉल्व कैसे कर सकती है? मैं कहता हूँ कि आज के समय हमारे देश में ऐसी धाराएं आ गई हैं जो हाल ही कंज्यूमर की प्रॉब्लम सॉल्व करती हैं। इस शो को डीडी नेशनल पर देखा जा सकेगा। डायरेक्टर ने आगे बताया कि आज के समय आप अपना खुद का कैस कंज्यूमर कोर्ट में जाकर लड़ सकते हो। आपको किसी की जरूरत नहीं है। यह बात मैं लोगों तक पहुंचाना चाहता था।



द इंडिया स्टोरी का टीजर रिलीज

मुंबई। काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े की अदाकारी से सजी अपकमिंग फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' का टीजर रिलीज हो गया है। इस फिल्म की कहानी थोड़ी अलग होने वाली है। इसमें खाने पीने की चीजों में मिलावट और खेती में केमिकल के गलत इस्तेमाल पर प्रकाश डाला गया है। टीजर में फिल्म की झलक की दिखाई है। एक मिमट 26 सेकंड के टीजर में देखा जा सकता है कि तरबूज में इंजेक्शन लगाया जा रहा है। दूध और पनीर में मिलावट की जा रही है। इसी तरह से फसल में कीटनाशक का इस्तेमाल किया जा रहा है। टीजर में दिखाया गया है कि मिलावटी और जहरीला खाना खाने से लोग बीमार पड़ रहे हैं और अस्पताल के चक्कर काट रहे हैं। टीजर में किसी भी मुख्य कलाकार को नहीं दिखाया गया है। इसमें डेटा खाने पीने में मिलावट की तस्वीरें और



वीडियो दिखाई गई हैं। टीजर के आखिर में बताया गया है कि फिल्म 24 जुलाई को रिलीज होगी। इसके निर्देशक चेतन डीके होंगे। 'द इंडिया स्टोरी' का टीजर एक ऐसी कहानी की झलक देता है, जिसमें आज के मदे होंगे। इसमें दिखाया जाएगा कि खाने-पीने की चीजों में कैसे मिलावट की जाती और यह हमें कैसे बीमार कर रहा है। यह फिल्म लोगों को सोचने पर मजबूर करेगी और जागरूक करेगी।

बिहाइंड हर आइज का अंत देखकर पैरों तले खिसक जाएगी जमीन

वो साइकोलॉजिकल हॉरर, जिनमें डराता है इंसानी दिमाग का पागलपन

एजेंसी ►► नई दिल्ली

अगर आपको साइकोलॉजिकल हॉरर थ्रिलर्स पसंद हैं, तो आपको इन फिल्मों और सीरीज की लिस्ट देखनी चाहिए। लिस्ट में टॉक टू मी, द बाबाडूक और सेंट मॉड जैसी फिल्में शामिल हैं, जो मानसिक बीमारी, दुख और धार्मिक उन्माद को डरावने रूप में दिखाती हैं। इसके अलावा, वेब सीरीज 'बिहाइंड हर आइज' अपने अनोखे ट्विस्टर और क्लासिक फिल्म मिजरी एक जुनूनी फैन के खोफनाक पागलपन को बखूबी बर्ना करती है।

शैतान (2024): इस लिस्ट में बॉलीवुड की फिल्म 'शैतान' भी अपनी जगह बनाती है, जो माता-पिता के सबसे बड़े डर को पर्दे पर लाती है। एक हंस्ता-खेलता परिवार वीकेंड मनाने बाहर जाता है, लेकिन उनकी ज़िंदगी तब नरक बन जाती है, जब एक अजनबी उनकी जानना बेटी को अपने वश में कर लेता है। वह लड़की उस आदमी के सम्मोहन में आकर अपने ही माता-पिता पर क्रूर अत्याचार करने लगती है, जिसे देख किसी की भी रूढ़ कांप जाए।

द बाबाडूक (2014): यह फिल्म सिर्फ एक मॉन्स्टर की कहानी नहीं है, बल्कि इंसानी दिमाग के गहरे खालीपन को दिखाती है। कहानी एक अकेली माँ और उसके बेटे की है, जो बच्चों की एक किताब से निकले अजीब और डरावने राक्षस 'बाबाडूक' के साप से परेशान हैं। यह कमाल की ऑस्ट्रेलियाई फिल्म असल में किसी भूत-प्रेत से ज्यादा, एक माँ के पुराने दुख, तनाव और डरावने राक्षस 'बाबाडूक' के साप से परेशान हैं। यह कमाल की ऑस्ट्रेलियाई फिल्म असल में किसी भूत-प्रेत से ज्यादा, एक माँ के पुराने दुख, तनाव और धार्मिक उन्माद के खोफनाक रूप को पर्दे पर बेहद संजीदगी और डर के साथ पेश करती है।



भूतकालम (2022): मलयालम सिनेमा की बेहतरीन साइकोलॉजिकल फिल्म आपको सोचने पर मजबूर कर देगी। घर में एक गैत के बाद एक माँ और उसका बेटा डिप्रेशन से जूझते हुए अपने किराए के मकान में कुछ

सेंट मॉड (2020): अगर आप धीरे-धीरे बढ़ते वाले सस्पेंस के दीवाने हैं, तो आपको 'सेंट मॉड' बिल्कुल मिस नहीं करनी चाहिए। इसमें एक अकेली और बेहद धार्मिक हॉस्पिटल नर्स की कहानी है, जो अपनी एक नास्तिक मरीज की आत्मा को बचाने के जुनून में इस कदर अंधी हो जाती है कि सही और गलत का फर्क भूल बैठती है। यह फिल्म मानसिक बीमारी, तनाव और धार्मिक उन्माद के खतरनाक तालमेल को बहुत ही खोफनाक अंदाज में दिखाती है।

बेहद डरावनी और अजीब घटनाओं का सामना करते हैं। फिल्म की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि यह अंत तक दर्शकों को उलझाए रखती है कि जो कुछ हो रहा है, वह वाकई कोई भूत है या फिर उनके दिमाग का वहम।

तुम्बाड (2018): भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन हॉरर फिल्मों में गिनी जाने वाली तुम्बाड इंसानी लालच की एक अनोखी और डरावनी लोककथा है। कहानी एक ऐसे आदमी की है, जिसकी सोने के खजाने को पाने की भूख उसे एक श्रापित देवता की अंधेरी कोख तक ले जाती है। यह फिल्म सिर्फ डराती नहीं है, बल्कि यह दिखाती है कि कैसे इंसान का अपना ही लालच उसके लिए सबसे बड़ा और सबसे भयानक राक्षस बन जाता है। **बिहाइंड हर आइज (2021):** अगर आपको मिनीसीरीज देखना पसंद है, तो 'बिहाइंड हर आइज' एक परफेक्ट साइकोलॉजिकल थ्रिलर है। कहानी एक सिंगल मदर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने बॉय के साथ ऑफेयर में पड़ जाती है और साथ ही उसकी रहस्यमयी पत्नी से भी दोस्ती कर लेती है। तीन लोगों का यह अजीबो तब द्रायंगल धीरे-धीरे ऐसे डार्क सीक्रेट्स खोलता है, जिसका अंत देखकर आपके पैरों तले जमीन खिसक जाएगी। **मिजरी (1990):** मशहूर लेखक स्टीफन किंग के नॉवेल पर बनी क्लासिक फिल्म एक जुनूनी फैन के डरावने रूप को दिखाती है। एक जाने-माने लेखक की कार का एक्सीडेंट हो जाता है, जिसके बाद उसकी जान उसकी 'नंबर वन फैन' बचाती है। लेकिन, यह सेवा जल्द ही एक भयानक कैद में बदल जाती है, जब उस फैन का पागलपन सामने आता है। यह फिल्म आपको थ्रु से अंत तक सीट से बांधकर रखेगी।

सूर्य की जगह अर्यर होंगे टी20 टीम के कप्तान

एंजेली»» मुंबई

भारतीय चयन समिति शनिवार को जब ब्रिटेन के दौरे और एशियाई खेलों के लिए टीम को अंतिम रूप देने के लिए बैठक करेगी तो श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह टी20 टीम की कप्तानी मिलना तय है।

भारत के ब्रिटेन के दौरे में 26 और 28 जून को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। इसके बाद भारत इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से शुरू होने वाले 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 3 वनडे मैच खेलेगा। एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में आइची-नागोया में होंगे और निर्धारित समय सीमा को देखते हुए टीम की घोषणा समय से पहले की जा रही है।



वैभव की सीनियर टीम में शामिल किए जाने की संभावना
ऐसी संभावना है कि तिलक वर्मा नए उप-कप्तान होंगे, जबकि 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया जाएगा। सूर्यकुमार को न केवल इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप जीतने के बावजूद कप्तान पद से हटाया जा रहा है, बल्कि पिछले 18 महीनों में उनके खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें टीम में जगह मिलने की उम्मीद नहीं है।

ब्रिटेन दौरे और एशियाई खेलों के लिए टीमों की घोषणा

चयन समिति ब्रिटेन दौरे और सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए दो अलग-अलग टीमों की घोषणा करेगी। एशियाई खेलों के लिए तिलक वर्मा को कप्तान बनाया जा सकता है और सूर्यवंशी के भी उस टी20 टीम का हिस्सा होने की संभावना है। कुछ नाम इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं, जिनमें तेज गेंदबाज प्रियस यादव और बाएं हाथ के स्पिंजर हर्ष दुबे भी शामिल हैं।

टेस्ट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे सदुर्शन : गंभीर

एंजेली»» मुल्लापुर

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने स्पष्ट किया कि साई सुदर्शन को टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के पर्याप्त मौके दिए जाएंगे क्योंकि बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के 6 मैच में निराशाजनक प्रदर्शन से उनकी क्षमता का आकलन नहीं किया जा सकता है।

सुदर्शन ने अब तक खेले गए 6 टेस्ट मैचों में 27.45 के औसत से कुल 302 रन बनाए हैं, लेकिन मुख्य कोच ने कहा कि उन्हें देवदत्त पडिक्कल पर तरजीह दी जाएगी, जो इस स्थान के लिए एक अन्य दावेदार हैं। पडिक्कल ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2024 में टेस्ट मैच के बाद से लंबी अवधि के प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। गंभीर ने कहा कि सुदर्शन को इंग्लैंड में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में प्रदर्शन पड़ा और इसे देखते हुए उन्हें बाहर करना अनुचित होगा।



साई को नहीं मिला उचित मौका

गंभीर ने कहा, 'सच कहूँ तो साई को उचित मौका नहीं मिला है। उन्होंने बहुत कम टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत इंग्लैंड में की। हम सभी जानते हैं कि इंग्लैंड में खेलना आसान नहीं है।' उन्होंने कहा, 'आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा है (722 रन) और हम उन्हें उचित मौका देंगे। मुझे अब भी लगता है कि उन्हें पर्याप्त मौके नहीं मिले हैं।' इसका मतलब है कि पडिक्कल को इंतजार करना होगा क्योंकि फिटनेस संबंधी कोई समस्या न होने पर सुदर्शन कम से कम अगले 10 टेस्ट मैच खेलेंगे।

खबर संक्षेप



आज दिल्ली में माय भारत युवा सम्मेलन

नई दिल्ली। खेल और युवा कार्य मंत्रालय का 'माय भारत युवा सम्मेलन' शनिवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें ओलंपिक पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी फराटा धावक गुरिंदरवीर सिंह समेत खेल जगत के कई सितारे भाग लेंगे। मंत्रालय के अनुसार त्यागराज स्टेडियम में होने वाले इस सम्मेलन में देश के 6 हजार से अधिक युवा भाग लेंगे। इनमें छात्र, युवा पेशेवर, उद्यमी, कंटेंट क्रिएटर्स शामिल होंगे। इस दौरान खेल, उद्योग, प्रशासन और कंटेंट क्रिएशन से जुड़ी उदीयमान प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

रोम डायमंड लीग: 8वें स्थान पर रहे सचिन



रोम। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव डायमंड लीग में पदार्पण करते हुए अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए और आठवें स्थान पर रहे, जबकि श्रीलंका के रमेश थरंगा पथिरागे ने अपने करियर में पहली बार 90 मीटर का प्रतिष्ठित आंकड़ा पार करते हुए खिताब जीता। 26 वर्षीय यादव केवल 79.18 मीटर का सर्वश्रेष्ठ श्रो ही कर सके, जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 86.27 मीटर से काफी कम था। उन्होंने अपना यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में किया था जहां वह चौथे स्थान पर रहे थे। उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 81.95 मीटर है। यादव ने फाउल श्रो से शुरुआत की तथा फिर अगले चार प्रयासों में 79.18 मीटर, 77.02 मीटर, 76.62 मीटर और 75.54 मीटर श्रो किया। पांच श्रो के बाद वह आठवें स्थान पर रहे।

उडान में बीमार पड़े निशानेबाजी कोच राणा

नई दिल्ली। मशहूर निशानेबाजी कोच जसपाल राणा जर्मनी के म्युनिख में हुए आईएसएसएफ विश्व कप से भारतीय दल के साथ लौटते हुए उडान में बीमार हो गए, जिसके बाद उन्हें चिकित्सा प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। राणा भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के हाई परफॉर्मंस कोच हैं। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीते। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के सूत्र ने बताया, 'जसपाल को विमान में अच्छा महसूस नहीं हो रहा था और दिल्ली पहुंचने के बाद वह सीधे अस्पताल गए, जहां टेस्ट के बाद उन्हें एक स्ट्रेट डाला गया।' एक खिलाड़ी के तौर पर शानदार कैरियर के बाद जूनियर टीम के कोच और हाई परफॉर्मंस ट्रेनर के रूप में भी राणा का कैरियर उपलब्धियों से भरा रहा है।

मुल्लापुर में मिड़ेंगी गिल और शाहिदी की टीमों, मैच सुबह 9.30 बजे से

आठ साल बाद आमने-सामने भारत अफगानिस्तान, आज से इकलौता टेस्ट

एंजेली»» मुल्लापुर

भारत का पिछले कुछ समय में घरेलू टेस्ट मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन रहा है, लेकिन उसकी टीम अब भी बेहद मजबूत है और वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के महत्वपूर्ण मैचों से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में उचित संयोजन तैयार करने की कोशिश करेगा। अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला यह मैच डब्ल्यूटीसी का हिस्सा नहीं है लेकिन टीम की दिशा तय करने के लिहाज से यह काफी महत्वपूर्ण है। इन दोनों टीम के बीच इससे पहले 2018 में टेस्ट मैच खेला गया था, जिसमें अफगानिस्तान ने लंच और चाय के सत्र के बीच 10 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद तीसरे सत्र में उसकी दूसरी पारी भी सिमट गई थी और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था।



टीमें इस प्रकार हैं

भारत - शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वीरेंद्र सहवाग, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कुषणा, मोहम्मद सिराज, मानव सुधार, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल।

अफगानिस्तान - हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अब्दुल मलिक, रहमतुल्लाह गुरबाज, रहमतुल्लाह, अफसर जजई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, अजमतुल्लाह उमरजई, शेरफुल्लाह अशरफ, नांगियालिया खरोटे, बिलाल सामी, कैस अहमद, मोहम्मद सलीम, जियाउर रहमान।

2018 में भारत ने दो दिन में जीता था मैच

जहां तक भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबले की बात है तो आंकड़ों पर नजर डालने से भी अंतर स्पष्ट हो जाता है। अफगानिस्तान ने 2018 में बेंगलुरु में भारत के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था, जिसे मेजबान टीम ने दो दिनों के भीतर ही जीत लिया था। इसके बाद से जून 2026 तक अफगानिस्तान ने 11 और मैच खेले हैं। इसी अवधि में भारत ने 67 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से ऋषभ पंत अकेले 49 मैचों का हिस्सा रहे हैं। संयोगवश, जब अफगानिस्तान आखिरी बार भारत के खिलाफ खेला था, तब पंत ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण भी नहीं किया था। 2018 की टीम से केवल केएल राहुल ही वर्तमान भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, जबकि अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और बल्लेबाज रहमत शाह भी उस मैच में खेले थे।

एशियाई अंडर-18 हॉकी

पेनल्टी शूटआउट में हारी महिला टीम, स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर

एंजेली»» काकागिगाहारा

भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम एशियाई चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में चीन से पेनल्टी शूटआउट में हार गई और इस तरह से स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर हो गई। भारतीय टीम चार क्वार्टर तक चले रोमांचक मुकाबले के 2-2 से बराबर रहने के बाद शूटआउट में 1-3 से हार गई। भारत की तरफ से निर्धारित समय में नौशीन नाज (तीसरे मिनट) और किरण एक्का (54वें मिनट) ने गोल दागे, जबकि ली जेयान (24वें मिनट) और झांग युजेंग (48वें मिनट) ने चीन के लिए गोल किए।



कांस्य के लिए मिड़ेंगा भारत
महिला वर्ग का दूसरा सेमीफाइनल मैच जापान और कोरिया के बीच खेला जाएगा। भारत शनिवार को कांस्य पदक के लिए इस मैच में हारने वाली टीम से मिड़ेंगा। भारत ने पहले क्वार्टर में शानदार शुरुआत करते हुए तीसरे मिनट में ही गोल दाग दिया।

नॉर्वे चेस : क्लासिकल बाजी में प्रज्ञाननंदा ने गुकेश को हराया, वेस्ली से सिर्फ आधा अंक पीछे

एंजेली»» ओस्लो

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने हमवतन गुकेश पर क्लासिकल बाजी में शानदार जीत हासिल करके नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। प्रज्ञाननंदा इस जीत के बाद शीर्ष पर काबिज अमेरिका के वेस्ली सो से सिर्फ आधा अंक पीछे रह गए हैं, जिससे यहां अंतिम दौर में रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है।

प्रज्ञाननंदा ने काले मोहरों से खेलने के बावजूद विश्व चैंपियन गुकेश को क्लासिकल बाजी में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए। इससे वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। नॉर्वे दौर के बाद प्रज्ञाननंदा 15 अंकों के साथ अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो (15.5) से ठीक पीछे दूसरे स्थान पर हैं।



खिताब की दौड़ में फ़िरोजा

फ्रांस के अलोरैजा फ़िरोजा भी 14.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहकर खिताब की दौड़ में बचे हुए हैं। इस तरह से अंतिम दौर में तीन खिलाड़ियों के पास खिताब जीतने का मौका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जो भी खिलाड़ी खिताब जीतेगा, वह पहली बार नॉर्वे शतरंज चैंपियन बनेगा। प्रज्ञाननंदा निर्णायक अंतिम दौर में जर्मनी के विसेंट कोमर का सामना करेंगे जबकि वेस्ली सो का मुकाबला अलोरैजा से होगा।

जिनेर ने दिया को हराया

झू जिनेर ने काले मोहरों से खेलते हुए दिव्या देशमुख को हराया और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। इससे वह दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। कोनूर हम्पी को महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन से आर्मागेंडन टाय-ब्रेक में हार मिली।

विश्व कप में पानी की बोतलें बैन

एंजेली»» कोरल गेबलेस

फीफा ने अपनी नीति में ऐन मौके पर बदलाव करते हुए उत्तर अमेरिका में होने वाले फुटबॉल विश्व कप के मैचों में फिर से भरी जाने वाली पानी की बोतलें स्टेडियम में लाने पर रोक लगा दी है। स्टेडियम आचार संहिता की इंग्लैंड के प्रशंसकों के एक समूह ने कड़क निंदा की है, जिसका कहना है कि फीफा ने आश्वासन दिया था कि भीषण गर्मी के बीच होने वाले टूर्नामेंट में स्टेडियम में मुफ्त पानी की व्यवस्था रहेगी और दर्शक प्लास्टिक की खाली बोतलें ला सकेंगे। फ्री लॉयर्स प्रशंसक समूह ने एक बयान में कहा, 'हमें तो यही लग रहा है कि पैसा कमाने के लिए यह किया जा रहा है।' विश्व कप स्टेडियमों में पानी, सोडा और जूस फीफा के पुराने प्रायोजक कोला



कोला के लिए बेचे जाएंगे। इस साल विश्व कप में व्हाइट हाउस कार्यबल के कार्यकारी निदेशक एंड्रयू जियुलियानी ने कहा, 'दर्शक पानी की बोतल किसी पर फेंक सकते हैं और हथियार की तरह उनका इस्तेमाल कर सकते हैं।' फीफा ने कल इस फैसले की घोषणा की है लिहाज में इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता।' फीफा के स्टेडियम नियमों में कहा गया है कि दर्शक पारदर्शी छोटी पानी की बोतल ला सकते हैं, जिसमें फिर से पानी भरा जा सके। लेकिन अब नए नियम के तहत ऐसी बोतलें मैदान में नहीं लाई जा सकेंगी।

एंजेली»» नोट्स

गुल्ला डू ने एक गोल किया और निर्णायक गोल करने में मदद की, जिससे आइवरी कोस्ट ने विश्व कप फुटबॉल के अभ्यास मैच में फ्रांस को 2-1 से हरा दिया। गुल्ला डू ने अपने इस प्रदर्शन से न सिर्फ आइवरी कोस्ट की अच्छी तैयारी का सबूत पेश किया बल्कि फ्रांस और उसके डगआउट में मौजूद अपने भाई डेसिरे डू को भी चौंका दिया। जब मैच ड्रा की तरफ बढ़ रहा था तब अमाद डियालो ने गुल्ला डू के दाहिनी ओर से दिए गए निचले क्रॉस को गोल में तब्दील कर दिया। पहले हाफ के आखिरी मिनट में रायन चेवकी ने दो डिफेंडर्स और गोलकीपर याहिया फोफाना को छकाते हुए गोल करके फ्रांस को बढ़त दिलाई थी। आइवरी कोस्ट की तरफ से गुल्ला डू ने बराबरी का गोल किया।

फ्रांस खेलेगा उत्तरी आयरलैंड के खिलाफ मैच

फ्रांस विश्व कप के लिए अमेरिका रवाना होने से पहले सोमवार को लिले में उत्तरी आयरलैंड के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेगा। वह विश्व कप में 16 जून को न्यू जर्सी में सेनेगल के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगा। आइवरी कोस्ट और इक्वेटोरियल गिनी पहला मैच 14 जून को फिलाडेल्फिया में खेला जाएगा।



स्पेन को मिला चौकाने वाला परिणाम

विश्व कप के एक अन्य दावेदार स्पेन को भी अभ्यास मैच में चौकाने वाले परिणाम का सामना करना पड़ा। उसे ला कोरुना में खेले गए मैच में इराक ने 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। फॉरवर्ड लामिन यामल और निको विलियम्स के हिना खेल रहे स्पेन ने फेरान टोरेस के गोल की बदौलत 16वें मिनट में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। इराक की तरफ से मैच समाप्त होने से आधा घंटा पहले मेवेंस डेस्की ने बराबरी का गोल किया। स्पेन के कोच लुइस दे ला फुएन्ते ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यामल 15 जून को अटलान्टा में टीम के विश्व कप के पहले मैच में केम वॉर्ड का सामना करने के लिए फिट हो जाएंगे। इराक 16 जून को मैसाचुसेट्स में विश्व कप के अपने पहले मैच में नॉर्वे से मिड़ेंगा।

फ्रेंच ओपन

सेमीफाइनल में पहुंचने पर माजा को लग रहा था होटल का बिल बढ़ने का डर

कोयले खदान में मजदूर माजा के पिता



एंजेली»» पेरिस

फ्रेंच ओपन 2026 शुरू होने से पहले अगर कोई कहता कि माजा च्वालिंस्का ग्रैंड स्लैम का फाइनल खेलेंगी तो शायद कोई भी हंस पड़ता, मगर अब वहीं होने जा रहा है, जिसकी कल्पना भी शायद किसी ने नहीं की होगी। इससे पहले तक ज्यादातर लोगों ने उनका नाम तक नहीं सुना था। माजा च्वालिंस्का को खुद भी यकीन नहीं हो रहा। वह जब इवेंट में उतरी थी तो उन्होंने भी नहीं सोचा था कि उनका सफर फाइनल तक पहुंच जाएगी, इसीलिए उन्होंने पैसे बचाने के लिए पूरे समय के लिए होटल भी बुक नहीं किया था। यहां तक कि सभी को चौंकाते हुए जब उन्होंने सेमीफाइनल में जगह बनाई तो उन्हें होटल का बिल बढ़ने का डर सताने लगा था। उन्हें डर था कि वो बिल कैसे चुका पाएंगी, मगर अब फाइनल में पहुंचने के बाद होटल खर्च को लेकर उनका डर खत्म हो गया है।

इतिहास रचने के करीब च्वालिंस्का

लगभग दो सप्ताह बाद च्वालिंस्का इतिहास रचने के बहुत करीब हैं। वह ओपन एरा में प्रेम्मा राइकानो के बाद ग्रैंड स्लैम ट्राई जीतने वाली दूसरी क्वालिफायर बनने से बस एक जीत दूर हैं। कुछ महीने पहले ही वह पोलिश टेनिस की दुनिया में एक गुमनाम नाम थीं। यूनाइटेड कप के दौरान कोयले के खदान में काम करने वाले मजदूर की बेटे च्वालिंस्का की चार बार की रोलैंड गैरोस चैंपियन इगा स्विद्यतेक के लिए बर्फ पकड़े हुए भी देखा गया था, मगर अब च्वालिंस्का के लिए सब कुछ बदल गया है। अब फाइनल में उनका सामना रूस की टानएजर मीरा आंद्रीवा से होगा।

पडिक्कल को देंगे उचित मौका

गंभीर ने कहा, 'साई खराब फॉर्म में नहीं हैं। उन्होंने आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाए हैं। अगर हम साई का आकलन चार पांच मैचों के आधार पर करेंगे तो फिर कोई ठोस राय नहीं बना पाएंगे।' गंभीर ने कहा, 'जब भी पडिक्कल का समय आएगा, हम उन्हें भी उचित मौका देंगे। यह किसी एक को पांच टेस्ट मैच और दूसरे को एक टेस्ट मैच में उतारने की बात नहीं है। अगर हम किसी एक को पर्याप्त मौका देते हैं, तो जब भी दूसरे को मौका मिलेगा हम उसे भी पर्याप्त मौके देंगे।

आँखों की थकान का आसान समाधान

12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।

मझौली में 1 करोड़ से अधिक का अनाज गायब, 10 लोगों पर एफआईआर दर्ज

गेहूँ उपार्जन, एक के बाद एक घोटाले आ रहे सामने

जबलपुर। जबलपुर में समर्थन मूल्य पर गेहूँ खरीदी व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एक के बाद एक गेहूँ उपार्जन में घोटाले सामने आ रहे हैं। जिले के मझौली क्षेत्र में 1 करोड़ 35 लाख 67 हजार 837 रुपये के गेहूँ घोटाले का मामला जांच में उजागर हुआ है। इस मामले में खरीदी केंद्र प्रभारी सहित 10 लोगों के खिलाफ मझौली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। जांच में 5 हजार 168.70 किंवटल गेहूँ कम पाया गया। पोर्टल में फर्जी एंट्री कर दी गई थी।

जांच में खुला बड़ा फर्जीवाड़ा

भूमि ग्राम संगठन हटौली के खरीदी केंद्र क्रमांक-1, अनूपपुरा वेयरहाउस पिपरिया टगर में समर्थन मूल्य पर खरीदे गए गेहूँ के भौतिक सत्यापन के दौरान भारी अनियमितताएं उजागर हुईं। रिकॉर्ड के अनुसार केंद्र पर 48 हजार 347.07 किंवटल गेहूँ खरीदा गया था, जबकि मौके पर मात्र 43 हजार 179.01 किंवटल गेहूँ ही मिला। जांच में 5 हजार 168.70 किंवटल गेहूँ का कोई हिसाब नहीं मिला। कनिष्ठ खाद्य आपूर्ति अधिकारी एवं नोडल अधिकारी विजेश कुमार जाटव की शिकायत पर मझौली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

फर्जी किसानों की फौज कर दिखाई खरीदी

जांच रिपोर्ट के अनुसार कई किसानों के नाम पर पोर्टल में खरीदी दर्ज कर ली गई, जबकि वे गेहूँ लेकर केंद्र पहुंचे ही नहीं थे। आरोप है कि संबंधित व्यक्तियों ने फर्जी खरीदी रसीदें तैयार कर सरकारी धन का गवन किया। तौल प्रक्रिया में भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई। किसानों से निर्धारित मात्रा से अधिक गेहूँ लिया गया और रिकॉर्ड में कम दर्शाया गया। शिकायतों के अनुसार किसानों से तौल पर्ची जारी करने और तौल कराने के नाम पर अवैध वसूली भी



की गई।

भंडारण व्यवस्था में भारी लापरवाही

जांच दल को करीब 300 किंवटल गेहूँ वेयरहाउस के बाहर बोरियों में रखा मिला, जबकि 1 हजार 441.50 किंवटल गेहूँ खुले में ढेर के रूप में पाया गया। इससे खरीदी केंद्र की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठे हैं।

प्रशासनिक उदासीनता भी सामने आई

बताया गया है कि 18 मई को हुई उपार्जन समिति की बैठक में अनियमितताओं की जानकारी सामने आने के बावजूद केंद्र प्रभारी को नहीं हटाया गया। नोडल अधिकारी को भी नियमानुसार कार्यभार नहीं सौंपा गया। जांच में दस्तावेजों को छिपाने और अधिकारियों को सहयोग नहीं करने की बात भी सामने आई है।

इन धाराओं में मामला दर्ज

मझौली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 को धारा 316(2) (आपराधिक न्यासभंग),

316(5) (लोक सेवक द्वारा न्यासभंग), 318(2) (धोखाधड़ी) तथा 3(5) (समान आशय) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ये हैं आरोपी

पुलिस ने केंद्र प्रभारी रीना लोधी, संगठन अध्यक्ष मसूरी लोधी, कंप्यूटर ऑपरेटर शुभम बर्मन सहित प्रमोद कुमार मिश्रा, प्रकाश पाण्डेय, आनंद भारतसाकले, अमन पाण्डेय, आकाश पाण्डेय, अनिल पटेल और रिकू साहू को आरोपी बनाया है।

बारदानों में भी गड़बड़ी

जांच के दौरान बारदानों के उपयोग में भी अनियमितता पाई गई। रिकॉर्ड और वास्तविक उपयोग में भारी अंतर मिला, जिससे गेहूँ की हेराफेरी की आशंका और मजबूत हो गई है। कई किसानों के पूरे विवरण, मोबाइल नंबर और हस्ताक्षर भी रजिस्टर में दर्ज नहीं मिले।

किसानों में आक्रोश

घोटाले के खुलासे के बाद क्षेत्र के किसानों में भारी नाराजगी है। किसानों का आरोप है कि उनके साथ तौल में धोखाधड़ी की गई और कई मामलों में बिना गेहूँ लाए ही खरीदी दर्ज कर दी गई। किसानों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और नुकसान की भरपाई की मांग की है।

सभी खरीदी केंद्रों की होगी जांच

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने जिले के अन्य खरीदी केंद्रों की भी जांच कराने के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने दस्तावेज, रजिस्टर और सीसीटीवी फुटेज जल कर लिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं।

अधिकारियों के गोलमोल जवाब

बिना वन विभाग एनओसी रिजर्व फॉरेस्ट में सड़क निर्माण

मानला उजागर होने पर जांच की बात, आरईएस अफसरों की भूमिका पर उठे सवाल

हरिभूमि, जबलपुर।

मध्य प्रदेश सरकार एक ओर पर्यावरण संरक्षण और वन क्षेत्रों को बचाने के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर मंडला जिले में रिजर्व फॉरेस्ट एरिया के भीतर बिना वन विभाग की अनुमति सड़क निर्माण का मामला सामने आया है। नारायणगंज क्षेत्र के टिकरिया वन परिक्षेत्र अंतर्गत हरटीकुर से सालहेपानी तक बनाई जा रही ग्रेवल सड़क ने शासन-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार यह सड़क निर्माण कार्य रिजर्व फॉरेस्ट एरिया क्रमांक-15 में किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि निर्माण एजेंसी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग (RES) मंडला-2 द्वारा वन विभाग से किसी प्रकार की अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) या अनुमति नहीं ली गई। जबकि नियम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि आरक्षित वन क्षेत्र में किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य बिना वन विभाग की अनुमति और वैधानिक प्रक्रिया के नहीं किया जा सकता। सूत्रों के मुताबिक सड़क निर्माण का काम पिछले कुछ समय से जारी है और भारी मशीनों के जरिए वन क्षेत्र में मिट्टी और मुरुम डालकर सड़क तैयार की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण के दौरान वन भूमि को नुकसान पहुंचाया गया है, लेकिन जिम्मेदार विभागों ने आंखें मूंद रखी हैं।

अधिकारियों के जवाबों में विरोधाभास

मामला सामने आने के बाद जब संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली गई तो किसी ने स्पष्ट जवाब नहीं दिया। RES विभाग के अधिकारियों ने तकनीकी प्रक्रिया का हवाला देते हुए जिम्मेदारी टालने की कोशिश की, जबकि वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें सड़क निर्माण की कोई औपचारिक जानकारी नहीं दी गई। अधिकारियों के गोलमोल जवाबों से यह संदेह और गहरा गया है कि पूरा मामला विभागीय मिलीभगत से संचालित किया गया। अब मामला मौड़िया में आने के बाद जांच कराने की बात कही जा रही है।

बिना निर्माण एडवांस भुगतान की चर्चा

सूत्रों के अनुसार सड़क निर्माण कार्य में वित्तीय अनियमितता की भी आशंका जताई जा रही है। चर्चा है कि ठेकेदार को कार्य पूर्ण हुए बिना ही अग्रिम भुगतान कर दिया गया। वहीं मौके पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता और वास्तविक प्रगति भी सवालों के घेरे में है। स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि विभागीय अधिकारियों और ठेकेदार के बीच लेनदेन के चलते नियमों को दरकिनार किया गया। हालांकि इस संबंध में कोई अधिकारी खुलकर बोलने को तैयार नहीं है।

आरईएस के अफसरों की भूमिका संदिग्ध

पूरे मामले में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग मंडला-2 के मुख्य कार्यपालन यंत्री और संबंधित अनुविभागीय अधिकारी की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। बिना वन विभाग अनुमति के निर्माण कार्य कैसे स्वीकृत हुआ और भुगतान प्रक्रिया किस आधार पर आगे बढ़ाई गई, यह अब जांच का विषय बन गया है।

निर्माणों की खुली अनदेखी

वन संरक्षण अधिनियम के तहत आरक्षित वन क्षेत्र में किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य के लिए पूर्व अनुमति आवश्यक होती है। इसके बावजूद यदि निर्माण कराया गया है तो यह नियमों का सीधा उल्लंघन माना जाएगा। पर्यावरण विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रकार के मामलों में जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होना जरूरी है, अन्यथा वन क्षेत्रों में अवैध निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासन इस मामले में केवल जांच की औपचारिकता निभाता है या फिर जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार पर ठोस कार्रवाई भी होती है।

संबंधित विभाग के खिलाफ होगी कार्रवाई

इस संदर्भ में मुझे जानकारी मिली मैंने सड़क का कार्य रुकवा दिया है एवं एन ओ सी से संबंधित दस्तावेज विभागआर ई एस से मांगे हैं, दस्तावेज नहीं होने पर संबंधित विभाग के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मयंक उपाध्याय, रेंजर नारायण गंज मंडला

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार सहित अन्य से पूछा क्या रेत खनन के कारण केवई नदी के पानी का प्राकृतिक प्रवाह रोका गया

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अनूपपुर जिले की केवई नदी में अवैध रेत उत्खनन और नदी की प्राकृतिक जलधारा को बाधित किए जाने के मामले पर गंभीरता दर्शाई है। जस्टिस प्रणय वर्मा व जस्टिस जय कुमार पिल्लई की डिवीजन बेंच ने पूछा है कि क्या रेत ठेकेदार द्वारा किए जा रहे खनन कार्य के कारण केवई नदी के पानी का प्राकृतिक प्रवाह बाधित या रोका गया है? क्या रेत के भंडारण और खनन गतिविधियों में निर्धारित नियमों एवं वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया जा रहा है? राज्य सरकार सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। अगली सुनवाई ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद होगी।

अनूपपुर जिले के बिजुरी



निवासी पत्रकार प्रकाश सिंह परिहार की ओर से दायर जनहित याचिका में कहा गया है कि जिले की 18 रेत खदानों (कुल क्षेत्रफल 89.421 हेक्टेयर) के संचालन के लिए ई-टेंडर प्रक्रिया आयोजित की गई थी। अधिवक्ता ब्रह्मेन्द्र पाठक ने तर्क दिया कि इसमें नर्मदापुरम के पिपरिया स्थित फर्म एसोसिएट कॉमर्स ने लगभग 17.75 करोड़ रुपये की सर्वाधिक वार्षिक बोली

लगाकर ठेका प्राप्त किया।

याचिका के अनुसार, खनिज विभाग द्वारा लेटर ऑफ इंटेंट जारी किए जाने के बाद कोतमा तहसील के ग्राम गोहन्द्रा स्थित आराजी नंबर 843, 846 एवं 847 की भूमि पर रेत उत्खनन शुरू किया गया। लेकिन ,खनन के दौरान ठेकेदार ने केवई नदी की मुख्य जलधारा के बीच अस्थायी सड़क का निर्माण कर दिया जिससे नदी का प्राकृतिक प्रवाह प्रभावित और अवरुद्ध हो गया।तर्क दिया गया कि नदी की धारा रोके जाने से स्थानीय पर्यावरण, जलीय पारिस्थितिकी और जल प्रवाह प्रणाली पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस संबंध में प्रशासन और संबंधित विभागों को कई शिकायतें दी गईं, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई।

हाई कोर्ट ने आयुसीमा में छूट की मांग की नामंजूर

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में साफ किया कि शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत नियमित शिक्षक और डिग्री कालेजों में सेवाएं देने वाले अतिथि विद्वान दो पृथक वर्ग हैं। जस्टिस देवनारायण मिश्रा की ग्रीष्म अवकाशकालीन सिंगल बेंच ने कहा कि दोनों को समकक्ष मानकर भर्ती प्रक्रियाओं में एक जैसी सुविधाएं या छूट देने की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती। इस मत के साथ कोर्ट ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों को वैध पाते हुए याचिका निरस्त कर दी।

याचिकाकर्ता शहडोल निवासी उच्च माध्यमिक शिक्षक डा. अर्पणा पाठ सहित अन्य की ओर से दलील दी गई कि बताया कि 30 दिसंबर, 2025 को एमपी पीएससी ने माध्यमिक शिक्षक भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया था। इस विज्ञापन में डिग्री कालेजों में कार्यरत अतिथि विद्वानों को आयुसीमा में विशेष छूट प्रदान की गई थी। आयुसीमा में छूट का आधार अध्यापन अनुभव है और वे स्वयं भी लंबे समय से शिक्षण कार्य कर रहे हैं। अतएव, उन्हें भी वही लाभ मिलना चाहिए जो अतिथि विद्वानों को दिया गया है। एमपी

मालभाड़ा क्षमता वृद्धि, यात्री सुविधाओं पर फोकस पमरे जीएम ने किया कोयला लोडिंग केंद्रों का निरीक्षण

जबलपुर। जबलपुर मण्डल में गुरुवार 4 जून 2026 को पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने मालभाड़ा अवसंरचना के विकास, यात्री सुविधाओं के उन्नयन तथा परिचालन संरक्षा की और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सिंगरौली-कटनी साऊथ रेलखंड और सिंगरौली क्षेत्र का व्यापक एवं सघन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कोयला परिवहन नेटवर्क से जुड़े प्रमुख लोडिंग केंद्रों, रेलवे स्टेशनों तथा प्रगति पर चल रही अधोसंरचना विकास परियोजनाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। महाप्रबंधक ने सिंगरौली क्षेत्र के प्रमुख कोयला लोडिंग केंद्रों बरगावां, गोंदावली, मझौली, देवराग्राम, गजराबहरा एवं सरईग्राम गुड्स शेडों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रैक लोडिंग की वर्तमान क्षमता, उपलब्ध संसाधनों, लॉजिस्टिक चुनौतियों



तथा परिचालन व्यवस्था की समीक्षा की। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष के शेष अवधि के लिए कोयला लोडिंग बढ़ाने संबंधी कार्ययोजना पर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की, ताकि देश के विभिन्न ताप विद्युत संयंत्रों एवं उद्योगों को निबांध कोयला आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने ब्यौहारी एवं बरगावां स्टेशनों का दौरा कर 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास एवं आधुनिकीकरण कार्यों की प्रगति का भी

अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखते हुए सभी यात्री सुविधाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।बर्गावां में महाप्रबंधक ने रनिंग रूम का निरीक्षण करते हुए उपस्थित रनिंग स्टाफ से संवाद किया। उन्होंने कर्मचारियों की सुविधाओं एवं कार्यस्थल पर उपलब्ध संसाधनों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। महाप्रबंधक ने रेलवे अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेलवे बोर्ड की नीतियों

विद्युत मीटर से छेड़छाड़ करने वाला गिरोह सक्रिय, एफआईआर दर्ज

जबलपुर। आधारताल थांना अतर्गत मीटरों में अवैधानिक रूप से विद्युत मीटर से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार वैशाली

उपभोक्ताओं के परिसर में स्थापित मीटरों में अवैधानिक रूप से छेड़छाड़ का कार्य कर रहा है। मीटर से छेड़छाड़ किए जाने की जानकारी मिलने पर विभाग की टीम द्वारा उपभोक्ता श्रीमति ममता साहू, निवासी संजयनगर अधरताल

दल द्वारा मौके पर पंचनामा तैयार किया गया, उक्त संबंध में उपभोक्ता ने पूछताछ पर बताया कि मीटर गड़बड़ होने पर कुतुबुद्दीन अंसारी उर्फ बबलू से संपर्क किया जिसने कहा कि ऐसा मीटर बना देता हूँ जिससे बिजली का बिल कम



परिसर गौरीघाट निवासी 35 वर्षीय प्रमारी सहायक अभियंता विवेक नेमा ने लिखित शिकायत की, कि नई बस्ती गाजीनगर गोहलपुर निवासी कुतुबुद्दीन अंसारी उर्फ बबलू द्वारा क्षेत्र में विद्युत

के परिसर में स्थापित विद्युत कनेक्शन की जांच 25 मई को की थी। इस दौरान परिसर में स्थापित मीटर में इनकमिंग फेस का सीटी वायर काट कर विद्युत मीटर से छेड़छाड़ करना पाया गया। जांच

पुलिस ने लिखित शिकायत पर कुतुबुद्दीन अंसारी उर्फ बबलू के विरुद्ध धारा 135, 138, 139 भारतीय विद्युत अधिनियम, 318(4), 238 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेकाने में लिया गया।

बेहतर निर्माण और बेहतर कल की ओर एक कदम।

विश्व पर्यावरण दिवस

CUSTOMER CARE 1800 120 2660